Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20

।। पश्चिमी राजस्थान की आवाज ।।

मूल्य : दो रुपये

चौखी बात

जो लोग अपने घर में शांति से जीवन व्यतीत करते है उनका यमदूत भी कुछ नही कर पाते है

गुरु नानक देव

दैनिक जलते दीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

।। दसवां वेद ।।

कर घाल्यो लख कामळी, तकी बिलमी तन्न।जळ ऊंडो थळ है नहीं, बीते सो जाणे मन्न।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

www.dainikjaltedeep.com | वर्ष: 22 | अंक: 339 | जयपुर, सोमवार 06 जनवरी, 2020 | कुल पृष्ठ: 8 | Email : news@dainikjaltedeep.com

एक नजर

देश के प्रथम लोकसभा सांसद कमल बहादुर का निधन

एजेंसी, नई दिल्ली। देश की प्रथम लोकसभा के एकमात्र जीवित बचे सदस्य और बिहार के डुमरांव राज के अंतिम महाराज कमल बहादुर सिंह का निधन हो गया है। वे 93 साल के थे। उनके बेटे चंद्रविजय सिंह ने बताया कि रविवार को बक्सर जिले के भोजपुर स्थित कोठी पर उनका पार्थिव शरीर लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। सोमवार सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कमल सिंह का पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ घनिष्ठ संबंध था। कहा जाता है कि वाजपेयी के प्रभाव के कारण ही उन्होंने जनसंघ की सदस्यता ग्रहण की थी. स्वतंत्रता के बाद शाहाबाद में शिक्षा और सामाजिक विकास में इनका अहम योगदान रहा।

यूपी में घुसे लश्कर के दो आतंकी, हाई अलर्ट

एजेंसी, अयोध्या। दक्षिण भारत से जुड़े दो आतंकियों के पड़ोसी बस्ती रेंज तक आने की खबर से सतर्कता बढ़ा दी गई है। सरयू पुल बैरियर से लेकर हाइवे व गोंडा पुल के रास्ते पर खास चेकिंग अभियान शुरू किया गया है। अयोध्या आने वाले वाहनों की सघन तलाशी व कागजात जांचे जा रहे हैं। एसपी सिटी विजय पाल सिंह ने बताया कि गोरखपुर आईजी कार्यालय समेत खुफिया इनपुट मिलते ही सतर्कता चाक चौबंद कर दी है। सभी बैरियर पर सघन तलाशी हो रही है। खासकर रामनगरी में सुरक्षा बल व एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक दक्षिण भारत से जुड़े दोनों आतंकियों ख्वाजा मोइनद्दीन व अब्दुल समद की पहचान के साथ फोटो भी पुलिस को सर्कुलेट की गई है।

ईरान ने मस्जिद पर फहराया लाल झंडा, जंग का एलान

एजेंसी, तेहरान। अमेरिकी हवाई हमले में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत के बाद अब ईरान ने अघोषित रूप से अमेरिका के खिलाफ युद्ध का एलान कर दिया है। ईरान ने जामकरन मस्जिद के ऊपर लाल झंडा फहराकर युद्ध के लिए चेतावनी दे दी। बता दें कि इस तरीके के हालात में झंडा फहराना का मतलब होता है कि युद्ध के लिए तैयार रहें या युद्ध आरंभ हो चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा पहली बार नहीं है कि ईरान ने इसतरह से मस्जिद पर लाल झंडा फहराया है। कोम स्थित जानकरन मस्जिद के गुंबद पर आमतौर पर धार्मिक झंडे फहराए जाते हैं। ऐसे में धार्मिक झंडे को हटाकर लाल झंडा फहराने का मतलब युद्ध के एलान के रूप में लिया जा रहा है।

चितौड़गढ़ फोर्ट फेस्टिवल नई ऊंचाइयों को छुएगा : आंजना

जलतेदीप नसं, चित्तौड़गढ़। सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना विभाग मंत्री उदय लाल आंजना रविवार को जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित चितौड़गढ़ फोर्ट फेस्टिवल के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में भाग लेने पहुंचे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री आंजना ने कहा कि चित्तौड़गढ़ की धरा आन-बान और शान की प्रतीक है। जिला प्रशासन की ओर से शुरू किए गए इस कार्यक्रम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह अच्छा प्रयास है और यह कार्यक्रम नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नगरपरिषद सभापति संदीप शर्मा, उपसभापति कैलाश पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार कलाल आदि उपस्थित थे।

भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस देगी कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग

- **14 जनवरी को पीसीसी में होंगे इंटरव्यू, कांग्रेस ट्रैनिंग सेल के राष्ट्रीय नेता लेंगे इंटरव्यू**
- **सरकार की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचाने का कांग्रेसी प्लान**
- **कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रदेश से लेकर ब्लॉक तक दी जाएगी ट्रैनिंग**
- **आम लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ा जाएगा**
- **विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने शुरु किया था ट्रैनिंग प्रोग्राम**
- **कांग्रेस की रीति-नीति और सरकार की उपलब्धियों से वाकिफ कार्यकर्ताओं को बनाया जाएगा मास्टर ट्रेनर**

जलतेदीप विसं, जयपुर

भाजपा से मुकाबले के लिए कांग्रेस में अब कार्यकर्ताओं को ट्रैनिंग देने का फैसला किया है। कांग्रेस प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर तक ट्रैनिंग कैंप लगाएगी। विपक्ष में रहते शुरु किया गया ट्रैनिंग प्रोग्राम का प्रयोग अब सत्ता में आने के बाद नए सिरे से दोहराया जाएगा।

कांग्रेस में ट्रैनिंग सेल को फिर से सक्रिय किया गया है। कांग्रेस ट्रैनिंग सेल के राष्ट्रीय कर्ताधर्ता 14 जनवरी को जयपुर में आकर पीसीसी में कांग्रेस नेताओं के इंटरव्यू लेंगे। इंटरव्यू के जरिए प्रेरक यानी मास्टर ट्रैनर बनने वाले कार्यकर्ताओं का चयन किया जाएगा। जो नेता कांग्रेस की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी रखते हैं और पार्टी को समय देना चाहते हैं, उन्हें मास्टर ट्रैनर या प्रेरक बनाया जाएगा। ये मास्टर ट्रैनर ब्लॉक स्तर तक जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ट्रेंड करेंगे। ट्रैनिंग ले चुके कार्यकर्ताओं को आम जनता के बीच कांग्रेस की विचारधारा का प्रचार करने और भाजपा का मुकाबला करने का टास्क दिया जाएगा। कांग्रेस ट्रैनिंग सेल ने विधानसभा चुनावों से पहले भी कार्यकर्ताओं को जिला और ब्लॉक स्तर तक ट्रैनिंग दी थी। उसके बाद पार्टी ने मेरा बूथ मेरा गौरव अभियान चलाया था। इसके पार्टी को अच्छे परिणाम मिले थे। विधानसभा चुनाव में इस मॉडल की सफलता के बाद कांग्रेस ने ट्रैनिंग प्रोग्राम को और आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है। भाजपा कैडर बेस पार्टी होने के कारण उसके पास दक्ष कार्यकर्ताओं की लंबी कतार है जबकि कांग्रेस मास बेस पार्टी है और इसमें बीच बीच में दूसरी पार्टियों से बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए हैं।

पार्टी में नए आए कार्यकर्ताओं को भी कांग्रेस की रीति-नीति के बारे में बताया जाएगा। कांग्रेस के दक्ष कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार की उपलब्धियें के बारे में बताने का टास्क दिया जाएगा।

60 साल बाद जयपुर में बनेगा पीसीसी का नया भवन

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नये सचिव के तौर पर विजेन्द्र सिंह सिंगला की नियुक्ति की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के लिये भवन सम्बंधी जरुरतें पूरा करना सिंघला के जिम्मे होगा। वहीं कांग्रेस की परिसम्पतियों के देखभाल को लेकर भी सिंघला ही कांग्रेस आलाकमान को रिपोर्ट करेंगे। जिला स्तर पर बनने वाले कांग्रेस कमेटियों के सम्बंध में भी सिंघला ने रिपोर्ट मांगी है। पीसीसी को भी सिंघला का पत्र प्राप्त हुआ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी को नये भवन की आवश्यकता है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है, लिहाजा संगठन को उम्मीद है कि नया भवन मिलेगा।

दुष्यंत चौटाला फोर्ब्स पत्रिका की टॉप-20 लिस्ट में शामिल

एजेंसी, चंडीगढ़

कारोबारी पत्रिका फोर्ब्स ने दुनिया की उन 20 हस्तियों की सूची जारी की है जिन पर वर्ष 2020 में विश्व की नजरें रहेंगी। जजपा ने दावा किया है कि इस लिस्ट में हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का भी नाम शामिल है। पार्टी के मुताबिक दुष्यंत चौटाला एक उम्मीद के रूप में पूरे विश्व में ऊर्जावान व्यक्ति के तौर पर उभर कर सामने आए हैं।

फोर्ब्स ने इस सूची में दुष्यंत चौटाला का नाम शामिल करते हुए लिखा है कि चुनावी राजनीति में प्रवेश कर दुष्यंत चौटाला भारतीय इतिहास में पहले सबसे कम उम्र में युवा सांसद बने और अब हरियाणा के उपमुख्यमंत्री हैं। मैगजीन ने दुष्यंत चौटाला के राजनीतिक जीवन के बारे में ये भी लिखा कि दुष्यंत हरियाणा की राजनीति के साथ-साथ विश्व में अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने वाले व्यक्ति बन सकते हैं। इस सूची में श्रीलंका के राष्ट्रपति, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, सऊदी अरब के प्रिंस, फिनलैंड के प्रधानमंत्री, न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री, जर्मनी के रक्षा मंत्री, अमेरिका के एक सांसद और एक मेयर शामिल हैं।

कोटा : 110 बच्चों की मौत के बाद सरकार का एक्शन

एचओडी को हटाया, 4 नए डॉक्टर और लगाए

जलतेदीप नसं, कोटा

शहर के जेके लॉन अस्पताल में लगातार हो रही मासूम बच्चों की मौतों के बाद सरकार अब एक्शन में आई है। डिप्टी सीएम सचिन पायलट और स्वास्थ्य मंत्री के दौरे के बाद अस्पताल के शिशु रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतलाल बैरवा को हटा दिया गया है। बैरवा की जगह कोटा मेडिकल कॉलेज के डॉ. जगजीत सिंह को नया विभागाध्यक्ष बनाया गया है।

डॉ. बैरवा को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने अस्पताल के दौरे के दौरान भी फटकार लगाई थी। अस्पताल में गत 35 दिनों में 110 बच्चों की मौत हो चुकी है।

9 बैड का एनआईसीयू बनाया जा रहा है

जेके लॉन अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुरेश दुलारा ने बताया कि इसके साथ ही बच्चों के 4 नए डॉक्टर भी नियुक्त किए गए हैं। अस्पताल में वार्डों और आईसीयू की टूटी खिडकियों को पोली कारबोनेट शीट से बंद कर दिया गया है। कई उपकरणों की सीएमसी जारी कर दी गई है। कुछ नए उपकरण भी उपलब्ध करवाए गए हैं। एक कमरे को रिनोवेट करके 9 बैड का एनआईसीयू बना रहे हैं। उपकरणों की देखरेख का सुनिश्चित की गई है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी सीएसआर के जरिए 40 लाख रुपए उपलब्ध करवा रहे हैं। गत 35 दिनों में 110 बच्चों की मौत पर डॉ. दुलारा ने बताया कि जो बच्चे बाहर (ट्रांसपोर्ट के के दौरान) लाए गए वो सर्दी का शिकार हुए हैं। जेके लॉन अस्पताल में शिशु रोग विभाग में नए विभागाध्यक्ष और चार नए डॉक्टर्स को नियुक्त किए जाने से अब यहां 5 डॉक्टर्स की बढ़ोत्तरी हो गई है।

35 दिनों में 110 बच्चों की हो चुकी है मौत

उल्लेखनीय है कि जेके लॉन अस्पताल में दिसंबर से अब तक 35 दिनों में 110 बच्चों की मौत होने के बाद यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया। मामले को लेकर बीजेपी ने राज्य सरकार ने घेरने का प्रयास किया। वही इस मुद्दे को लेकर जमकर सियासी बयानबाजी भी हुई। नेताओं के बीच ट्वीटर वार भी छिड़ गया।

मुख्यमंत्री ने द्वारका प्रसाद अग्रवाल को श्रद्धांजलि दी

जलतेदीप ब्यूरो, मुंबई

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को मुम्बई में वेदान्ता उद्योग समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल के पिता उद्योगपति स्व. द्वारका प्रसाद अग्रवाल की प्रार्थना सभा में शामिल हुए और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

गहलोत ने दिवंगत की धर्मपत्नी वेदवती अग्रवाल एवं अन्य परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक-संतप्त परिजनों को सहन-शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की।

मुम्बई के वाई.बी. चव्हाण प्रतिष्ठान में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री रविवार सुबह यहां पहुंचे। प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने शरद पवार से शिष्टाचार भेंट की

मुख्यमंत्री गहलोत ने चव्हाण प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद पवार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार भी उपस्थित थे।

'राइट टू हेल्थ' के लिए चलाया 'निरोगी राजस्थान' अभियान

गहलोत ने मुम्बई में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राजस्थान में आमजन को 'राइट टू हेल्थ' देने के लिए 'निरोगी राजस्थान' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए कृत-संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) तथा शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में निरन्तर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रभावी परिणाम के लिए जन जागरण एवं राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ जनसहभागिता भी आवश्यक है।

जेएनयू कैंपस में बवाल, दो गुटो में मारपीट

एजेंसी, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में एक बार फिर लेफ्ट और एबीवीपी के छात्र आमने-सामने आ गए हैं। हालांकि इस बार बात मारपीट तक पहुंच गई है। बता दें कि विंटर सेमेस्टर रजिस्ट्रेशन के लिए पांच जनवरी आखरी दिन था, इसलिए छात्र रजिस्ट्रेशन करवाना चाहते थे। लेकिन लेफ्ट और छात्र संघ ने उनको रोकने की कोशिश की। इस दौरान छात्रों के दोनों गुट आपस में भिड़ गए।

वहीं इसके बाद पेरियार हॉस्टल के सामने पत्थरबाजी शुरू हो गई। साथ ही डंडों से हमला करके छात्रों को रजिस्ट्रेशन करने से रोका गया। घटना के बाद कैंपस में पुलिस पहुंची है। घटना में कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं।

पाकिस्तान : ननकाना साहिब पर हमले के बाद पेशावर में सिख युवक की हत्या

एजेंसी, पेशावर

पाकिस्तान में ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुए पथराव के बाद एक बार फिर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है। पेशावर में एक सिख युवक की अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का शव चामकानी थाना क्षेत्र में मिला।

मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। इससे पाकिस्तान में रह रहे सिख समुदाय में आक्रोश बढ़ने के आसार हैं। हाल में ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर कुछ उपद्रवियों ने पथराव करते हुए नाम बदलने तक की चेतावनी जारी की थी।

क्षेत्र में तनाव को देखते हुए शनिवार को प्रशासन ने सिखों को नगर कीर्तन करने की अनुमति नहीं दी थी। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्र में अब भी तनाव बरकरार है जिसके कारण नगर कीर्तन की इजाजत नहीं मिली।

पाक ने खारिज की गुरुद्वारा ननकाना साहिब की बेअदबी की खबरें

पाकिस्तान ने गुरुद्वारा ननकाना साहिब की बेअदबी की खबरों को खारिज किया है। पाक सरकार ने शनिवार को कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के जन्मस्थान को किसी ने छुआ नहीं है और न ही उसे कोई नुकसान पहुंचाया है तथा सिख धर्म के पवित्र स्थलों में से एक में तोड़फोड़ किए जाने के दावे गलत हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पंजाब प्रांत के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी है कि वहां शुक्रवार को दो मुस्लिम समूहों के बीच झड़प हुई थी।

उक्त झगड़ा चाय की एक दुकान पर किसी मामूली घटना को लेकर हुई और जिला प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मध्यप्रदेश में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर मामला दर्ज

एजेंसी, इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय सहित 350 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इन सभी पर धारा 144 का उल्लंघन करने और संभागीय आयुक्त आकाश त्रिपाठी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप हैं।

इसके अलावा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदौर में शनिवार को माचिस बांटी। जिसपर कैलाश विजयवर्गीय की फोटो छापकर लिखा गया था कि यह शहर में आग लगाने के काम आती है। शनिवार को विधायक संजय शुक्ला, कार्यकारी शहर अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने संभागायुक्त आकाश त्रिपाठी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस का कहना है कि विजयवर्गीय राज्य की शांति को भंग करना चाहते हैं। वे उत्तेजना फैलाकर प्रदेश शासन के खिलाफ विध्वंस की स्थिति पैदा करना चाह रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने विजयवर्गीय पर तंज कसते हुए कहा कि कलाकारजी हताश और भटके हुए हैं। बचपन से ही उन्होंने हिंसा और नफरत का रास्ता सीखा है। जिसकी वह राजनीति करते हैं। जिस किसी ने कानून के खिलाफ कहा है उसपर कार्रवाई होनी चाहिए।

'सीएए' भाजपा का जनजागरण अभियान, जयपुर में केन्द्रीय मंत्री सीतारमण ने किया आगाज

जलतेदीप कासं, जयपुर

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर जारी विवाद के बीच भाजपा ने जनसमर्थन जुटाने के लिए घर घर दस्तक देनी शुरू कर दी है। राजधानी जयपुर में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को मुस्लिम बहुल इलाकों से लेकर दलित बस्तियों के बीच जनजागरण अभियान का आगाज किया। भाजपा का यह जनजागरण अभियान जयपुर में खासा सुर्खियों में रहा।

मुसलमानों को सीएए से डरने की जरूरत नहीं

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में अभियान का आगाज करते हुए उनको सीएए की जानकारी दी. सीतारमण ने महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक सबसे आत्मीयता से मुलाकात की और सीएए की बारीकियां समझाई। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को सीएए से डरने की जरूरत नहीं है। सीएए से अल्पसंख्यकों को नागरिकता मिलेगी। उन्होंने हाल के बरसों में पड़ोसी देशों से आए मुस्लिम परिवारों को दी गई नागरिकता के आंकड़े भी गिनाए।

पाकिस्तान अफगानिस्तान और बांग्लादेश को भी आड़े हाथ लिया

इस दौरान कई दृश्य चौंकाने वाले थे। सीएए के समर्थन में सांगानेर के कई अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मोदी सरकार के समर्थन में नौजवान नारे लगाते दिखे. सीतारमण ने इस दौरान दलितों के घरों का भी रूख किया. दलितों को यहां तक समझाया गया कि पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के शिकार होकर आने वाले ज्यादातर शरणार्थी दलित हैं। अब उन्हें जब नागरिकता देने के लिए केंद्र सरकार सीएए के जरिये कोशिश कर रही है तो कांग्रेस इसका विरोध कर रही है।

बेहमई कांड : 38 साल बाद आज आएगा फैसला

बैंडिट क्वीन फूलन ने कतार में खड़ा कर 20 लोगों की हत्या की थी

एजेंसी, कानपुर

देशभर में चर्चित रहे बेहमई कांड की सुनवाई 38 साल बाद पूरी हो गई है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। सोमवार को इस मामले में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। 38 साल पहले बेहमई गांव में दस्यु सुंदरी फूलन देवी और गिरोह ने कतार में खड़ा कर 20 लोगों की गोली मारकर सामूहिक हत्या कर दी थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान फूलन समेत 15 आरोपियों की मौत हो चुकी है। जिला शासकीय अधिवक्ता राजू पोरवाल ने बताया कि 14 फरवरी 1981 को दस्यु सुंदरी फूलन देवी के गिरोह ने बेहमई गांव में 20 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राजाराम सिंह ने दस्यु सुंदरी फूलन देवी समेत 35-36 डकैतों के खिलाफ थाना सिकंदरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद यह कांड देशभर की सुर्खियों में रहा था। वर्ष 2012 में डकैत फूलन, भीखा, पोसा, विश्वनाथ, श्यामबाबू और राम सिंह पर आरोप तय किए गए थे। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित की अदालत में चल रही है।

हत्याकांड के बाद से लगातार तारीख पर तारीख पड़ती रही। इसी तरह 38 साल बीत गए। राज्य की

ओर से अभियोजन पक्ष ने वर्ष 2014 में गवाही पूरी कर ली थी। इसके बाद से अभियुक्तों की ओर से बचाव पक्ष ने बहस शुरू की। डीजीसी ने बताया कि गुरुवार को बचाव पक्ष की बहस पूरी हो गई है। फैसला सुनाने के लिए विशेष अदालत ने छह जनवरी की तारीख मुकर्रर की है।

ये था बेहमई सामूहिक हत्याकांड

14 फरवरी 1981 को दस्यु सुंदरी फूलन देवी के गिरोह ने बेहमई गांव में धावा बोला था। इसके बाद जगन्नाथ सिंह, तुलसीराम, सुरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, लाल सिंह, रामाधार सिंह, वीरेंद्र सिंह, शिवराम सिंह, रामचंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, नरेश सिंह, दशरथ सिंह, बनवारी सिंह, हिम्मत सिंह, हरिओम सिंह, हुकुम सिंह समेत 20 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जंटर सिंह समेत आधा दर्जन ग्रामीण गोली लगने से घायल हुए थे। डीजीसी ने बताया कि बेहमई हत्याकांड में आरोपी भीखा, श्यामबाबू व विश्वनाथ उर्फ पूतानी जमानत पर हैं। आरोपी पोसा अभी भी जेल में बंद है।

अरविन्द केजरीवाल पर साधा निशाना | **घर-घर जाकर सीएए के बारे में दे रहे जानकारी**

दिल्ली में अमित शाह ने शुरू किया डोर टू डोर कैंपेन

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में आगामी चुनावों को देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। इस सम्मेलन के बाद अमित शाह ने भाजपा के डोर टू डोर कैंपेन में हिस्सा लिया। इस दौरान वह लाजपत नगर पहुंचे। जहां उन्होंने भाजपा कैंपेन में हिस्सा लेते हुए डोर टू डोर पंफलेट बांटे। इन पंफलेट के जरिए

उन्होंने लोगों को नागरिकता कानून के बारे में जानकारी दी है। बता दें कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि लोगों में सीएए को लेकर भ्रम पैदा किया जा रहा है। उनका कहना है कि लोगों को गलत जानकारी देकर उन्हें भड़काया जा रहा है। इसके चलते उन्होंने यह कम्पेन शुरू किया है। जिसके जरिए वह लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वहीं इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान तालकटोरा स्टेडियम में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे। गृहमंत्री अमित शाह ने कार्यकर्ताओं का हौसला बुलंद करते हुए दावा किया कि इस बार दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनेगी। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सीएम केजरीवाल ने जनता को झांसा दिया। यह बार-बार नहीं हो सकता। जनता हर बार किसी के झांसे में नहीं आ सकती। इस बार दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी। अमित शाह ने मोहल्ला मीटिंग द्वारा लोगों तक पहुंचने का आह्वाहन करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के साथ मैं खुद जनता के साथ मोहल्ला मीटिंग करूंगा। उन्होंने कहा कि जनता ने नगर निगम चुनाव में भाजपा का चुनाव किया। इससे साफ हो गया कि दिल्ली की जनता किसे चाहती है। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 20 कॉलेज और 50 स्कूलों का वादा किया गया था, लेकिन वो स्कूल कॉलेज कहीं नहीं दिख रहे हैं।

हर मामले में राजनीति ठीक नहीं

आप क्या समझते हैं। कोई उन्हें समझाएगा और वो समझ जाएंगे। आप क्या समझते हैं। आप मनाओगे और वो मान जाएंगे। ऐसी सोच रखते हैं तो आप गलतफहमी में हैं, चाहे तो आजमा के देख लेना। समझ जाएं या मान जाएं तो हमें भी बताईयो। इसमें बताने की भी जरूरत नहीं। यदि समझ गए तो दुनिया ना रही। देश को तो पता चल ही जाएगा। शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

समझ की व्याख्या करना बेमानी है। समझ पर जितना लिखा जाए-कम है। समझ शास्त्र इतना मोटा तगड़ा और लंबा-चौड़ा है कि पढ़ने में उमर गुजर जाती है। यदि किसी ने पठन-पाठन करना शुरू किया और करत-करत अभ्यास के जडमति सुजान बन कर राम प्यारा हो गया तो दूसरे के लिए ककहरा वापस से शुरू। यदि उस बंदे ने अपना ज्ञान और समझ बांटी तब तो उस का विस्तार संभव है अन्यथा उन के साथ उनकी ज्ञान गंगा का भी अंत। इस लिए संत-सयाने कहते हैं कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है। समझ के बारे में उनका नजरिया जोरदार। वो कहते हैं समझ..समझ..के समझो..समझना भी एक समझ है।

समझ की अपनी कायनात है। वह भी भरी-पूरी और रंग-बिरंगी। समझ को शब्दों में कैद करना असंभव है। समझ के अपने रंग है। समझ की अपनी तरंग है। तरंगे ऐसी ठाठे मारती है कि सात समंदर पार तक दिखाई-सुनाई देती है। समझ को ना तो तोला जा सकता है ना मोलाया जा सकता है। यह नीली छतरी वाले की ओर से दिया गया वो नायाब तोहफा है जो हर मानखे के खाते में जमा है। किसी के खाते में कम-किसी के खाते में ज्यादा। किसी की समझ पर चादर चलती नजर आती है किसी का समझ सागर रीता हुआ। एकदम खाली। एकदम सूखा हुआ। समझ और इंसानी जमात का रिश्ता सबसे धाकड़ और सबसे अलहदा है। आम लोगों में यह धारणा है कि मनुष्य के अलावा किसी ओर जीव में बुद्धि नही होती। हो सकता है वो अपनी जगह पे सही हो मगर हम को इस पर एतराज है। दुनिया भले ही उनके कथन-उपदेश पर विश्वास करती हो, हमें उस पर संदेह। हमारे हिसाब से भगवान ने हर जीव को बुद्धि दी है। हर जीव को समझ दी है। हर जंतु को बुद्धि दी है। हर जिनावर को समझ दी है। जिसके पास जित्ती समझ वो उसी के अनुसार उस का उपयोग करता है। एक बात और। लोगबाग पक्षियों और पशुओं को मूक प्राणी कहते रहे हैं। हम को उसपे भी एतराज। शेर दहाड़ता नहीं है क्या। गाय-भैंस रंभाती नहीं है क्या। कुत्ते भौंकते नहीं है क्या। मिनकी म्याऊं..म्याऊं..नहीं करती है क्या। चिड़िया चीं..चीं.. नहीं करती है क्या। हाथी चिंघाड़ता नहीं है क्या। हम सब उन की बोलिए हैं। यह सब उनकी भाषाएं है। जो उनकी जात-जमात ही पहचान सकती है। हमारी बोली उन की समझ मे नहीं आती-उनकी बोली हम नहीं समझ पाते। इसका मतलब यह थोड़े ही है कि पशु-पक्षी मूक होते हैं। गूंगे होते तो कबूतर गुटरगूं..कैसे करता और घोड़ा कैसे हिनहिनाता। समझ उन में भी होती है। यह बात दीगर है कि इंसानों में सबसे ज्यादा समझ होती है। तभी तो उसने जल-थल-नभ और पाताल में झंडे गाड़ दिए हैं।

हथाई
गुरुदत्त अवस्थी
gda32500@gmail.com

समझ के बारे में अलग-अलग धाराएं फूटती दिखाई देती है। समझ ऊपर वाले की नियामत है। कही कम-कहीं अणूती। कही टोटो। भगवान समझ सब को देते है। दीन और दुनियावी शिक्षा उसको आगे बढाते है। संस्कार समझ को सींचते है। कई बार कई लोगों को समझाना पड़ता है। माता-पिता अपने बच्चों को कुछ ना कुछ समझाते रहते है। हमारी अभिभावकों से करबद्ध विनती है कि वो अपने बेटों में नारी शक्ति का सम्मान करने की सीख विकसित करें और बच्चा उस सीख को जीवन में उतार ले तो समाज को घटिया और शरमनाक वारदातों से छुटकारा मिलना तय। इसके अलावा समझ की अपनी समझ। बड़े छोटों को समझाते है। दोस्त-दोस्त को और साथण-साथण को समझाती है। हमदर्द-हमदर्द को समझाता है। गुरू शिष्य को समझाता है। अनुभवी नौ सीखिए को समझाता है। कई समझ जाते हैं। कई हंस के रह जाते हैं। हंसी में जोरदार कटाक्ष-बड़े आए, हम को समझाने वाले। इनमें चचा सियासत अली सबसे आगे। हमने भतेरा समझाया-रे, भाई हर बात पे सियासत मति करो। कुछ स्थानों को तो बख्शो। पर वो समझने वाले कहां।

आपको, आप की सियासतें गिनाकर फिर विनती करते हैं कि हर बात पे राजनीति ठीक नही है। मानते हैं-आप का कर्म राजनीति करना ही है। राजनीति करना आपका काम है। आप की नौकरी है। राजनीति से रोटिए मिलती है मगर देश की सुरक्षा पर सियासत ठीक नहीं। सेना पर सियासत ठीक नहीं। सीमा-सरहदों पर राजनीति ठीक नहीं। गंभीर मसलों पर राजनीति ठीक नहीं। देश की इज्जत पर सियासत ठीक नहीं। घुसपैठ पर सियासत ठीक नहीं। तुष्टिकरण की राजनीति ठीक नहीं। कोटा में बच्चों की मौतों पर हो रही राजनीति ठीक नहीं। मां-बहनों के सम्मान पर राजनीति ठीक नहीं। हम यही तो समझा रहे हैं पर वो समझें तब ना।

रिटर्निंग व मतदान अधिकारी तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रथम प्रशिक्षण आयोजित

पाली, 5 जनवरी। पंचायती राज आम चुनाव 2020 के लिए रिटर्निंग अधिकारी, मतदान अधिकारी एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रथम प्रशिक्षण नगर परिषद में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द जैन ने कहा कि पंचायत आम चुनाव 2020 में पहली बार सरपंचों का चुनाव ईवीएम से कराया जा रहा है तथा वार्ड पंच का चुनाव मतपत्रों के जरिए होगा। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट व मतदान दल के सदस्य गहनता से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करें।

उन्होंने कहा कि मतदान दल सदस्य चुनाव निर्देशिका का भलीभांति अध्ययन करलें किसी प्रकार की शंका हो तो संबंधित अधिकारी से टेलीफोन पर ही समाधान कर लें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को चुनाव लडवाना है इसी सोच के साथ नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करते समय कमियों की पूर्ति करवाली जाएं। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन पत्र अभ्यर्थी द्वारा स्वयं उपस्थित होकर ही जमा करावाना होगा एवं नाम वापसी के दौरान भी अभ्यर्थी का स्वयं उपस्थित होना आवश्यक है।

नाम वापसी घोषणा पत्र दो प्रतियों में लेकर एक प्रति नोटिस बोर्ड पर लगानी होगी। उन्होंने पंच, सरपंच के लिए मतपत्र तैयार करने के लिए सूची तैयार करते समय सर्तकता बरतने, टाईम टेबिल नोटिस बोर्ड पर लगाने, समयबद्ध रूप से चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुरूप कार्य करने, मौकपाल एवं मतदान प्रक्रिया के संबंध में निर्देश दिए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्रसिंह चौधरी ने कहा कि सभी अधिकारियों को अच्छी तरह से प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी को निभाना है। उन्होंने कहा कि मतदान दलों को निष्पक्ष रहते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से निर्धारित गाईड लाईन के जरिए संपादित कराने है। उन्होंने कहा कि नाम निर्देशन पत्र में कोई कालम खाली नहीं रहे एवं चुनाव चिन्हों का आवंटन, मतदान केन्द्रों पर बिजली, पानी आदि आधारभूत सुविधाओं की जानकारी लेकर कार्यवाही के भी निर्देश दिए।

प्रशिक्षण प्रभारी सोहनराम चैधरी ने बताया कि प्रथम प्रशिक्षण में रविवार को 132 रिटर्निंग अधिकारी व मतदान अधिकारी तथा 125 सेक्टर मजिस्ट्रेटों ने सेद्धांतिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में गजेन्द्र दवे, तुलसीराम, वीरेन्द्रसिंह, प्रवीण एवं चिमनाराम पटेल ने पॉवर पाईन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से मतदान के कार्य नाम निर्देश पत्र, घोषणाऐं, संलग्न दस्तावेज, नामवापसी, चुनाव चिन्ह आवंटन, विभिन्न परिशिष्ठ, उपाबंध, उम्मीदवारों की पात्रता, व अपात्रता, निक्षेप राशि, संतान संबंधी नियम, निर्वाचन अभिकर्ता के संबंध में जानकारी, मतदान प्रक्रिया, बैलेट बॉक्स, ईवीएम की कार्यप्रणाली, मौकपॉल, पिंक पेपर सील, मतगणना, उप सरपंच चुनाव आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उप विधि परामर्शी अरविन्दसिंह राजपुरोहित ने चुनाव के विविध कानून पहलूओं के बारे में बताया। प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों को सोमवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने का अंतिम अवसर दिया जाएगा प्रशिक्षण नहीं लेने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

प्रशिक्षण में उपखण्ड अधिकारी रोहिताश्वसिंह तोमर, यूआईटी सचिव देशलदान एवं सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार मौजूद रहे।

शिक्षा ही उन्नति का एक मात्र रास्ता : प्रजापत

बालोतरा, 5 जनवरी (निसं)। पचपदरा विधायक मदन मदन प्रजापत ने अनुसूचित एवं जनजाति अम्बेडकर छात्रावास प्रथम एवं द्वितीय का किया निरीक्षण एवं छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रो के रूबरू होकर उनकी समस्याऐं सुनी एवं उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। विधायक मदन प्रजापत ने बताया कि कई बार जनसुनवाई में अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा छात्रावासों में बाहर के लोगों के अनावश्यक दखल एवं छात्रों के मिलने वाली सुविधाओं एवं भोजन की गुणवता में हो रही लापरवाही की शिकायत प्राप्त हुई हैं। उसको देखते हुए छात्रावास का निरीक्षण किया गया हैं।

विधायक ने छात्रावास अधीक्षक छज्जुराम रेगर एवं धीराराम डीगर को निर्देश दिये कि छात्रों को पोषक तत्वों सहीत विभागीय मानदण्डो के अनुसार भोजन एवं आवास की सुविधा उपलब्ध करावें। छात्रावास में बच्चों के आवासीय कक्षों का निरीक्षण किया उनके बिस्तर एवं पहनने के कपडों और उनके रखरखाव के साथ शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक कक्ष में उचित प्रकाश की व्यवस्था करने एवं उनके पुस्तकों आदि के रख रखाव हेतु सुविधाऐं उपलब्ध करवाने को कहां। भविष्य में कोई अनहोनी न हो इसे देखते हुए छात्रावास परिसर में चार दिवारी को ऊंचा करने के साथ ही विद्युत पोल के ढीले पडे तारों के भवन से अलग करने एवं परिसर में लाईट व्यवस्था सही करने के लिए मौके पर विद्युत विभाग एवं नगर परिषद् कार्मिकों के निर्देश दिये। छात्रावास में इन्टर लॉकिगं खरंजा निर्माण करवाने, दोनो छात्रावास में गरम पानी के गिजर, वॉटर कुलर के साथ ही प्रत्येक आवासीय कक्ष में पंखा एवं दो-ज्दो ट्यूब लाईट लगाने के साथ ही रोड लाईट एवं भोजनशाला में डाईनिंग टेबल व कुर्सियॉ उपलब्ध करवाने एवं भवन का रंग रोगन करवाने हेतु तकनीमा एवं प्रस्ताव बनाकर भिजवाने पर भामाशाह एवं विधायक कोष से मांगों को पुरा करने का आश्वासन दिया। विधायक ने पढ रहे विद्यार्थियों सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के युग में उन्नति का एक मात्र रास्त शिक्षा हैं यदि इन्सान का उन्नति करनी है तो उसको शिक्षित और अपने अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों के पालन के प्रति जागरूक होना जरूरी हैं। विधायक ने छात्रावास प्रशासन को विद्यार्थियों को भौतिक सुविधाओं के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में हर सम्भव मदद के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुश्री गीता चौधरी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी छगनलाल जोगसन एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजुद थे।

पालिका ने रास्ते से अतिक्रमण हटाए

भीनमाल, 5 जनवरी (निसं)। पालिका अध्यक्ष विमला सुरेश बोहरा व अधिशाषी अधिकारी शिकेश कांकरिया के निर्देशानुसार सफाई निरीक्षक संजय जोशी के नेतृत्व सफाई प्रभारी सुरेन्द्र सिंह, पालिका

जमादार व सफाई कर्मचारियों द्वारा शहर के मुख्य बाजार पीपली चौक पर केबिन रख कर किये गये अवैध पक्के निर्माण को हटाया गया। सफाई निरीक्षक संजय जोशी ने बताया कि अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी के निर्देशानुसार पालिका द्वारा तीन दिन से प्रतिदिन अतिक्रमण हटाने का अभियान चला कर कार्यवाही की जा रही है। जिससे शहर में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

आवारा पशुओं को गौशाला भेजा : नगरपालिका अध्यक्ष विमला बोहरा के निर्देशानुसार अधिशाषी अधिकारी शिकेश कांकरिया के नेतृत्व में पालिका क्षैत्र में रविवार को विशेष अभियान चलाकर 94 आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला में भेजा गया। सफाई निरीक्षक संजय जोशी ने बताया कि रविवार को विशेष अभियान चलाकर शहर के विभिन्न स्थानों से कुल 94 आवारा पशुओं जिसमें 44 गायें व 50 साँडों को पकड कर गोपाल कृष्ण गौशाला में भेजा गया। उक्त अभियान में सफाई प्रभारी सुरेन्द्रसिंह सहित सफाई टीम ने भाग लिया।

जैन सामायिक फेस्टिवल का आयोजन

बायतु, 5 जनवरी (निसं)। तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में विश्वशांति एवं एकता हेतु परम पूज्य आचार्य महाश्रमण की प्रेरणा से जैन समायिक फेस्टिवल का

आयोजन किया गया। जिसमे नवकार मंत्र का जप सामायिक की आराधना के साथ किया गया। जिसमे वर्धमान जैन स्थानकवासी श्रावक संघ, मूर्ति पूजक समाज, तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मंडल कन्यामण्डल एवम ज्ञानशाला का सहयोग रहा। रजिस्ट्रेशन के तहत 72 सामायिक हुई महिला मंडल युवक युवक परिषद ज्ञानशाला सदस्य उपस्थित थे।

अभातेयुप से मारवाड़ संभाग प्रभारी मुकेश कोठारी की विशेष भूमिका रही। तेयुप अध्यक्ष राकेश जैन ने जानकारी दी कि जैन एकता के रूप में सम्पूर्ण भारत वर्ष की शाखाओं में कार्यक्रम का आयोजन किया। मनोज़ चौपड़ा ने आभार ज्ञापित किया।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष नेमीचंद बालड़, स्थानकवासी सभा अध्यक्ष महेंद्र चौपड़ा, नेमीचंद छाजेड़, जितेन्द्र गांधी, महेश ढ़ेलडिया, रौनक बुरड़, अनिता जैन, कंचन मालू, पुष्पा बालड़, तनु, सपना लोढ़ा, पायल भन्साली आदि उपस्थित थे।

तोमर व चौधरी का भावभरा स्वागत

बालोतरा, 5 जनवरी (निसं)। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी का बैंगलुरु पहुंचने पर प्रवासी राजस्थानियों ने भव्य स्वागत कर अभिनंदन किया। प्रवासी भारतीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हीराराम पटेल जानियाना ने स्नेह मिलन समारोह के दौरान मंत्रियों का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कर्नाटक आदि राज्यों में जो राजस्थानी प्रवासी बंधु अपना योगदान दे रहे है वह अनुकरणीय है। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि राजस्थान सरकार किसानों के हित की केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में अड़ंगा लगा रही है जिससे किसानों का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीब, किसान व व्यापारी सहित सबका साथ सबका विकाश सबका विश्वास के मंत्र को लेकर कार्य कर रही है। प्रवासी बंधुओ ने जीएसटी की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान मंत्रियों ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने की बात कही।

स्वेटर व खाद्य सामग्री वितरित

आबूरोड, 5 जनवरी (निसं)। रोटरी क्लब ने विद्या भारती जनजाति समिति के तत्वावधान में चलने वाले सरस्वती शिक्षा केंद्रों में पढने् वाले जनजाति समाज के बच्चों को स्वेटर, चप्पलें एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर टूका केंद्र पर 57 बालक-बालिका, बारीफली देलदर पर 33 बालकों को, निचलाखेजड़ा केन्द्र पर 35 बालकों तथा जाम्बुड़ी केन्द्र पर 137 बालक-बालिका को स्वेटर वितरण किए। इस मौके रोटरी क्लब के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव महेश गर्ग, सदस्य हरीश अग्रवाल, के.के अग्रवाल शिरीष अग्रवाल, अजय सिंह, आदर्श शिक्षा समिति सिरोही के उपाध्यक्ष मदनलाल गर्ग, आदर्श विद्या मंदिर गोविंदधाम के प्रधानाचार्य बलदेव कुमार, विद्या भारती जनजाति समिति के दीताराम गरासिया, नैनमल गरासिया सहित अन्य मौजूद थे।

मतदान दलों का प्रशिक्षण आज

पाली, 5 जनवरी (निसं)। पंचायत आम चुनाव 2020 के लिए मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण 6 जनवरी को नगर परिषद में आयोजित होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचंद जैन ने बताया कि रिटर्निंग अधिकारी, मतदान अधिकारी एवं सैक्टर मजिस्ट्रेट का प्रथम प्रशिक्षण 6 जनवरी को नगर परिषद में आयोजित किया जाएगा।

6 जनवरी को प्रातः 10 बजे रिटर्निंग अधिकारी व मतदान अधिकारी क्रम संख्या 133 से 291 तक तथा सैक्टर मजिस्ट्रेट क्रम संख्या 126 से 229 का सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रातः 10:30 से अपराहं 3 बजे तक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण अपराहं 3 बजे से सांय 5 बजे तक नगर परिषद में आयोजित होगा।

पार्षद चोपड़ा का बहुमान

बालोतरा, 5 जनवरी (निसं)। बाबा रामदेव मंदिर बिठूजाधाम में पार्षद पुष्पराज चोपड़ा का साफा और माला पहनाकर ट्रस्ट मंडल ने बहुमान किया। अध्यक्ष भेरूलाल डागा ने बताया कि पार्षद पुष्पराज चोपड़ा ने मंदिर में बाबा रामसापीर के दर्शन पूजन कर क्षेत्र में सुख समृद्धि की कामनाएं की। ट्रस्टी मदनलाल तातेड़ ने चोपड़ा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर समाजसेवी रतन हुण्डिया, मदन तातेड़, अरुण सालेचा, जितेंद्र लुंकड़ सहित ट्रस्टी मौजूद थे।

अभिभाषक संघ की बैठक आयोजित

भीनमाल, 5 जनवरी (निसं)। बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के निर्देश पर अभिभाषक संघ की बैठक अधिवक्ता श्रवणसिंह राव, मुख्य निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार खंडेलवाल की मौजूदगी में हुई। बैठक में वर्ष 2020 के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव पद के चुनाव की अधिसूचना जारी की गई। जिसके तहत नामांकन पत्र भरकर जांच करवाने व जमा करवाने की तिथि 8 जनवरी, नामांकन पत्र वापसी 9 जनवरी एवं 10 जनवरी को मतदान होगा। इसी दिन चुनाव परिणों की घोषणा की जाएगी।

प्रथम प्रशिक्षण आज

पाली, 5 जनवरी (निसं)। पंचायत राज संस्थाओं के 6 जनवरी को प्रथम प्रशिक्षण में छह प्रशिक्षु आरएएस व आरटीएस अधिकारियों को प्रशिक्षण के लिए लगाया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्रसिंह चौधरी ने आदेश जारी कर नगर परिषद हॉल में सोमवार को प्रशिक्षण के लिए सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) सुश्री मुधलिका सीवर पाली, लाखाराम जैतारण, विनित कुमार सुमेरपुर प्रशिक्षु नायब तहसीलदार ओमअमृत पाली, इमरान खान सोजत, नरेन्द्र चैहान जैतारण को पंच-सरपंच चुनाव के प्रशिक्षण के लिए लगाया है। ये सभी अधिकारी 6 जनवरी को प्रातः 10 बजे नगर परिषद में मौजूद रहेंगे।

पंचायत चुनाव का प्रकाशन निर्धारित तिथियों पर होगा

पाली, 5 जनवरी (निसं)। पंचायती राज आम चुनाव 2020 का प्रकाशन संबंधित ग्राम पंचायतों में निर्धारित तिथियों को किया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्रसिंह चौधरी ने जिले के सभी निवार्चक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्र में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर भारत निर्माण सेवा केन्द्र के अतिरिक्त अन्य स्थानों की चयन सूची शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिए है।

छरिपालक संघ को लेकर गुरु भगवंतों के पगलिए

दांतराई, 5 जनवरी (निसं)। दांतराई से रणकपुर छरिपालक संघ प्रायण को लेकर कई धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। संघ आयोजक परिवार के देवीचंद जैन एवं हीराचंद जैन के घर पर चतुर्विद संघ के साथ आचार्य रविरत्न सूरीश्वर महाराज सहित गुरु भगवंतों के पावन पगलिए हुए। इसके बाद दांतराई के समस्त जैन मंदिरों के दर्शन के लिए गांव में चौतय परिपाठीसरुपश्री शीतलनाथ भगवान मंदिर, सिमदर स्वामी जैन मंदिर, रिषभ जैन मंदिर व मुनिसुवत स्वामी मंदिर के दर्शन किए। पंजाब से नासिक ढोल, शहनाई के साथ में जुलूस प्रवचन मंडल में पहुंचा। वहां पर गुरुदेव आचार्य रविरत्न सूरीश्वर महाराज ने दांतराई से रणकपुर छ्रिपालक संघ में आने वाले तीर्थों की भाव यात्रा करवाई। दांतराई जैन संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद वरदीचंद जैन ने संघ यात्रियों को शुभकामनाएं दी। दोपहर में गीत व मेहंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नेशनल टैक्स कांफ्रेंस जोधपुर में भाग लिया

बालोतरा, 5 जनवरी (निसं)। वरिष्ठ सीए चरणों सिह नंदा के साथ सीए विष्णु डागा, सीए ओम बांठिया एवं सदस्यों ने नेशनल टैक्स कॉन्फ्रेंस 2020 ज्ञानम् के सफल आयोजन में जोधपुर संभाग के बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं कर सलाहकारों ने भागलिया। राजस्थान टेक्स् कंन्सलटेन्टएसोसिएशन एवं टैक्स बार एसोसिएशन जोधपुर के संयुक्त तत्वाधान में जोधपुर में आयोजित कॉन्फ्रेंस ज्ञानम् में राजस्थान टैक्स कंसलटेंट एसोसिएशन के एग्जयुकेटिव मेंबर सीए ओम बांठिया ने बताया कि बाड़मेर एवं बालोतरा क्षेत्र से चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं करसलाहकारों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उद्घाटन सत्र में प्रेरक उद्बोधन दिया गया कांफ्रेंस के तकनीकी सत्रों में इनकम टैक्स जीएसटी सहित वर्तमान परिपेक्ष के कई महत्वपूर्ण विषयों पर सीए सुनील गोयल, सीए प्रमोद जैन, सीए रोहिणी अग्रवाल, सीए चरणजीत सिंह नंदा, सीए गिरीश अहूजा, सीए अनिल भंडारी, आरसी शर्मा, सीए ओपी अग्रवाल, सीए प्रमोद जैन, सीए बी एम बियानी सहित वक्ताओं ने विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। 4 जनवरी को रात्रि में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया। राजस्थान टेक्स कन्सलटेन्ट एसोसिएशन अध्यक्ष सीए सतीश गुप्ता एवं टैक्स बार एसोसिएशन अध्यक्ष सीए विष्णु प्रकाश डागा के नेतृत्व में एसोसिएशन के सदस्यों की सराहनीय सेवाएं रही। बालोतरा से अमृत राठी अश्विनी खत्री सहित अन्य सदस्य ने भाग लिया।

रेल गाड़ियों के विस्तार के लिए उच्च स्तरीय प्रयास की मांग

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के पूर्व सदस्य नगेन्द्र संचेती ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को रेल गाड़ियों के विस्तार के संबंध में ज्ञापन दिया उन्होंने कहा कि इस संबंध उच्च स्तर पर प्रयास कर यात्रियों को सुविधाएं दी जा सकती है। उन्होंने गाडी संख्या 19715/19716 लखनऊ जयपुर एक्सप्रेस को जोधपुर तक गाडी संख्या 22481/224482 जोधपुर दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट को हरिद्वार तक गाडी संख्या 22477/22478 जयपुर जोधपुर सुपरफास्ट को बालोतरा तक तथा गाड़ी संख्या 22483 22484 जोधपुर गांधीधाम सुपरफास्ट को जयपुर तक विस्तारित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जोधपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर सवारी गाड़ियों व माल गाड़ियों का आवागमन बहुत अधिक रहता है इसलिए बनाड़ से सालावास बाईपास रेलवे लाईन बनाई जाए। नगेन्द्र ने लूणी जंक्शन से मारवाड़ जंक्शन तक दोहरीकरण मेडता से पुष्कर नई रेलवे लाइन, पिण्डवाडा सिरोही से जालोर को जोड़ा जाए तथा सर्वे करवाने फालना से जालोर नई रेलवे लाईन का सर्वे हो चुका है। कार्य प्रारंभ करवाने तथा राईकाबाग से फुलेरा तक दोहरीकरण के स्वीकृत कार्य के लिए केंद्र स्तर पर प्रयास करने का अनुरोध किया है।

हावड़ा एक्सप्रेस में किशोर ने लगाया फंदा

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। हावड़ा एक्सप्रेस के एक कोच के बाथरूम में एक किशोर ने मफलर से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। हावडा ट्रेन के जोधपुर पहुंचने पर मिली सूचना पर रेलवे पुलिस ने बाथरूम में मिली लाश को शिनाख्तगी के लिए एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया। जीआरपी थानाधिकारी रविन्द्र बोथरा ने बताया कि शुक्रवार को रेलवे स्टेशन जोधपुर के स्टेशन मास्टर ने थाने में सूचना दी कि हावड़ा एक्सप्रेस के एसएलआर कोच के बाथरूम में एक किशोर का शव मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करवाई।

युवक की हत्या मामले का खुलासा

एक गिरफ्तार व एक पुलिस की निगरानी हास्पिटल में भर्ती, नाबालिग दस्तयाब

सिवाना, 5 जनवरी (निसं)। कस्बे में 31दिसंम्बर को गोली बारी में छोटू सिंह उर्फ कान सिंह हत्या कांड मामले का खुलासा आज हुआ। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुरज सिंह पुत्र आनन्द सिंह (30) निवासी सिंह पोल कायस्थों की घाटी जूनी मंडी जौधपुर पुलिस थाना सदर को गिरफ्तार किया। दूसरे आरोपी ललीत भाटी पुत्र रामरत्न भाटी (29) जाती घांसी निवासी राव कॉलोनी मसुरीया पुलिस थाना देव नगर जोधपुर को दस्तयाब कर ईलाज हेतू एमडीएम हास्पिटल जौधपुर में पुलिस की निगरानी में हास्पिटल में भर्ती करवाया। मास्टरमाइंड पृथ्वी सिंह को मृतक छोटू सिंह व घायल मालम सिंह की सिवाना में उपस्थिति की जानकारी देने वाले विधि से संघर्षरत किशोर को भी पुलिस संरक्षण में लिया गया।

यह दी थी रिपोर्ट : कस्बे में 31 दिसम्बर को गणपत सिंह पुत्र भूर सिंह जाती राजपूत निवासी गुडानाल पुलिस थाना सिवाना जिला बाड़मेर ने रिपोर्ट दी कि मेरे पुत्र छोटू सिंह उर्फ कान सिंह उम्र 24 साल की, पृथ्वी सिंह वगैरह 8-10 लोगों ने हथियारों से फायर कर हत्या कर दी। तथा मेरे रिश्तेदार मालम सिंह पुत्र आम्ब सिंह जाती राजपूत निवासी मिठौड़ा को फायर कर गंभीर घायल कर दिया। इस रिपोर्ट पर प्रकरण अनवान दर्ज कर, पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। मृतक छोटू सिंह उर्फ कान सिंह व घायल मालम सिंह पुत्र आम्ब सिंह राजपूत मिठौड़ा तथा पृथ्वी सिंह पुत्र जबर सिंह राजपूत पीपलून के कस्बे में स्थित एक प्लोट को लेकर आपसी रंजिश चल रही थी। रंजिश के दौरान इनके आपस में पूर्व में जानलेवा व मारपीट के मुकदमे दर्ज हुयें। मुख्य आरोपी पृथ्वी सिंह के साथ मृतक छोटू सिंह ने साल भर पहले ही जानलेवा हमला किया था। इसी रंजिश को लेकर आरोपी पृथ्वी सिंह ने छोटू सिंह व मालम सिंह को मारने का प्लान बनाया। पृथ्वी सिंह ने मृतक छोटू सिंह उर्फ कान सिंह तथा मालम सिंह को मारने के लिए जोधपुर के अपने दोस्त कालु पुरी से सहायता मांगी। कालु पुरी पुलिस थाना प्रतापनगर जौधपुर कमिश्नरेट का हिस्ट्रीशीटर है जो बाड़मेर के दिनेश मांजू हत्याकांड का आरोपी है, उसने इस वारदात को अंजाम देने के लिए अपने दोस्तों को साथ लिया। पृथ्वी सिंह ने कुछ दिन पहले जोधपुर जाकर कालु पुरी के साथ यह प्लान बनाया व प्लान के मुताबिक आरोपी पृथ्वी सिंह घटना से पहले अपने सहयोगी राजू सिंह उर्फ राजेंद्र सिंह की स्कॉर्पियो गाड़ी आरोपी काली पूरी को उपलब्ध कराई। कालु पुरी 30 दिसंबर को जोधपुर से अपने साथ सूरज सिंह, ललित घांसी, राजेश बाबल,व बिंटू सैन को स्कॉर्पियो गाड़ी से सिवाना लेकर आता है देर रात तक इनके मध्य छोटू सिंह व मालम सिंह को मारने का प्लान बनाया जाता है। मृतक छोटू सिंह उर्फ कान सिंह तथा मालम सिंह की रैकी करने के लिए मुख्य आरोपी पृथ्वी सिंह ने एक विधि से संघर्षरत किशोर को लगाया जो इसके बारे में पल-पल की जानकारी आरोपियों तक पहुंचाता था वारदात से कुछ समय पहले एक मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति पृथ्वी सिंह के ऑफिस से निकलते हैं तथा मालम सिंह के ऑफिस के बाहर खड़े होते हैं इसी दौरान मालम सिंह और मृतक छोटू सिंह अपनी स्कोपियो गाड़ी लेने के लिए टायर पंचर की दुकान पर एक मोटरसाइकिल पर जाते हैं, मुलज़िम भी पीछे पीछे जाते हैं। टायर पंचर की दुकान के पास एक गली में मोटरसाइकिल छोड़कर वेरेन की करने लगते हैं इस दौरान राजेश बाबल पृथ्वी सिंह को इस बारे में सूचना देता है पृथ्वी सिंह अपने साथियों के साथ ऑफिस से रवाना होता है तथा राजू सिंह उर्फ राजेंद्र सिंह को स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर घटना के बाद में भागने के लिए तैयार रहने को कहता है पृथ्वी सिंह वहां जाते ही मालम सिंह की स्कॉर्पियो गाड़ी को साइड से टक्कर मारता है तथा नीचे उतरते ही अंधाधुंध फायरिंग करते हैं इससे छोटू सिंह उर्फ कान सिंह को पृथ्वी सिंह नजदीक से फायर कर गिरा देता है तथा अन्य मुलजिमान हथौड़े व पाइप से मारपीट करते हैं इसी दौरान मालम सिंह भाग जाता है तो उनके पीछे से आरोपी फायर करते हैं जिससे वह घायल हो जाता है अंधाधुंध फायरिंग में आरोपी गण मृतक छोटू सिंह व मालम सिंह के दोनों तरफ से फायर करते हैं तथा इनके स्वयं के भी गोली लग जाती है मुलजिमान ललित घांसी के दो गोली लगी। जिनको जोधपुर शहर से विभिन्न टीमें लगाकर प्राइवेट हॉस्पिटल से पताकर दस्तयाब कर पुलिस निगरानी में एम डी एम हॉस्पिटल जोधपुर में भर्ती करवाया गया। पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के निर्देशन में नरपत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा के सुपरविजन में दस से अधिक पुलिस टीमों का गठन कर, उनको अलग अलग टास्क देकर सूत्र सूचना संकलित कर संभावित ठिकानो पर दबीश देकर मुलजिमानों की गिरफ्तारी के प्रयास किए गए व वारदात का सुक्ष्म तरीके से विश्लेषण कर पूरी वारदात का खुलासा किया गया। पुलिस को आरोपीयों तक पहुचने में तकनीकी सहायता तथा दो दिन पुर्व असाड़ा में मिली स्कार्पियो वाहन से महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगें।

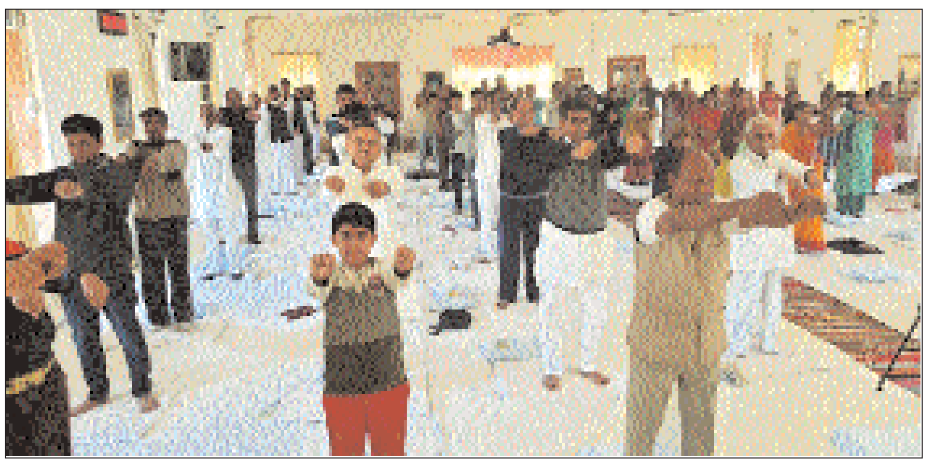

उपस्थित शिविरार्थी। जलतेदीप

अगर हम पैशंस रखेंगे तो जीवन में कभी पेसेंट नहीं बनेंगे : संत चंद्रप्रभ

द आर्ट ऑफ हैप्पी लाइफ प्रोग्राम आयोजित

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। संत चंद्रप्रभ महाराज ने कहा कि जो पैशंस रखता है वह कभी पेसेंट नहीं बनता। अगर हम पैशंस नहीं रखेंगे तो बहुत जल्दी पेसेंट बन जाएंगे।

संतप्रवर संबोधि धाम में आयोजित द आर्ट ऑफ हैप्पी लाइफ प्रोग्राम में शहरवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर हम जीवन में आने वाली समस्याओं को, नकारात्मकता को कड़वी दवा की तरह घटक लेंगे तो वह हमारा नुकसान नहीं करेगी, पर उसे दिमाग में बिठा लेंगे तो वह हमें बर्बाद कर देगी। हमें जीवन में मिलने वाली कड़वी बातों को कड़वी दवा की तरह निगल लेना चाहिए, पर मीठी बातों को और हर अच्छी यादों को टॉफी की तरह चूसते रहना चाहिए तो हम सदा आनंद भरा जीवन जी सकेंगे। संत प्रवर ने कहा कि जो गुस्से के माहौल में 2 मिनट का धीरज रख लेते हैं वे गुस्से को जीतने में सफल हो जाते हैं, उनका दिमाग सदा शांत और एनर्जी फुल बना रहता है। शांति रखने की सलाह देते हुए संत प्रवर ने कहा कि शांति चाहिए तो शांत रहना सीखिए। एक घंटा मौन रखने की आदत डालिए, मेडिटेशन कीजिए। खुद से बार बार कहिए - साइलेंट प्लीज, पीस ऑफ माइंड। शांति को हम अपनी सहेली बनाएं और जीवन में अशांति के निमित्त जैसे क्रोध, ईर्ष्या, झगड़ा, उपेक्षा का माहौल बनने पर भी मन में संकल्प लें कि मैं शांत रहूंगा। इससे पूर्व संत प्रवर ने सभी को खड़े होकर ताड़ासन अर्ध कटिचक्रासन पादहस्तासन वृक्षासन और त्रिकोणासन सिखाएं और क्लैपिंग थेरेपी रबिंग थेरेपी और स्माइलिंग थेरेपी का प्रशिक्षण दिया। संचालन डॉ. शांतिप्रिय सागर ने किया और आभार गोपाल फोफलिया सीए ने दिया।

मतदाता जागरूकता विषयक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के स्वायत्तशाषी संगठन नेहरू युवा केन्द्र जोधपुर द्वारा तिंवरी उपखंड में बालरवा गांव में मुद्दा आधारित शिक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में स्वामी विवेकानंद को नमन कर युवा संकल्प शपथ लेकर युवाओं ने नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

जिला युवा समन्वयक राजेश चौधरी ने कहा कि नए भारत का आधार युवा हैं। पंचायत चुनावों के तहत युवाओं को अधिकतम मतदान करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होने कहा कि युवा समता व भाईचारे के मार्ग पर चलकर ही ग्राम विकास की बापू की परिकल्पना साकार कर सकते हैं। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजयवर्धन आचार्य ने युवाओं को उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रूको मत के ध्येय वाक्य के साथ कौशल विकास एवं उद्यमशीलता का संकल्प दिलवाया। प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुम्पावत ने कहा कि युवाओं को सकारात्मक सोच रख राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका अदा करनी चाहिए। डॉ. रेहाना बेगम ने शिक्षा की उपयोगिता बताई। अधिवक्ता नितेन्द्र सिंह ने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस मौके राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक युधिष्ठिर माली व नेहरू युवा मंडल बावरला अध्यक्ष सहित स्थानीय युवा इस दौरान मौजूद रहे।

अनशन स्थल पर पहुंची विधायक मनीषा। जलतेदीप

आश्वासन के बाद युवा शक्ति संगठन का अनशन स्थगित

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। युवा शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विजयराव ने बताया है कि संगठन द्वारा भगत को कोठी क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं व सुविधाओं के लिए भगत की कोठी नवनिर्माण आंदोलन के तहत 1 जनवरी से शिव ओम शक्ति स्कूल के पास, न्यू पाली रोड भगत की कोठी पर अनशन किया जा रहा है। इस बीच मांगों को ज्ञापन सिद्धार्थ मेहरा व मुकेश राव ने नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रावण के चबूतरे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सौंपा। जिसके बाद कल रात्रि जोधपुर शहर विधायक मनीषा पंवार ने अनशन स्थल पर आकर मांगों का ज्ञापन लेकर उसके निवारण का आश्वासन दिया और अनशनकारी विजय राव व क्रमिक अनशनकारी ओमप्रकाश खीची का ज्यूस पीलाकर अनशन तुड़वाया।

इस अवसर पर कांग्रेस सर्राफा बाजार ब्लाक अध्यक्ष लियाकत अली शास्त्री नगर ब्लॉक अध्यक्ष रामेश्वर गुर्जर, दीप पंवार, सिद्धार्थ मेहरा, मुकेश राव, अजय सिंह राठौड़, सत्यनारायण बोराणा, मुकेश बोराणा राजेन्द्र व्यास, अरविंद लखानी, हनवंत सिंह राजावत, राजेन्द्र परिहार, व पप्पू बोराणा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ श्यामा, भानू और युद्धवीर सहायक आचार्य नियुक्त

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक आदेश जारी कर राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित तीन सहायक आचार्य शिशु रोग की नियुक्ति डॉ एनएन मेडिकल कॉलेज में की है।

इनमें डॉ श्यामा चौधरी, भानुप्रताप सिंह राठौड़ एवं युद्धवीर सिंह शेखावत को सहायक आचार्य पद पर लगाया गया है।

प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार सम्पन्न

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। मण्डोर रोड़ स्थित अखेराजोत विकास समिति कार्यालय में रविवार को प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक ओमसिंह राजपुरोहित ने विद्यालयी शिक्षा एवं भविष्य निर्माण विषय, मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ. अभयसिंह ने पटवार व कॉस्टेबल प्रतियोगी परीक्षा से सम्बन्धित तैयारी के महत्वपूर्ण टिप्स दिये। शिक्षा एवं नैतिक मूल्य निर्माण में अध्यात्म के महत्व पर सत्यनारायण सिंह तथा जेएनवीयू भूगोल के सहायक आचार्य गोविन्द सिंह ने प्रतियोगी परीक्षा, सोशल मीडिया, व्यक्तिगत नियंत्रण एवं प्रेरणा प्रबंधन पर चर्चा की। सहकारिता निरीक्षण महेन्द्रसिंह ने परीक्षा में समय प्रबंधन के टिप्स दिये। अन्तिम खुले सत्र में विशेषज्ञों ने अभ्यर्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। अन्त में समिति के उपाध्यक्ष श्यामसिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुर्जर गौड़ ब्राहमण युवक संघ के कलैंडर का विमोचन

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ युवक संघ जोधपुर संभाग के अध्यक्ष बजरंग जोशी ने बताया कि इस वर्ष के कैलेंडर का विमोचन चीरघर स्थित गौतम सभा भवन में राजस्थान ब्राह्मण महासभा के कमल जोशी, युवक संघ के राष्ट्रीय प्रभारी सूरज प्रकाश जाजड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष कालूराम उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष कुशाल रोहींवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमृत पंचारिया, अध्यक्ष माधो प्रकाश जाजड़ा, मंत्री दुष्यंत रानेजा व नरेश जाजड़ा ने किया।

हड़ताल सफल बनाने की अपील

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र की राज्य शाखा राजस्थान ट्रेड यूनियन केंद्र से संबंधित श्रमिक संगठनों की बैठक यूनियन के प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष बृजकिशोर की अध्यक्षता में सोजती गेट स्थित आरसीटू कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक को श्रमिक नेता गोपीकिशन, नदीम खान, वहीदुदीन, हबीबुर्रहमान, रमेशनाथ सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने 13 सूत्री मांगों को लेकर 8 जनवरी को प्रस्तावित केंद्रीय कर्मचारियों की बैठक को सफल बनाने की अपील की।

फुटपाथ पर सो रहे लोगों को भेजा रैन बसेरों में

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशानुसार बेसहारा एवं बेघर व्यक्तियों को जो कड़ाके की सर्दी में फुटपाथ व सड़कों पर रात्रि गुजारा करते है उनके लिए रैन बसेरे में ठहरने की सुविधा उपलब्ध करानें हेतु निर्देश प्राप्त हुए। इसी संदर्भ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सिद्धेश्वर पुरी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर द्वारा गठित टीम के साथ मिलकर रात्रि में विभिन्न जगहों पर फुटपाथ पर सो रहे लोगों को नजदीकी रैन बसेरों में भेजा। वहां पर उनके सोने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। प्रथम पुलिया फुटपाथ पर तथा अशोक उद्यान क्षेत्र में सो रहे लोगों को नजदीकी रैन बसेरे में सोने के लिए व्यवस्था की गई।

मकान में पकड़ा ऑनलाइन जुआघर

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। पंचायत चुनावों को देखते हुए पुलिस ने माइनर एक्ट में कार्रवाई को अंजाम देने की कड़ी में रविवार को नई सड़क स्थित एक मकान पर छापा मार कर वहां से ऑन लाइन जुआघर का पता लगाया है। पुलिस ने मौके से 11 लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही एक लाख चालीस हजार रूपए और मॉनिटर, सीपीयू, मोबाइल आदि जब्त किए है। ऑनलाइन केसिनो चला रहा था। डीसीपी पूर्व धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि नई सड़क स्थित एक मकान में ऑन लाइन केसिनो चलाया जा रहा है। पंचायत चुनाव के मद्देनजर यह कार्रवाई की गई। तब पुलिस की अलग अलग टीमों का गठन कर वहां रेड दी गई। मोहम्मद रशीद के मकान में पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया और एक लाख चालीस हजार रूपए बरामद करने के साथ ऑन लाइन जुआ खेलने के लिए प्रयुक्त कंप्यूटर, सीपीयू, मोबाइल आदि जब्त किए गए।

नियुक्ति पत्र प्रदान करते मेहता। जलतेदीप

वैश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलेंगे : जैन

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन की एक बैठक रविवार को मुथा जी मंदिर परिसर में हुई। जिसमें संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल जैन के प्रथम बार जोधपुर पहुचने पर वैश्य समाज के लोगो ने मुलाकात कर सामाजिक चर्चा की। इस दौरान भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष प्रसन्न चंद मेहता ने समाज के लोगो को प्रशस्त किया। इस दौरान डीआरयूसीसी सदस्य नागेंद्र प्रकाश संचेती भी मौजूद रहे।

आपसी चर्चा के बाद प्रदेश अध्यक्ष जैन ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करते हुए जोधपुर शहर जिलाध्यक्ष के पद पर संजय मेहता को और जोधपुर देहात जिलाध्यक्ष के पद पर बावड़ी निवासी गौतम भंडारी को नियुक्त किया । इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष अनिल जैन का वैश्य समाज के लोगो द्वारा शॉल और दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया । इस दौरान जैन ने कहा कि वैश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलेंगे और समाज मे आ रही समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे । इस दौरान जैन ने दोनो जिलाध्यक्षों को शीघ्र ही जिला कार्यकारिणी बनाने के निर्देश दिए ।

शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक आज

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक खान व गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया के मुख्य आतिथ्य तथा जिला अध्यक्ष सईद अंसारी की अध्यक्षता में 6 जनवरी को सुबह 11 महात्मा गांधी अस्पताल रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय में होगी। यह जानकारी महासचिव आनन्दसिंह चौहान ने दी।

रेलवे में ठेका दिलाने के नाम पर फर्जी आईएएस ने सात लाख ठगे

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। शहर के बनाड़ इलाके में रहने वाले एक ठेकेदार को रेलवे में ठेका दिलाने के नाम पर फर्जी आईएएस अफसर बनकर सात लाख की ठगी कर ली। उसने सात करोड़ का ठेका मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे से दिलाने का झांसा दिया। घटना 12 दिसम्बर की है। मगर पीड़ित ने इस बारे में शनिवार को बनाड़ थाने में केस दर्ज करवाया। इस केस से संबंध में कुछ बदमाशों को मध्यप्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों के वहां पकड़े जाने पर पीड़ित कल बनाड़ थाने पहुंचा और केस दर्ज करवाया। जांच एसआई शिवलाल की तरफ से की जा रही है। बनाड़ थानाधिकारी अशोक आंजणा ने बताया कि मूलतः पीपाड़ शहर के मगले की ढाणी हाल बनाड़ के मदन मोहन विहार नगर निवासी महेंद्र पुत्र लादूराम विश्नोई की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई।

इसमें बताया कि वह रेलवे का ठेका लेने संबंधी कार्य करता है। उसकी एक फर्म बनाड़ खोखरिया में बालाजी कंस्ट्रक्शन नाम से है। बारह दिसम्बर को उसके पास किसी सौरभ शुक्ला नाम के शख्स का फोन आया और खुद को मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे में आईएएस होना बताया। उसने बताया कि वह मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे से उसे 7 करोड का टेंडर दिलवा सकता है। इस बात पर विश्वास में आकर उसने झांसे में लिया और फिर खाते में एक ही किश्त में 6 लाख 97 हजार 143 रूपए डलवा दिए लेकिन बाद में फोन बंद आया। फिर काफी संपर्क साधने का प्रयास किया गया। इसमें ठेकेदार महेंद्र विश्नोई कामयाब नहीं हो पाया। इधर इस बीच उसे पता लगा कि कुछ बदमाश मध्यप्रदेश में इसी तरह की ठगी करते पकड़े गए है। तब वह बनाड़ थाने पहुंचा और केस दर्ज करवाया। इस बारे में अनुसंधान किया जा रहा

नवजात शिशु की मौत पर एमडीएमएच में हंगामा

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। मथुरा दास माथुर अस्पताल के मातृ शिशु केंद्र में शनिवार देर रात एक नवजात शिशु की मौत हो गई। नवजात शिशु की मौत के बाद परिजन चिकित्सकों की लापरवाही का आरोप लगाया और हंगामा किया।

नवजात शिशु के दादा सत्यनारायण भार्गव के अनुसार जनाना विंग के एक पलंग पर दो-दो महिलाओं को रखा गया। तिंवरी निवासी प्रसूता रेणु भार्गव पत्नी संजय भार्गव को गुरुवार को डिलेवरी के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। शनिवार रात को सीजर से डिलेवरी की गई। ऑपरेशन के बाद रेणु ने पुत्र को जन्म दिया। उसके बाद बच्चें को आईसोलेशन पर रखा गया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सकों ने ठीक से देखभाल नहीं की और लापरवाही के कारण बच्चें की मौत हो गई। इसको लेकर थोड़ी देर हंगामा किया।

लोक अदालत 8 को

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आठ फरवरी को प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सभी प्रकृति के विवादों के निस्तारण होना है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन और लंबित प्रकरणों को समाहित करते हुए शमनीय दांडिक अपराध, अंतर्गत धारा 138, परक्राम्य विलेख अधिनियम, धन वसूली मामले, एमएसीटी मामले, पारिवारिक विवाद (तलाक को छोड़कर), श्रम-विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली व पानी के बिल (चोरी के अलावा) मजदूरी भत्ते और पेंशन भत्तों से संबंधित सेवा मामले, राजस्व मामले, अन्य सिविल मामले (किराया, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा दावे एवं विनिर्दिष्ट पालना दावे) आदि का निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश नरसिंहदास व्यास ने बताया कि मुख्य न्यायाधिपति एवं कार्यकारी अध्यक्ष महोदय, रालसा के निर्देशानुसार आठ फरवरी को प्रस्तावित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जोधपुर महानगर न्यायक्षेत्र में पदस्थापित समस्त न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उन्हें विस्तृत दिशा निर्देश प्रदान कर दिए गए हैं साथ ही अधिक से अधिक प्रकरणों को निस्तारण करने पर जोर दिया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के सचिव सिद्धेश्वर पुरी ने बताया कि आगामी दिनों में अधिवक्तागणों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, बैंक, बीमा कंपनी, श्रम विवाद, राजस्व विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा।

सी फार्म तथा आईटीस मिसमेच की तिथि 31 मार्च की

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। मरूधरा टैक्स बार एसोसिएशन के प्रेसीडेंट पीएम चौपड़ा तथा ऑल इंडिया फैडरेशन ऑफ टैक्स प्रेक्टिशनर्स सीजेड के सचिव देवेन्द्र कंसारा ने मुख्यमंत्री प्रमुख वित्ता सचिव आयुक्त व स्टेट जीएसटी को ईमेल व पत्र लिखकर पुराने घोषणा प्रपत्र सी फार्म तथा आईटीसी मिसमेच को स्वीकार करने की तिथि 31 मार्च करने के लिए अनुरोध किया था। कारण अभी आयकर में टाईम बार्ड एसेसमेंट को पूरा किया जा रहा है। अपीलें भी पेंडिंग पड़ी है और जीएसटी डिफोल्टर रिटर्न भी अभी पेंडिंग हैं। साथ ही आईटीसी वेरिफिकेशन की तिथि तथा सी फार्म प्रस्तुत करने की तिथि 31 दिसंबर है जो एक साथ प्रस्तुत करना संभव नहीं है। इस मांग को मानते हुए मुख्यमंत्री प्रमुख वित्त सचिव व आयुक्त स्टेट जीएसटी ने व्यापारियों, उद्योगपतियों सीए एडवोकेट, कर सलाहकारों और लोकल कर एसोसिएशन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नोटिफिकेशन जारी कर इस तिथि को 31 दिसंबर से 31 मार्च कर दिया।

मरीजों की जांच करते चिकित्सक। जलतेदीप

चिकित्सा जांच शिविर में 118 रोगी लाभान्वित

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। लॉयंस क्लब जोधपुर मरूधरा व अरिहंत हॉस्पिटल पाल रोड के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क रोग जांच व परामर्श शिविर में 118 लोगो की जांच की गई। क्लब के सचिव विजय अग्रवाल ने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, मोटापे की जांच, नेत्र ज्योति व बहरेपन, अस्थमा व दांतो के विभिन्न रोगों की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गयी। वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ कुलबीर सिंह चोपड़ा, डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ राजेश जैन, डॉ सीखा गांधी, डॉ राजीव जैन, डॉ दीपक भंडारी, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवेक खेतानी व डॉ भूपेन गहलोत ने सेवायें दी। शिविर में क्लब के सुमेर सिंह कच्छवाह, नरेंद्र सिंह कच्छवाह, कमलेश खेतानी, राजेन्द्र दवे, हरदीप सिंह सलुजा, कमल सोनी व एसके शर्मा तथा स्थानीय नागरिक मंडल के नरेन्द्र शर्मा, गोविंद पुरी, रमेश जांगिड़, हरीश गोयल, चंदन सिंह व प्रीतम शर्मा ने सहयोग दिया।

भागवत कथा को लेकर भूमि पूजन किया, शोभायात्रा आज

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राधा रानी सेवा समिति तथा मौहल्ला विकास समिति के सेक्टर प्रतापनगर द्वारा आयोजित भागवत कथा को लेकर पंडित दामोदर भारद्वाज के सानिध्य में रविवार को भूमि पूजन किया गया। मनीष कुमार चितारा ने बताया कि वृंदावन वाले पंडित दामोदर भारद्वाज 7 से 13 जनवरी तक प्रतापनगर 'के' सेक्टर स्थित पुलिस चौकी के पीछे जय अंबे मां पार्क में भागवत कथा का वाचन करेंगे। इसको लेकर भूमि पूजन किया गया। कथा प्रतिदिन 1.15 बजे से शाम 5.15 बजे तक होगी। सोमवार को सुबह 11.15 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा विद्युतेश्वर महादेव मन्दिर से रवाना होकर गाजे-बाजे के साथ कथा स्थल पहुंचेगी।

महावीर प्रसादी एवं नवकार महामंत्र जाप की तैयारियां शुरू

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। महावीर प्रसादी की तैयारियों को लेकर भगवान महावीर जन्म महोत्सव प्रसादी समिति की एक बैठक शहर के भीतरी क्षेत्र स्थित ओसवालों के न्याति नोहरे में आयोजित की गई। प्रसादी समिति के आनंद हुण्डिया ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान महावीर जयंति के उपलक्ष में समिति द्वारा 'सत्रहवीं महावीर महाप्रसादी एवं नवकार महामंत्र जाप' का आयोजन महावीर जयंती के दिन 6 अप्रेल को दोपहर 3 बजे से सूर्यास्त तक प्रतापनगर गुरों का तालाब रोड स्थित आदर्श स्कूल प्रांगण में किया जाएगा जिमसें जैन समाज के हजारों स्वजाति परिवारजन भाग लेंगे। बैठक में कुशलचंद नाहटा, राजेश सांड, नरेंद्र मोहनोत, चौथमल धारीवाल, श्याम भंडारी, शरद सुराणा, मोहनलाल लूंकड, मोहनराज मेहता, आलोक पारख, विरेंद्र पटवा, प्रवीण सुराणा सहित बडी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे।

भगवताचार्य कृष्णमुरारी और सरोज प्रिया का स्वागत

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। राजस्थान ब्राह्मण सेवा परिषद की गौ सेवा व समाज सेवा प्रकोष्ठ व भारतीय अटल सेना की ओर से रविवार को भगवताचार्य कृष्णमुरारी महाराज व सरोज प्रिया का स्वागत किया गया। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व सेना के प्रदेश प्रवक्ता संजीव व्यास ने बताया कि चौ.हा.बोर्ड स्थित दुर्गा पार्क में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के अवसर पर श्यामसुंदर व्यास, अनुसूया व्यास, सूर्यप्रकाश मिश्रा व अंकित पुरोहित के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सात दिवसीय कथा में रविवार को प्रथम दिवस पर कथावाचक द्वारा ध्यान, वैराग्य व महाऋर्षि नारद की कथा का वाचन किया। इससे पूर्व श्रीमती मंजू थानवी व नटवर थानवी सानिध्य में मंगल कलश यात्रा निकाली गई। अंत में प्लास्टिक प्रयोग नहीं की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रेरणा त्रिवेदी, श्रीकांत व्यास, सहित बडी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। सिंधी सारस्वत समाज के अखिल भारतीय स्तर पर दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 6 जनवरी से होगा।आयोजन कमेटी के बीडी शर्मा ने बताया कि पंडित हीरानंद लोकुराम (टन्डोजाम) ट्रस्ट जोधपुर के तत्वावधान में होने वाली यह प्रतियोगिता वीरू क्रिकेट अकेडमी क्रिकेट ग्राउंडपाल सांगरिया रोड पर खेली जाएगी। उन्होंने बताया कि 10 टीमें हिस्सा लेंगी। देश के विभिन्न शहरों से खिलाड़ी अपना प्रदर्शन दिखाएंगे। वड़ोदरा, वेरावल, जयपुर, अजमेर, जूनागढ़, जेतपुर, कच्छ सहित कई शहरों के युवाओं को मौका मिलेगा। सभी मैच दिन के सत्र में होंगे। मैच के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के रिटायर्ड न्यायाधीश गोपाल कृष्ण व्यास होंगे।

आरडी बर्मन नाईट में गूंजे देशभक्ति व पुराने नगमें

जोधपुर, 5 जनवरी (कासं)। नवोदित सांस्कृतिक संगीत कला प्रतिभा खोज एवं उत्थान संस्थान की ओर से संगीतमयी आरडी बर्मन की पुराने नग्मों की सुरमई सांझ व मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक सुनिल ओझा ने बताया कि सूचना केंद्र के मिनी ऑडिटोरियम में संगीतमयी आरडी बर्मन की पुराने नग्मों की सुरमई सांझ व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आसिफ बेलीम, रमेशचंद्र दुबे, राज पंडित, मुकेश कुमार, आनंद, कुलदीप, शिवानी दुबे, रश्मि, प्रशांत, रशीद, युसुफ अनुप कुमार व दिलीप चौहान ने पुराने नगमे सुनाकर श्रोताओं को साथ साथ गाने पर मजबूर कर दिया व नग्मों व गीतों पर खचाखच भरे ऑडिटोरियम के श्रोता झूम उठे।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रशांत कल्ला, मोहम्मद रशीद, सरदार धर्मेन्द्रसिंह, अतिक सिद्धिकी, संजीव व्यास, अमित व्यास, संजू व्यास, सोनू जेठवानी व फिरोज भाई मौजूद थे। अतिथियों ने सभी गायक कलाकारों का व भामाशाहों को माला, स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अनिल दाधीच, निजामुदीन, जयगोपाल पुरोहित, सलीम, राजू कादरी, श्रीकांत व्यास, सुशील व्यास, किशन पंवार, तैयब रंगरेज सहित बडी संख्या में श्रोतागण मौजूद थे। मंच का संचालन राकेश जोशी ने किया। अंत में संस्था अध्यक्ष आसिफ बेलीम ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, सोमवार 6 जनवरी 2020

अमेरिकी आक्रामकता

किसी देश के सैन्य प्रमुख को हमला करके मार देने का अर्थ सिर्फ एक ही होता है, उस देश के खिलाफ युद्ध का एलान। अमेरिका ने एक झटके में पश्चिम एशिया को युद्ध की ओर धकेल दिया है। किसी भी तरह का सैनिक संघर्ष अगर हुआ, तो बात सिर्फ अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगी, इसका ताप पूरी दुनिया को ही कई दाग देगा। जैसे ही यह खबर आई कि अमेरिकी ड्रोन ने इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर के प्रमुख कासिम सुलेमानी को इराक के बगदाद हवाई अड्डे के पास मार गिराया, विश्व बाजार में पेट्रोलियम के भाव एकाएक बढ़ गए। इस हमले में इराकी मिलीशिया के कमांडर अबू मेंहदी समेत सात और लोग मारे गए हैं। जाहिर है, यह मामला सिर्फ ईरान और अमेरिका तक सीमित नहीं है, इराक भी इस हमले के लपेटे में आ गया है। हमला जिस तरह से अचानक हुआ, उसने पश्चिम एशिया को ही नहीं, पूरी दुनिया को, यहां तक कि खुद अमेरिका के लोगों को भी चौंका दिया। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव पिछले काफी समय से बढ़ रहा था, यह भी लग रहा था कि वे दोनों सीधे टकराव की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन यह किसी ने नहीं सोचा था कि संघर्ष की इतनी आक्रामक पहल अमेरिका की ओर से होगी। ईरान के लिए कासिम सुलेमानी का क्या महत्व है, इसे इससे समझा जा सकता है कि वह सिर्फ वहां की सेना के प्रमुख ही नहीं थे, माना जाता है कि वह वहां के धार्मिक नेता आयतुल्लाह खामेनेई के बाद वहां के सबसे लोकप्रिय शख्स भी थे। जाहिर है, ईरान भी इस हमले को हल्के में नहीं ले सकता, उसने भी बदला लेने की धमकी दे दी है। तनाव इतना ज्यादा है कि कुछ विश्लेषक यहां तक कह रहे हैं कि यह आग दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जा सकती है। उम्मीद करनी चाहिए कि मामला इतना नहीं बढ़ेगा और इस तनाव में पूरी दुनिया के देश शामिल नहीं होंगे। लेकिन यह भी सच है कि शायद ही दुनिया का कोई ऐसा देश होगा, जो इस तनाव की मार से बच पाएगा। फारस की खाड़ी में जब भी तनाव हुआ है, तो तेल के दाम आसमान पर पहुंचे हैं। इस समय संकट यह भी है कि पूरी दुनिया मंदी से त्रस्त है और तेल के दामों में होने वाली कोई भी बढ़ोतरी सभी लोगों और देशों के कष्टों को बहुत ज्यादा बढ़ा सकती है। लेकिन यह भविष्य की बात है। फिलहाल तो पूरी दुनिया इस सवाल से जूझ रही है कि अमेरिका के लिए अचानक ऐसी कार्रवाई की क्या जरूरत आन पड़ी थी। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ईरान और अमेरिका जिस तरह से उलझे हैं, उसमें किसी भी अनहोनी के होने की आशंका हमेशा से ही मंडरा रही थी। इस हमले के बाद एक और महत्वपूर्ण चीज यह हुई है कि अमेरिका ने न सिर्फ कार्रवाई की बात स्वीकार की है, बल्कि यह भी कहा कि यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देश पर उठाया गया है।

वित्त प्रबंधन मामला

यह निराशाजनक है कि प्रदेश की सरकारी स्कूलों में मिड डे मील और अन्नपूर्णा दूध योजनाएं व्यवस्थित ढंग से नहीं चल पा रही है। इन योजनाओं के लिए वित्त का प्रबंधन गड़बड़ा रहा है। इस कारण इन योजनाओं को जारी रखने के लिए संस्था प्रधान व शिक्षक अपनी जेब से पैसा लगा रहे हैं, या फिर उधार से काम चला रहे हैं। राजस्थान शिक्षक एवं पंचायती राज कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष का कहना है कि राज्य सरकार नौ माह से शिक्षकों को मिड डे मील और दो माह से दूध की राशि रोक कर बैठी है। शिक्षक अपना घर चलाएं या सरकारी योजनाएं? सरकार समय रहते नहीं चेती तो शिक्षक आंदोलन करेंगे। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिंधियों की ढाणी, रामपुरा भाटियान के हैडमास्टर ने बताया कि उनकी स्कूल का कम से कम 1 लाख रूपया बकाया है। वे जेब से पैसे देकर बच्चों को दोपहर का भोजन खिला रहे हैं। स्कूलों में खाना पकाने वाली कुक कम हेल्पर का मानदेय भी लंबे समय से बकाया है। इन गरीबों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। उधारी में दाल, मसालें, तेल, फल, मंगवाये जा रहे हैं। यह केवल उनकी नहीं सैकड़ों स्कूलों की समस्या है। इससे ज्यादा बुरी हालत और क्या हो सकती है। उल्लेखनीय है कि गांवों की स्कूलों में बच्चों के लिए दोपहर का भोजन तैयार करने वाले कुक कम हेल्पर को भी मानदेय नहीं दिया जा रहा है। कई जगह पर तो कुक कम हेल्पर काम छोड़कर जाने की तैयारी में है। हालत यह है यह राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाना शिक्षकों के लिए चुनौती बन गया है। सरकारी स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं होने से अन्नपूर्णा योजना के तहत बच्चों को दूध पिलाना वैसे ही शिक्षकों के लिए सिरदर्द बना हुआ है। दूसरी ओर प्राथमिक शिक्षा मुख्यालय की ओर से कहा जा रहा है कि कुकिंग कन्वर्जन व कुक हेल्पर का भुगतान एक सप्ताह मे होने की पूरी संभावना है। दूध के नवंबर माह के बिल ट्रेजरी से पास हो चुके हैं, उनका इसी एस होना शेष है। यह बात सही है कि बकाया राशि का भुगतान आज नहीं तो कल देर सवेरा हो जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि ऐसी अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन सही समय पर क्यों नहीं हो रहा है? ऐसी योजनाएं पैसों से ही चलती हैं। समय पर पैसा नहीं मिलने से योजनाएं प्रभावित होती हैं और शिक्षकों को भी परेशानियां और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनको भुगतान पड़ता है। यदि सरकार समय पर वित्तीय व्यवस्थाएं करने में समर्थ नहीं है तो फिर ये योजनाएं शुरू ही क्यों की गई? इस मामले में सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए और इन योजनाओं को सुचारू और प्रभावी ढंग से चलाने के लिए सभी प्रबंधन उचित ढंग से करना चाहिए। शिक्षकों का मुख्य कार्य शिक्षण है। उनका शिक्षण प्रभावित नहीं होना चाहिए।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8757. बीतै सो जाणै मन्न

कर घाल्यो लख कामळी, तकी बिलमी तन्न।
जळ ऊंडो थळ है नहीं, बीतै सो जाणै मन्न।।

मैंने तो काला कंबल समझ कर हाथ डाला था, लेकिन यह तो और ही बला निकली और मुझसे लिपट गई। जल बहुत गहरा है, पैर रखने की जगह नहीं है जो मुझ पर बीत रही है, उसे मन ही मन जानता है।

एक जाट के पास सौ से ऊपर भेड़े और बकरियां थी। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न ऊंट खरीद लिये जायं। सो उसने सारी भेडों और बकरियां बेचकर कुछ ऊंट खरीद लिए। फिर उसने सोचा कि ऊंटों की बजाय घोड़ी रखना ज्यादा अच्छा है और उसने ऊंटों को बेचकर एक घोड़ी खरीद ली। एक दिन घोड़ी बीमार हुई और मरने लगी तो उसके होश उड़ गए। वह चिल्ला चिल्ला कर रोने लगा कि अरे, मेरे सौ एक पशु मर रहे हैं। उसका चिल्लाना सुनकर लोग बाग इकठटे हो गए। उन्होंने देखा कि मर तो एक घोड़ी रही है वे बोले कि तू कितना झूठा है, जो एक घोड़ी के बदल सौ एक पशु बतला रहा है। इस पर जाट ने रोते हुए कहा कि आप लोगों को क्या मालूम? मैनें यह घोड़ी सौ-एक भेडे और बकरियां बेचकर खरीद थी। इसलिए इसके मरने का अर्थ उन सौ एक भेड बकरियों का मरना ही तो हुआ। **(समाप्त)**

एक जाट का ऊंट मर गया तो वह बेकार हो गया। अब वह न शहर से बोझ ढाकर मजदूरी कर सकता था और न खेती ही कर सकता था। नतीजतन वह बिलकुल निश्चित होकर छैलछबीला बना आवारा घूमा करता। पास के शहर में एक सेठ के यहां उसका आना जाना था। एक दिन सेठ ने उससे पूछा कि चौधरी, आजकल तो बहुत छैल चिकनिया बना रहता है, क्या बात है? जाट ने कहा कि सेठजी, आजकल तीन सौ रूपये रोज कमाता हूं। सेठ ने आश्चर्य से पूछा कि कैसे ? जाट ने बडी तत्परता से उतर दिया कि मेरा ऊंट मर गया है, जो वास्तव में दो सौ रूपये का था। लेकिन आजकल जो भी कोई पूछता है, मैं कहता हूं कि मेरा पांच सौ रूपये का ऊंट था। इस प्रकार आजकल तीन सौ रूपये नित्य कमाता हूं। **(समाप्त)**

एक जाट नदी के किनारे खड़ा था। दूर से उसे कोई काली चीज नहीं में तैरती दिखाई दी। जाट ने सोचा कि कोई बढिया काले रंग का कंबल लगता है, उसे निकालना चाहिए। वह उसे निकालने के लिए नदी में कूद पड़ा और तैरते तैरते उसके पास जा पहुंचा। लेकिन जब उसने उस काली चीज को हाथ से कस कर पकड़ा, तो उसे मालूम हुआ कि यह गया और जाट को अपने आप को उसे छुड़ाना मुश्किल हो गया। अब वह रोने लगा कि यह क्या का क्या हो गया? अब मैं इससे पिंड छुडाऊं तो छुडाऊं कैसे? भगवान जाने अब क्या होगा?

युवाओं की भूमिका पर 'मन की बात'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में देश की युवापीढ़ी के मन को समझने एवं समझाने की कोशिश की। परिवर्तन की लहर विकास की नाव पर सवार है, लेकिन परिवर्तन के बहुरंगी, विविध आयामी पक्षों के बीच जाते हुए वर्ष में युवा-आक्रोश का उभरना या उभारने के षडयंत्रपूर्ण दृश्यों को समझना जरूरी है, ताकि हम समझ पाएं कि आगे बढ़ते देश के निर्माण में युवा सहभागिता कितनी और किस हद तक महत्वपूर्ण है। हाल के राजनीतिक परिदृश्यों ने राममंदिर, अनुच्छेद 370, तीन तलाक कानून, एनआरसी और नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की संभावना को पूरजोर तरीके से प्रकट किया है और इन मुद्दों पर युवा-सोच भी नये तेवरों के साथ सामने आयी है। युवा-सोच में राजनीति को व्यक्ति नहीं, विचार और विश्वास आधारित बनाना होगा। चेहरा नहीं, चरित्र को प्राथमिकता देनी होगी।

मोदी ने जो कुछ कहा उससे और खासकर इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि आज के युवा व्यवस्था, अनुशासन एवं पारदर्शिता को पसन्द करते हैं और वे न केवल उसका पालन करते हैं, बल्कि यदि सिस्टम ढंग से काम न करे तो सवाल भी करते हैं, रोष भी व्यक्त करते हैं। वास्तव में हम सब भारत की उस युवा पीढ़ी का उभार देख भी सकते हैं जो न केवल नियम-कायदों के हिसाब से चलना पसंद कर रही है, बल्कि यह भी चाह रही है कि अन्य सभी ऐसा करें। राजनीतिक अपराधीकरण, आतंकवाद एवं बेरोजगारी को लेकर सबसे ज्यादा युवा परेशान है, हालांकि आर्थिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार की चिंता भी उन्हें परेशान किए हुए है। हमारे देश में सरकारी मशीनरी एवं राजनीतिक व्यवस्थाएं सभी रोगग्रस्त हैं। वे अब तक अपने आपको सिद्धांतों और अनुशासन में ढाल नहीं सके। कारण राष्ट्र का चरित्र कभी इस प्रकार उभर नहीं सका। युवापीढ़ी देश की राजनीति में पारदर्शिता एवं नैतिकता चाहती है, यही कारण है कि नरेन्द्र मोदी की नीतियों को इसी युवापीढ़ी ने सबसे ज्यादा बल दिया एवं पसन्द किया है।

मन की बात में युवाओं से मुखातिब होकर मोदी ने न केवल अपने मन की बात कही बल्कि देश के नवनिर्माण की आवश्यकता व्यक्त की। किसी भी देश की ऐसी युवा पीढ़ी व्यवस्था को बदलने के साथ ही उस माहौल का निर्माण करने में भी सहायक बनती है, जो पुराने ढर्रे को बदलने के लिए आवश्यक होता है। विडंबना यह है कि कुछ लोग और खासकर नेताओं का एक वर्ग अभी भी पुराने ढर्रे पर चलना पसंद कर रहा है। प्रश्न यह भी है कि राजनीतिक दल एवं राजनेता अपने ही युवाओं के जीवन से जुड़े बुनियादी मुद्दों को तवज्जों क्यों नहीं देती? भारतीय राजनीति की यह सबसे बड़ी कमजोरी रही है। शेक्सपीयर ने कहा था- दुर्बलता! तेरा नाम स्त्री है। पर आज अगर शेक्सपीयर होता तो इस परिप्रेक्ष्य में, कहता दुर्बलता! तेरा नाम भारतीय राजनीति है। आदर्श सदैव ऊपर से आते हैं। पर शीर्ष पर आज इसका अभाव है। वहां मूल्य बन ही नहीं रहे हैं, फलस्वरूप नीचे तक, साधारण से साधारण संस्थाएं, संगठनों और मंचों तक राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि और नफा-नुकसान छाया हुआ है।

- ललित गर्ग

सोच का मापदण्ड मूल्यों से हटकर राजनीतिक निजी हितों पर ठहर गया है। राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की कहीं कोई आवाज उठती भी है तो ऐसा लगने लगता है कि यह विजातीय तत्व है जो हमारे जीवन में घुस रहा है। यही कारण है कि व्यवस्था में बदलाव और सुधार की कोशिशों का विरोध होते हुए दिखता है। यह विरोध वे लोग करते हैं जो भाई-भतीजावाद, परिवारवाद और अपारदर्शी व्यवस्था के पोषक हैं। इनका बस चले तो वे शायद कोटा-परमिट वाली व्यवस्था को फिर से लागू करने की वकालत करने लगें। सच तो यह है दबे-छिपे स्वरों में यह वकालत होती भी है।

प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि आने वाले दशक को गति देने में वे लोग ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएंगे जिनका जन्म इक्कीसवीं सदी में हुआ है। इससे इन्कार नहीं कि बीते वर्षों में व्यवस्था के स्तर पर काफी कुछ बदला है, लेकिन यह भी सही है कि अभी बहुत कुछ बदले जाने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति में सजग और अनुशासनप्रिय युवाओं की एक बड़ी भूमिका रहने वाली है। कुशलता बढ़ाने पर बेहतर ध्यान देना चाहिए ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में टिक सकें। सरकार को भ्रष्टाचार दूर करना चाहिए। कर-नीतियों में विषमता की दर कम होनी चाहिए। इस तरह जो अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो उसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा सुधारने के लिए करना चाहिए। क्या देश मुट्ठीभर राजनीतिज्ञों और पूंजीपतियों की बपौती बनकर रह गया है? चुनाव प्रचार करने हैलीकॉप्टर से जाएंगे पर उनकी जिंदगी संवारने के लिए कुछ नहीं करेंगे। तब उनके पास बजट की कमी रहती है। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर ऐसे बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर सज़ातंत्र हो गया। क्या इसी तरह नया भारत निर्मित होगा? राजनीति सोच एवं व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हो ताकि अब कोई गरीब नमक और रोटी के लिए आत्महत्या नहीं करें और किसी युवा के सपनें आधे-अधूरे न रह जायें।

भारत की युवापीढ़ी मौलिकताप्रिय है। क्योंकि कोई भी व्यक्ति दूसरों की नकल कर आज तक महान् नहीं बन सका। सफलता का अनुकरण नहीं किया जा सकता। मौलिकता अपने आप में एक शक्ति है जो व्यक्ति की अपनी रचना होती है एवं उसी का सम्मान होता है। संसार उसी को प्रणाम करता है जो भीड़ में से अपना सिर ऊंचा उठाने की हिम्मत करता है, जो अपने अस्तित्व का भान कराता है। नरेन्द्र मोदी को इसीलिये युवा पसन्द करते हैं कि उन्होंने मौलिकता के शिखर गढ़े हैं।

मौलिकता की आज जितनी कीमत है, उतनी ही सदैव रही है। जिस व्यक्ति के पास अपना कोई मौलिक विचार है तो संसार उसके लिए रास्ता छोड़ कर एक तरफ हट जाता है और उसे आगे बढ़ने देता है। मौलिक विचारक तथा काम के नये तरीके खोज निकालने वाला व्यक्ति ही समाज की सबसे बड़ी रचनात्मक शक्ति होता है। अन्यथा ऐसे लोगों से दुनिया भरी पड़ी है जो पीछे-पीछे चलना चाहते हैं और चाहते हैं कि सोचने का काम कोई और ही करे।

चलते व्यक्ति के साथ कदम मिलाकर नहीं चलने की अपेक्षा उसे अड़ंगी लगाते हैं। सांप तो काल आने पर काटता है पर दुर्जन तो पग-पग पर काटता है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ की। संभवतः युवाओं की इसी भूमिका को रेखांकित करने के लिए प्रधानमंत्री ने यह कहा कि देश के युवाओं को अराजकता, अव्यवस्था आदि से चिढ़ है और वे परिवारवाद, जातिवाद, साम्प्रदायिक संकीर्णता को पसंद नहीं करते। इसका सीधा मतलब है कि युवाओं को अराजकता से दूर रहने के साथ ही उन शक्तियों से सतर्क रहने की भी जरूरत है जो उन्हें गुमराह करती हैं। ईमानदार होना आज अवगुण है। अपराध के खिलाफ कदम उठाना पाप हो गया है। धर्म और अध्यात्म में रुचि लेना साम्प्रदायिक माना जाने लगा है। किसी अनियमितता का पर्दाफाश करना पूर्वाग्रह माना जाता है। सत्य बोलना अहम् पालने की श्रेणी में आता है। साफगोही अव्यावहारिक है। भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं देना समय को नहीं पहचानना है। आखिर नयी गढ़ी जा रही ये परिभाषाएं समाज और राष्ट्र को किन वीभत्स दिशाओं में धकेल रही है? विकासवाद की तेज आंधी के बावजूद हमारा देश, हमारा समाज तरह-तरह के बंधनों में आज भी जकड़ा हुआ है। उसमें न आत्मबल है, न नैतिक बल। सुधार की, नैतिकता की बात कोई सुनता नहीं है। दूर-दूर तक कहीं रोशनी नहीं दिख रही है। बड़ी अंधेरी रात है। इन जटिलताओं के बीच युवा-भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है, रोशनी के लिये युवाओं को ही नन्हें-नन्हें दीपक बनना होगा।

जल तरंग

कुड़कुड़ाते कम्बल मांगे अलाव

ठंड इस बार अलग मूड में है। कई जगह पारा भी कुड़कुड़ाते हुए जम गया है। अलाव खुद कम्बल मांग रहे हैं। ठंड रोज अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर नया रिकॉर्ड बना रही है। कभी-कभी लगता है कि ठंड का कोई न कोई नाता धावक उसेन बोल्ट या पोल वॉल्ट चैंपियन रहे सर्गेई बुबका से है, जो खुद ही अपना रिकॉर्ड तोड़ते थे। इन खिलाड़ियों के दौर में बाकी खिलाड़ी इस चक्कर में फंसते ही नहीं थे कि इनका रिकॉर्ड तोड़ा जाए। ठंड का भी यही हाल है। अखबार में रोज ठंड की 87-88-100 साल पुराने रिकॉर्ड टूटने की खबरें आ रही हैं। इस चक्कर में सामान्य ज्ञान रटने वाले बच्चे परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आखिर किस साल सबसे ज्यादा ठंड पड़ी थी? चिंता है कि एक दिन का अखबार देखने से चूके तो उत्तर गलत हो सकता है।

मैं कन्फ्यूज हूं कि रोज अपना ही रिकॉर्ड धराशायी कर ठंड आखिर साबित क्या करना चाहती है? क्या अपने अपमान से आहत होकर ठंड कारनामा दिखा रही है? क्योंकि उत्तर भारत में अक्सर लोग कहते दिखते हैं कि दो-चार दिन ठंड पड़ती है, क्या करना ज्यादा ऊनी कपड़े खरीदकर। शायद उसने इसे इंसल्ट माना हो। यह भी हो सकता है कि ठंड लोगों को फिल्मी अंदाज में संदेश देना चाहती हो– 'मैं रजाई के अंदर तक आती हूं लेकिन समझ में नहीं।' मुमकिन है कि ठंड प्रदर्शनकारियों के प्रदर्शन से खफा हो। ठंड को लग रहा हो कि प्रदर्शनकारी उसका कतई लोड नहीं ले रहे हैं, इसलिए वो रोज अपना रिक़ॉर्ड तोड़कर उनका इम्तिहान ले रही हो।

इस भीषण ठंड में सरकारी कर्मचारी डिमांड कर रहे हैं कि महंगाई भत्ते की तरह ठंड भत्ता भी आरंभ किया जाए। आज एक ढंग की जैकेट पांच हजार से कम की नहीं है। प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारी जानते हैं कि ठंड भत्ता असंभव है तो वो ठंड की छुट्टियां मांग रहे हैं। ठंड को लेकिन किसी की मांग-वांग से क्या, वो अपने स्टाइल में है। उसे शायद इस साल अनूठा रिकॉर्ड बनाना है, जो कभी टूट न सके। लेकिन ऐसा कहां होता है भला? रिकॉर्ड होते ही टूटने के लिए हैं। जीप घोटाले से शुरू हुआ भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड टूटते-टूटते ऐसे मोड़ पर आ गया कि भ्रष्टाचार की रकम गिनना ही मुश्किल है। महंगाई के रिकॉर्ड साल दर साल टूटते ही गए। 'आगरानामा' किताब में एक जगह जिक्र है कि 1936 में एक तोला सोने की कीमत 36 रुपए थी, आज 40 हजार रुपया से ज्यादा है। शेयर बाजार को ही लीजिए। 25 जुलाई, 1990 को सेंसेक्स ने एक हजार अंक छूने का रिकॉर्ड बनाया था। उसके बाद कई बार मंदी आई और गई, सेंसेक्स अपना रिकॉर्ड तोड़ता रहा। अब कभी 40 हजार पार कर चला जाता है। ठंड को कोई समझाए कि अब अपना रिकॉर्ड दो-चार साल बाद तोड़ ले। फिलहाल, बस करे।

पर्यावरण की साथी स्त्रियां

पर्यावरण आंदोलन के उदय का मुख्य कारण पर्यावरणीय विनाश ही रहा है। आलोचकों का कहना है कि स्वाधीनता पाने के बाद से पश्चिमी अनुभव पर आधारित आर्थिक विकास के प्रतिमानों की नकल उतारने की वजह से भारत में प्राकृतिक संसाधनों पर संघर्ष तीव्र हुए। दूसरा, विकास योजनाओं का संसाधनों के सामाजिक पहलुओं से अनजान होना भी संसाधनों के शोषण और उस पर निर्भर लाखों ग्रामवासियों की बदहाली का कारण है। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। सच्चाई यह है कि विकास का सीधा आशय पुरुष प्रधान समाज का विकास है, क्योंकि विकास की रूपरेखा महिलाओं की मूलभूत आवश्यकताओं से अपरिचित रहती है। जबकि महिलाओं की ये आवश्यकताएं उनकी अपनी नहीं, पूरे परिवार की होती हैं। इसी कारण महिलाएं सबसे ज्यादा विकास की नीतियों में प्रभावित भी रही हैं। इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने लिखा भी है कि पर्यावरण का विनाश साफ तौर पर हाशिये पर रह रही संस्कृतियों और पेशों, जैसे आदिवासी, बंजारे, मछुआरे और कारीगरों पर सबसे बड़ा खतरा है, जो हमेशा से ही अपने अस्तित्व के लिए अपने आस-पास की प्रकृति पर निर्भर रहे हैं। लेकिन जैव ईंधन के स्रोतों के विनाश का सबसे बड़ा असर महिलाओं पर पड़ा है।

पर्यावरण आंदोलन की शुरुआत उत्तराखंड से हुई थी, और वह भी महिलाओं के माध्यम से। पर्यावरण आंदोलन का भी अपना लंबा इतिहास रहा है। इस इतिहास पर गौर करें तो उत्तराखंड में पहला आंदोलन औपनिवेशिक काल के दौरान 1921 में हुआ। पर्यावरण को लेकर दूसरा आंदोलन 26 मार्च 1974 को हुआ था, जो आजादी के बाद का पहला बड़ा पर्यावरण आंदोलन था, जिसे चिपको आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है। यह आंदोलन दसौली ग्राम सेवा संघ (डीजीएसएस) में शुरुआती दौर में चंडी प्रसाद भट्ट के नेतृत्व में मंडल गांव से शुरू होकर अलकनंदा घाटी के कई गांवों में फैला था।

इस विरोध ने बाद में आंदोलन का रूप अख्तियार कर लिया, जिसमें गौरा देवी के नेतृत्व में महिला मंडल दल की सत्ताईस औरतें पेड़ों की रक्षा के लिए पेड़ों से चिपक गई थीं और ठेकेदारों व वन अधिकारियों का विरोध करते हुए कहा था- 'यह जंगल हमारा मायका है। हम अपनी पूरी ताकत से इसे बचाएंगे।' रेनी गांव की घटना से पहले आंदोलन पूरी तरह पुरुषों का मामला था। परंतु इस घटना के बाद चिपको आंदोलन के संघर्ष में महिलाओं की भूमिका बढ़ने लगी। इसी क्रम में एक फरवरी को अडवाणी गांव में पेड़ों की रक्षा में वहां की महिलाएं यह कहते हुए पेड़ों पर चिपक गई थीं कि 'पेड़ नहीं, हम कटेंगे'। नौ फरवरी 1978 को नरेंद्र नगर, 25 दिसंबर 1978 को मालागाड्डी क्षेत्र से होता हुआ पूरे उत्तराखंड में फैला यह आंदोलन महिलाओं का आंदोलन बना।

उत्तराखंड का ही चिपको आंदोलन दक्षिण में अप्पिको आंदोलन बना। इस तरह पर्यावरण संरक्षण को लेकर विरोध दर्ज कराने में लोगों में सजगता आई। वनों के संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं द्वारा 1990 में बीज बचाओ आंदोलन में भी सक्रिय रूप से भागीदारी दी गई। भले ही आंदोलन के अगुआ पुरुष रहे हों, बावजूद जमीनी स्तर पर इसे महिलाओं ने पोषित किया। इस अभियान के दौरान गांव-गांव

- भावना मासलीवाल

जाकर परंपरागत बीज इक्कठे किए गए, उन्हें गांव वालों को वितरित किया गया और उनको खेतों में जाकर बोया गया। इस अभियान से चावल की लगभग दो सौ किस्मों, राजमा की डेढ़ सौ किस्मों और बीजों की कई प्रजातियों को लुप्त होने से बचाया गया।

इसी तरह एक अन्य आंदोलन मैत्री योजना के रूप में 1995 में हुआ था। यह उत्तराखंड के नंगे पहाड़ों को फिर से हरा-भरा करने के लिए चलाया गया आंदोलन था। इसमें विवाह पूर्व लड़कियां वृक्ष के पौधों को तैयार करती हैं और विवाह की तिथि को बतौर यादगार नव-

विवाहित दंपतियों द्वारा पौधों को निर्धारित वन क्षेत्र में रोपा जाता है। इस तरह से पर्यावरण आंदोलन और महिलाओं का एक गहरा रिश्ता जुड़ जाता है। ऐसे में जब हम महिला और किसान की बात करते हैं तो लोगों को सुनने में थोड़ा अटपटा लगता है और यह अटपटापन कुछ और नहीं, हमारा नजरिया है जो समस्याओं को बढ़ा देता है। इसे हम अपने आसपास के जीवन में किसानों में भी महिला किसानों के जरिए जान सकते हैं।

किसान जीवन और उनकी समस्याओं पर तो व्यापक साहित्य उपलब्ध है। क्या कभी किसी ने सोचा है कि महिला भी किसान है? प्रायः हमारे मस्तिष्क में छवियां पूर्व निर्मित होती हैं, जिनका बोध उस छवि से जुड़े शब्द और अर्थ के प्रकटीकरण के साथ होता है और हम अपनी पूर्व निर्मित छवियों के आधार पर फिर उसे नाम देते हैं। यह प्रक्रिया स्वतः नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक निर्मिती का ही एक हिस्सा है। आखिर ऐसा क्यों? सभी जानते हैं कि किसानी में खेती के अधिकांश काम बीज बोने से लेकर निराई, कटाई, छंटाई और फसल काटने तक में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। केवल हल और ट्रैक्टर न चला पाने के कारण समाज उसे किसान मानने से इनकार कर देता है। यहां प्रशिक्षण का अभाव और सामाजिक बंदिशें उन्हें इन कामों से रोकती हैं।

आज भी कई गांव ऐसे हैं जहां महिलाएं ही किसानी का काम करती हैं। पूर्वोतर और दक्षिण भारत की महिलाओं के साथ-साथ उत्तर भारत की महिलाएं भी खेती में अधिक सक्रिय हैं। बल्कि पहाड़ की ओर जाएं तो वहां ज्यादातर महिलाएं ही किसानी का काम करती हैं। स्वयं ही खेतों को जोतती हैं व अन्य सभी कामों के साथ-साथ उसका मोल-भाव करती हैं। यहां तक कि पर्यावरण आंदोलन की नींव भी इन्हीं महिलाओं ने डाली। पुरुष अधिकतर रोजगार के सिलसिले में शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं।

महिलाएं प्रकृति के करीब मानी जाती हैं, क्योंकि वे जीवन देती हैं और उसका भरण-पोषण करती हैं। या कहें कि प्रकृति अपने स्वभाव में स्त्री ही होती है। एक महिला के समान वह भी उत्पादन क्रम से जुड़ी होती है। प्रकृति और स्त्री के बीच का यही तादात्म्य उसे अधिक करीब लाता है। पारिस्थितिकी नारीवाद इसी तादात्म्य की बात करता है और महिलाओं को साथ लेकर चलने की बात कहता है। वह विकास में महिलाओं के नजरिए की महत्ता को स्वीकारता है। यह विकास फिर खेती के जरिए हो या परिवार के।

महिलाओं का पर्यावरण से संबंध पुराना रहा है। आधुनिक भारत में पर्यावरणवादी आंदोलनों की एक असाधारण विशेषता इनमें महिलाओं द्वारा निभाई गई अहम भूमिका है। वे काटे जा रहे जंगलों, अनियंत्रित खनन, विस्थापन और बड़े पैमाने पर मछली मारने के खिलाफ सड़कों पर उतरी हैं। वे नंगी पहाड़ियों पर पौधे लगा रही हैं, जलापूर्ति के स्थानीय स्रोतों का संरक्षण कर रही हैं और ऊर्जा-सक्षम तकनीक का प्रोत्साहन करने में जुटी हैं। मगर क्यों साहित्य और समाज में उन्हें महत्त्व नहीं दिया गया, क्यों साहित्य में उनके लिए आज भी शून्यता ही मिलती है? क्यों किसान जीवन का इतना समृद्ध साहित्य होने के बावजूद उनकी छवि आज भी श्रमिक या कामगार महिला की है? क्यों साहित्य का किसान आज भी होरी ही है, धनिया नहीं?

साहित्य के तरह समाज और राष्ट्र भी अपनी नीतियों में उन्हें हाशिये पर रखता है। उनका काम आज भी श्रम के रूप में गिना जाता है। इसका ही प्रभाव रहा कि आज भी किसानी में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं और नीतियां नहीं मिलतीं। हम क्यों भूल जाते हैं कि महिलाओं को भी विकास की नीतियों में शामिल करने से ही आर्थिक विकास संभव है, क्योंकि वे प्रकृति के बहुत ही करीब होती हैं और अगर उन्हें भी पुरुष किसान के समान प्रशिक्षित किया जाए, तो वे भी आत्मनिर्भर होगी और उनकी यही आत्मनिर्भरता राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोगी होगी। अन्यथा विकास में महिलाओं की उपेक्षा प्राकृतिक आपदाओं के रूप में हमारे सामने आती रहेंगी।

कामना का त्याग करें

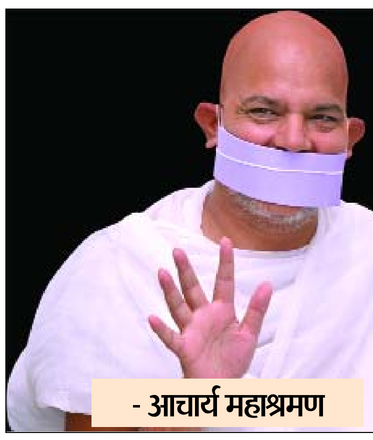

- आचार्य महाश्रमण

हमारे जीवन में इंद्रियों का महत्व है, मन का महत्व है और बुद्धि का भी बहुत महत्त्व है। इंद्रियां, मन और बुद्धि एक श्रृंखला में जुड़ी हुई चीजें लगती हैं। इंद्रियां ज्ञान का और भोग का माध्यम बनती हैं किन्तु मन न हो तो मात्र इंद्रियां क्या करेगी? इंद्रियों के साथ मन जुड़ता है तब कुछ परिपूर्णता आती है। मन के बिना इंद्रियों का महत्व कम हो जाता है। हम इंद्रियों से पदार्थों को जानते हैं फिर मन से उस पर विचार करते हैं। मन में प्रतिक्रियाएं भी होती है। बुद्धि से आदमी समझता है, ज्ञान को बढ़ाता है, निर्णय करता है। श्रीमद्भगवद्गीता में तीनों पर विचार किया गया है। वहां बताया गया है

इंद्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्य: परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः।। 3/42।।

इंद्रियों को स्थूल शरीर से श्रेष्ठ, बलवान और सूक्ष्म कहते है। इन इद्रियों से पर मन है मन से भी पर बुद्धि है और जो बुद्धि से भी अत्यंत पर है वह आत्मा है।

शरीर की अपेक्षा इंद्रियां ज्यादा श्रेष्ठ हैं। इंद्रियां है इसलिए विषयों का उपयोग है। इंद्रियां न हो तो विषयों का पदार्थों का क्या उपयोग होता? पदार्थों की अपेक्षा, विषयों की अपेक्षा या शरीर की अपेक्षा इंद्रियां श्रेष्ठ होती है, उनसे ज्ञान मिलता है। इंद्रियों से भी ज्यादा श्रेष्ठ मन होता है। पहले शरीर फिर इंद्रियां, उसके बाद मन का बड़ा महत्व है। इंद्रियों की अपेक्षा मन सूक्ष्म भी है। इंद्रियां तो हमारे सामने दृष्टिगोचर भी होती है। मन भीतर में रहकर काम करने वाला है। मन से भी आगे बुद्धि का स्थान है। मन से भी सूक्ष्म बुद्धि है क्योंकि बुद्धि के द्वारा निश्चय होता है।

बुद्धि के लिए कहा गया है व्यवसायात्मिक बुद्धिः यह करना, यह नहीं करना आदि हम जो निर्णय करते हैं वह बुद्धि के द्वारा करते हैं। मन से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण बुद्धि होती है। बुद्धि से भी आगे है काम। हम जैन विद्या के संदर्भ में विचार करें तो औदारिक शरीर स्थूल है, उससे सूक्ष्म है इंद्रियां, उससे सूक्ष्म है तैजस शरीर और उससे भी ज्यादा सूक्ष्म है कार्मण शरीर। कार्मण शरीर में कर्म रहते है। काम, कषाय ये कार्मण शरीर में रहने वाले हैं। वे हमें स्पष्ट भले दिखाई न दें, पर उनके रहने का स्थान और गहरे में है। कई बार काम न भी उभरे पर भीतर में पड़ा रहता है। वह जब अपना प्रभाव दिखाता है तब आदमी का मन चकराता है, वृत्तियां तीव्र होती है आदमी अपराध में चला जाता है। काम को नष्ट करना बड़ा कठिन होता है।

उत्तराध्ययन सूत्र में कहा गया-
कामाणुगिद्धिप्पभवं खु दुक्खं, सव्वस्स लोगस्स सदेवगस्स।
जं काइयं माणसियं च किंचि, तस्संतगं गच्छइ वीयरागो।।32/98।।

सब जीवों के और देवताओं के भी जो कुछ कायिक और मानसिक दुःख है, वह काम भोगों की सतत अभिलाषा से उत्पन्न होता है। वीतराग उस दुःख का अंत पा जाता है।

सारा दुःख है, वह काम के द्वारा पैदा किया हुआ है यानी काम दुःख को पैदा करने वाला है। अनुगृद्धि या आसक्ति दुःख को पैदा करने वाली है। काम को गीताकार ने भी हमारा बड़ा अहित करने वाला तत्त्व माना है और उत्त्राध्ययनकार ने भी दुःख का मूल बताया है। हमारी साधना का महत्त्वपूर्ण आयाम है कि हम कामना को कम करने का प्रयास करें, इच्छाओं को कम करने का प्रयास करें। ज्यों-ज्यों हमारी इच्छाएं कम हो जाएगी, त्यों-त्यों हम सुखी हो जाएंगे। जब तक कामना रहेगी तब तक दुःख रहेगा। आदमी अपने मन को समझाने का प्रयास करे कि मैं इतनी इच्छा क्यों करूँ? मेरे भाग्य में कुछ है तो मुझे मिल जाएगा। अगर मेरे भाग्य में है ही नहीं तो सौ प्रयास कर लूं मिलना मुश्किल है। आखिर मुझे चाहिए ही क्यों? खाने को रोटी चाहिए। शरीर को ढकने के लिए कपड़ा चाहिए, बीमार होने पर कुछ दवाई चाहिए, रहने को थोड़ा स्थान चाहिए। बस इतना मिल जाए फिर ज्यादा लम्बी चौड़ी कामनाएं करें ही क्यों? सुख में रहें। जितना संभव हो दूसरों का भला करें, कल्याण करें, परोपकार करें, अपना कल्याण करें। बाह्य कामना में न जाएँ। अपने मन को खुद समझाएं कि भाई ! तुम ज्यादा कामना में मत फंसो। यह कामना दुःख का कारण है। कामना कर्मों का बंध भी कराती है, जिससे जन्म मरण की परम्परा चलती रहती है, इसलिए कामना को छोड़ने की चेष्ट करो। चिंतन करने से, अभ्यास करने से हम धीरे-धीरे कामना को कम कर सकते हैं, कामना को मार सकते हैं और निष्काम योगी बनना जीवन की बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। हमारे कपड़ों में कांटे लग जाते हैं। एक-एक कांटे को देख-देखकर निकाल दें तो वस्त्र कांटों से मुक्त हो जाता है। ये कामना के कांटे हमारे चुभे हुए हैं। हम एक-एक कांटे को दखे लें, कहां-कहां कामना के कांटे लगे हुए हैं। उनको निकाल दे तो हम कामना मुक्त हो जाएंगे। कामना मुक्त होने के बाद हमें जो सुख मिलेगा, शांति मिलेगी, वह विशिष्ट होगी।

जहि शत्रुं महाबाहो कामरूपं दुरासदम्।।

जो काम रूपी शत्रु है, जिसको खोज पाना मुश्किल है, उसको तुम खोजो और वहां से निकालो। काम वहां से हट जाएगा। फिर तुम्हें कितना बड़ा सुख, शांति का साम्राज्य प्राप्त हो जाएगा। जैन वाड्.मय में कहा गया कामों का अतिक्रमण करो, दुःख अपने आप अतिक्रांत हो जाएगा। एक साधु के मन मे यदि कामना रहती है, संकल्प विकल्प रहता है तो वह पग-पग पर साधु विषादग्रस्त हो जाता है क्योंकि मन में कामना है। जैन वाड्.मय और गीता में काम को शत्रु और दुःख का कारण माना है। हमें दुःखों से मुक्त होना है तो कामना का परित्याग करना होगा। तभी आदमी परम सुखों को प्राप्त हो सकेगा।

ब्रह्मा के यज्ञ का साक्षी ब्रह्मसरोवर

कुरुक्षेत्र में इन दिनों अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का केंद्र बने विश्व प्रसिद्ध तीर्थ 'ब्रह्मसरोवर' का संबंध सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी के साथ माना गया है। लोमहर्षण जी ने वामन पुराण में इसका जिक्र किया है। उन्होंने श्लोक लिखा है, जिसका अर्थ है- सबसे पहले उत्पन्न होने वाले कमलासन ब्रह्मा, लक्ष्मी सहित विष्णु और महादेव रुद्र को सिर झुकाकर प्रणाम करके मैं महान ब्रह्मसरोवर तीर्थ का वर्णन करता हूं।

एक अन्य श्लोक के अनुसार सबसे पहले इस पावन धरा को ब्रह्मवेदी कहा गया था। बाद में इसका नाम रामह्रद हुआ और फिर बाद में राजर्षि कुरु द्वारा जोते जाने से इसका नाम कुरुक्षेत्र पड़ा। यह भी कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने पहला यज्ञ इसी स्थान पर किया था। इस पावन तीर्थ पर प्रत्येक अमावस्या, पूर्णिमा, सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण के अवसर पर विशाल मेला लगता है। दूर-दूर से श्रद्धालु स्नान, ध्यान और दर्शन के लिए इस तीर्थ पर आते हैं। वामन पुराण में लिखा है कि चतुर्दशी और चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को इस तीर्थ पर स्नान व उपवास करने वाला व्यक्ति सूक्ष्मातिसूक्ष्म परब्रह्म का साक्षात्कार कर जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है।

पिछले लगभग 30 साल से इस पवित्र तीर्थ पर गीता महोत्सव मनाया जाता है। यह गीता महोत्सव अब अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के नाम से प्रसिद्ध है। इस तीर्थ के चारों तरफ सड़कें और पार्क हैं। रेलिंग से आगे सरोवर 15 फुट गहरा है।

इस तीर्थ के दोनों भागों की लंबाई 3300 फुट और चौड़ाई 3000 फुट है। सरोवर के चारों ओर लाल पत्थर का प्लेटफार्म, परिक्रमा और सीढ़ियां हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा मुख्य गेट के साथ पूर्व और पश्चिम की तरफ महाभारत से जुड़े चित्र बनाए जा रहे हैं। चित्रों का विवरण भी दिया जा रहा है।

भगवान शंकर का अवतार माना जाता है बजरंग बली को

बजरंग बली हनुमान जी को भगवान शंकर का अवतार भी माना जाता है। मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सेवा के निमित्त भगवान शिव जी ने एकादश रुद्र को ही हनुमान के रूप में अवतरित किया था।

बजरंग बली हनुमान जी को भगवान शंकर का अवतार भी माना जाता है। मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सेवा के निमित्त भगवान शिव जी ने एकादश रुद्र को ही हनुमान के रूप में अवतरित किया था। हनुमान जी चूंकि वानर-उपदेवता श्रेणी के तहत आते हैं इसलिए वे मणिकुण्डल, लंगोट व यज्ञोपवीत धारण किए और हाथ में गदा लिए ही उत्पन्न हुए थे। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि उपदेवताओं के लिए स्वेच्छानुसार रूप एवं आकार ग्रहण कर लेना सहज सिद्ध है। पुराणों के अनुसार, इस धरा पर जिन सात मनीषियों को अमरत्व का वरदान प्राप्त है, उनमें बजरंग बली भी हैं।

माता अंजनी एवं पवन देवता के पुत्र हनुमान का जीवनकाल पराक्रम और श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा की असंख्य गाथाओं से भरा पड़ा है। हनुमान जी में किसी भी संकट को हर लेने की क्षमता है और अपने भक्तों की यह सदैव रक्षा करते हैं। हनुमान रक्षा स्त्रोत का पाठ यदि नियमित रूप से किया जाए तो कोई बाधा आपके जीवन में नहीं आ सकती। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ करने

से बड़े से बड़ा भय दूर हो जाता है। भगवान श्रीराम की नित उपासना करने वालों पर हनुमान जी खूब प्रसन्न रहते हैं। उनकी मूर्ति स्थापित करके शुद्ध जल, दूध, दही, घी, मधु और चीनी का पंचामृत, तिल के तेल में मिला सिंदूर, लाल पुष्प, जनेऊ, सुपारी, नैवेद्य, नारियल का गोला चढ़ाएं और तिल के तेल का दीपक जलाकर उनकी पूजा करें। इससे हनुमान जी प्रसन्न होकर भक्तों के सारे कष्ट हर लेते हैं। हनुमान जी के बचपन से जुड़ा एक प्रचलित प्रसंग यह है कि एक बार माता अंजनि हनुमानजी को कुटि में लिटाकर कहीं बाहर चली गयीं। थोड़ी देर में इन्हें तेज भूख लगने लगी। इतने में आकाश में सूर्य भगवान उगते हुए इन्हें दिखायी दिये। इन्होंने समझा कि यह कोई लाल लाल सुंदर मीठा फल है। बस एक ही छलांग में वह सूर्य भगवान के निकट जा पहुंचे और उन्हें पकड़कर अपने मुंह में रख लिया। सूर्य ग्रहण का दिन था, राहु सूर्य को ग्रसने के लिए उनके पास पहुंच रहा था। उसे देखकर हनुमानजी ने सोचा यह कोई काला फल है, इसलिए उसकी ओर भी झपटे। राहु किसी तरह भागकर देवराज इंद्र के पास पहुंचा। उसने कांपते स्वरों में कहा, भगन आज आपने यह कौन सा दूसरा राहु सूर्य को ग्रसने के लिए भेज दिया? यदि मैं भागा ना होता तो वह मुझे भी खा गया होता।

राहु की बातें सुनकर देवराज इंद्र को बड़ा अचंभा हुआ। वह अपने सफेद हाथी पर सवार होकर हाथ में वज्र लेकर बाहर निकले। उन्होंने देखा कि एक वानर बालक सूर्य को मुंह में दबाए आकाश में खेल रहा है। हनुमान ने भी सफेद ऐरावत पर इंद्र को देखा। उन्होंने समझा कि यह कोई खाने लायक सफेद फल है। वह उधर भी झपटे। यह देखकर देवराज इंद्र बहुत ही क्रोधित हो उठे। उन्होंने खुद को अपनी ओर झपटते हनुमान से बचाया और सूर्य को छुड़ाने के लिये हनुमान की ठुड्डी पर वज्र का तेज प्रहार किया। वज्र के प्रहार से हनुमान का मुंह खुल गया और वह बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़े। हनुमान के गिरते ही उनके पिता वायु देवता वहां पहुंच गये। अपने बेहोश बालक को उठाकर उन्होंने गले से लगा लिया। माता अंजनि भी वहां दौड़ती हुई आ पहुंचीं। हनुमान को बेहोश देखकर वह रोने लगीं। वायु देवता ने क्रोध में आकर बहना ही बंद कर दिया। हवा के रुक जाने के कारण तीनों लोकों में प्राणी व्याकुल हो उठे। पशु, पक्षी बेहोश हो होकर गिरने लगे। पेड़ पौधे और फसलें कुम्हलाने लगीं। ब्रम्हाजी इंद्र सहित सभी देवताओं को लेकर वायु देवता के यहां पहुंचे। उन्होंने अपने हाथ से छूकर हनुमान को जीवित करते हुए वायु देवता से कहा, वायु देवता आप तुरंत बहना शुरू करें क्योंकि वायु के बिना हम सब लोगों के प्राण संकट में पड़ गये हैं। यदि आपने बहने में जरा भी देरी की तो तीनों लोकों के प्राणी मौत के मुंह में चले जाएंगे। आपके इस बालक को आज सभी देवताओं की ओर से वरदान प्राप्त होगा। ब्रह्माजी की बात सुनकर सभी देवताओं ने कहा कि आज से इस बालक पर किसी प्रकार के अस्त्र शस्त्र का प्रभाव नहीं पड़ेगा। देवराज इंद्र ने कहा, मेरे वज्र का भी इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसकी ठुड्डी (हनु) वज्र से टूट गयी थी इसलिए आज से इसका नाम हनुमान होगा। ब्रह्माजी ने कहा कि वायुदेव तुम्हारा यह पुत्र बल बुद्धि विद्या में सबसे बढ़ चढ़कर होगा। तीनों लोकों में किसी भी बात में इसकी बराबरी करने वाला दूसरा कोई ना होगा। यह भगवान राम का सबसे बड़ा भक्त होगा। इसका ध्यान करते ही सभी प्रकार के दुःख दूर हो जाएंगे। यह मेरे ब्रह्मास्त्र के प्रभाव से सदा मुक्त होगा। वरदान से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी एवं देवताओं की प्रार्थना सुनकर वायुदेव ने फिर पहले की तरह बहना शुरू कर दिया जिससे तीनों लोकों के प्राणी प्रसन्न हो उठे।

मोक्ष

हिंदू धर्म में मोक्ष की प्राप्ति अनिवार्य मानी गई है। जन्म और मृत्यु के बंधन से मुक्त होना मोक्ष माना गया है और इसके लिए ईश्वर की कृपा पाना अनिवार्य है, लेकिन बौद्ध मत के अनुसार मुक्ति के लिए किसी ईश्वरीय अथवा दैवी अनुकंपा की आवश्यकता नहीं। बौद्ध मत के अनुसार वस्तुओं और स्थितियों को उनके यथार्थ रूप में देखने की योग्यता उत्पन्न होना ही मुक्ति अथवा मोक्ष है और इसे ही निर्वाण कहा गया है। स्वयं को तथा संसार की सारी वस्तुओं को मात्र देखना और उनके प्रति राग-द्वेष का भाव न रखते हुए आगे बढ जाना निर्वाण की प्राप्ति में सहायक है। गीता में वर्णित समत्वं योग उच्यतेकी तरह समता भाव में स्थित होना ही निर्वाण है। संसार अथवा संसार की वस्तुओं के वास्तविक स्वरूप को जानने के लिए आवश्यक है स्वयं के वास्तविक स्वरूप को जानना। स्वयं को जान लेंगे तो संसार को जान लेंगे तथा संसार को जान लेंगे तो स्वयं को और अधिक अच्छी प्रकार से जानना संभव हो सकेगा। यही जानने की एक विधि है विपश्यना। विपश्यनामें सबसे पहले हम केवल श्वास के आवागमन पर ध्यान केंद्रित करने का अभ्यास करते हैं, जिसे आनापान कहते हैं। आनापानके अभ्यास के बाद विपश्यना अर्थात् स्वयं का मानसिक निरीक्षण करने की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। स्थूल से सूक्ष्म अंतरावलोकनकी प्रक्रिया है विपश्यना। विपश्यनासाधना में पहले पूरे तीन दिनों तक आनापानका अभ्यास ही करना होता है। आनापानद्वारा मन पर नियंत्रण कर एकाग्रता का विकास करना सरल है। साधना का उद्देश्य भी तो यही है कि हमारा मन हमारे वश में हो। विपश्यनाअर्थात विशेष रूप से देखने की प्रक्रिया। विपश्यनाशरीर के विभिन्न अंग-प्रत्यंगों के मानसिक निरीक्षण की प्रक्रिया है। बिना अच्छे-बुरे का निर्णय किए, बिना सुख-दुख का अनुभव किए बस देखना और आगे बढ जाना यही तो साक्षी भाव है। यही साक्षी भाव ही विपष्यनाहै। ठोस शरीर को निरंतर तरंग रूप में परिवर्तित होते देखना ही विपश्यनाहै। एक बार अपने इस वास्तविक स्वरूप को जान लेंगे तो बाकी संसार को जानने में और उसके बाद जीते जी मोक्ष प्राप्त करने में कोई बाधा आ ही नहीं सकती।

शुरू से करें ध्यान का अभ्यास

किसान खेतों में धान की बुवाई आषाढ महीने में करते हैं, जबकि कटाई अगहन के महीने में। यदि वे अगहन में बुवाई करना शुरू कर दें, तो अनाज की उपज नहीं हो सकेगी। खेती का यह नियम हमें बहुत बडी सीख देता है।

हमें सभी कार्य समय पर करने चाहिए। हमें सही उम्र में ध्यान और साधना से जुड जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति वृद्धावस्था में ध्यान-साधना के बारे में सोचता है, तो उसकी यह भूल हो सकती है। किसी भी काम को कल पर छोडने के बजाय आप आज से ही शुरू कर दें। यदि आपके मन में कुछ अच्छा काम करने की इच्छा हो रही है, तो उसे इसी क्षण से करना शुरू कर दें।

माना जाता है कि मरते वक्त रावण ने राम को भी कुछ उपदेश दिए थे। रावण ने कहा था-शुभस्य शीघ्रम, अशुभस्यकालहरणम्। जब आपकी इच्छा शुभ कर्म करने की हो रही है, तो उसे तुरंत कर दें। इसमें एक क्षण की भी देरी नहीं करनी चाहिए। जब आपकी इच्छा किसी अशुभ कर्म करने की हो रही हो, तो उसमें आप देरी करें। रावण ने अपने जीवन की घटना के बारे में उल्लेख करते हुए बताया कि मेरी इच्छा हुई-मैं धरती को स्वर्ग से जोडने के लिए सीढी बना दूं। लेकिन आज नहीं कल, कल नहीं परसों करते-करते मैं इसकी शुरुआत भी नहीं कर पाया।

आज मेरी मृत्यु हो रही है। वहीं दूसरी ओर, मेरे मन में विचार आया कि मैं सीता का अपहरण करूंगा। यह अशुभ कर्म था। यदि इस कार्य को करने में मैं देरी कर देता, आज नहीं कल, कल नहीं परसों करता, तो यह अशुभ कर्म नहीं हो पाता और मेरी मृत्यु भी नहीं होती। श्रीआनंदमूर्तिके अनुसार, व्यक्ति को कम उम्र में ध्यान और साधना से जुड जाना चाहिए। इसके लिए उसे बुढापे का इंतजार नहीं करना चाहिए। हर कर्म अभ्यास से ही पुष्ट होता है। यदि हम कम उम्र में ही साधना से जुड जाते हैं, तो हमारे लिए ध्यान के परम आनंद को पाना सरल हो जाता है।

दूसरी ओर, बुढापे में हमारा शरीर कमजोर हो जाता है। यदि हम इस उम्र में साधना से जुडेंगे, तो संभव है सफलता न मिल पाए। इसलिए बुद्धिमान व्यक्ति कम उम्र से ही साधना करना शुरू कर देते हैं। ऐसा माना जाता है कि कई जन्मों के बाद हमें मानव शरीर मिल पाता है, इसलिए इसे दुर्लभ भी कहा गया है। यदि मानव शरीर मिलने के बावजूद हम उसका सदुपयोग नहीं कर पाते हैं, तो यह सही नहीं है।

पवित्र साधना से ही हमारा जीवन सार्थक हो पाता है। इसलिए यदि आप साधना-मार्ग से नहीं जुड पाए हैं, तो आज से ही साधना शुरू कर दें।

संदेश

अब तो पगडंडी सा है प्राचीन पथ

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने जिस प्राचीन कैलास-मानसरोवर यात्रा मार्ग की खोज की है वह किसी चुनौती से कम नहीं थी। सैकडों या हजारों वर्ष पूर्व तक जिन मार्गों से यात्रियों के जत्थे गुजरते होंगे वे अब पगडंडी भर रह गए हैं। आईटीबीपी द्वारा खोजे गए 260 किलोमीटर लंबे इस प्राचीन मार्ग से कैलास यात्रा का संचालन अब भूस्खलन या अन्य आपात स्थितियों में ही किया जाएगा।

कुमाऊं मंडल विकास निगम द्वारा संचालित कैलास-मानसरोवर यात्रा के सफल संचालन में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की मिर्थी वाहिनी द्वारा विशेष सहयोग दिया जाता है। यात्रियों को सुरक्षित तिब्बत पहुंचाने और वापस बेस कैंप पहुंचाने में आईटीबीपी का विशेष सहयोग रहता है। वर्षाकाल में भूस्खलन के लिए धारचूला से लेकर गाला तक मार्ग अतिसंवेदनशील है। अधिक वर्षा होते ही पहाडियों के टूटने से मार्ग बंद होना आम बात रहती है। यहां पिछले वर्षों में आपदा के कारण नियमित मार्ग के ध्वस्त होने से यात्रियों को तमाम परेशानियों से जूझना पडा था। इसी को ध्यान में रखते हुए आईटीबीपी द्वारा प्राचीन मार्ग की खोज का निर्णय लिया गया, ताकि नियमित मार्ग के बंद होने की स्थिति में बिना देरी किए प्राचीन मार्ग से यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। सातवीं वाहिनी मिर्थी के कमांडेंट एपीएस निंबाडिया ने इस मार्ग की खोज के लिए वर्ष 2009 में जवानों के छह दल गठित किए। इन दलों को गाला से लेकर काठगोदाम तक मार्ग की खोज का जिम्मा दिया गया। खोज में लगाए गए जवानों को इस कार्य में खासी मशक्कत करनी पडी। यह मार्ग कई स्थानों पर पगडंडी भर रह गया था। इस यात्रा पथ के किनारे जिन धर्मशालाओं का जिक्र किया जाता रहा है वे भी खंडहर या पत्थर की दीवारों के अवशेष रूप में ही मिलीं। बहरहाल, मार्ग जिस स्थिति में भी हो, लेकिन भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा पूरा किया गया यह अभियान विशेष उपलब्धि रहा और इस काम को खासी सराहना भी मिली। पिछले वर्ष मार्ग को खोजने का काम पूरा होने के बाद संस्कृति मंत्रालय द्वारा आईटीबीपी से इस मार्ग का पूरा ब्योरा मांगा गया। इसके पीछे संस्कृति मंत्रालय की मंशा इस प्राचीन मार्ग को राष्ट्रीय धरोहर में शामिल करना है।

उपयोग के लायक नहीं मार्ग

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा खोजा गया प्राचीन कैलास-मानसरोवर यात्रा मार्ग चलने लायक नहीं है। दशकों से शासन-प्रशासन द्वारा सुध नहीं लिए जाने से यह मार्ग अधिकांश स्थानों पर ध्वस्त हो गया है। कहीं पगडंडी शेष है तो कहीं मार्ग पर कंटीली झाडियां उग आई हैं। पिथौरागढ, अल्मोडा और नैनीताल जनपदों की सीमाओं में पडने वाले इस मार्ग का सुधार होने की उम्मीद अब संस्कृति मंत्रालय से ही है। इस मार्ग से तीनों जनपदों के सीमांत ग्रामीणों के अलावा आपात स्थिति में सरकार को भी बेहद लाभ मिलेगा।

कर्म और तप

तप शब्द का यदि शाब्दिक अर्थ देखें तो पाएंगे कि कठोर परिश्रम से सत्कर्म के मार्ग में चलने को ही शास्त्रों में तप कहा गया है। गोस्वामी जी ने रामचरितमानस में तप को परिभाषित करते हुए लिखा है-तब बल रचहिप्रपंचुविधाता, तप बल करहिंविष्णु जग गाता अर्थात कठोर परिश्रम के बल से ही भगवान इस संसार का संचालन कर पाते हैं। जब भगवान को भी कठोर परिश्रम की आवश्यकता होती है तो हम साधारण मनुष्य क्यों तप नहीं करते। कुछ लोग तप को वन में जाकर समाधि लगाने को मान लेते हैं। यहां कर्म को तप की संज्ञा में लाने के लिए कर्म के प्रकारों को समझना होगा। गीता में कर्म के तीन प्रकार बताए गए हैं। यह कर्म, अकर्म और विकर्म हैं। कर्म उचित ध्येय के लिए किए जाने वाला जिसमें किसी कीकोईगलत भावना न हो या जो किसी के अधिकारों का हनन न करता हो। ऐसे कार्य को गीता कर्म की श्रेणी में मानती है। अकर्म कर्महीनताया निष्क्रियता को कहा जाता, जिसको पाप की श्रेणी में रखा जाता है। इसी प्रकार यदि हम विकर्म को देखें तो पाएंगे कि जो कार्य धर्म पर मानवता के विपरीत है, उसको विकर्म कहा जाता है तथा विकर्म भी घोर पाप की श्रेणी में आता है। इसलिए हमें अकर्म तथा विकर्म से बचते हुए कर्म करना चाहिए जो वास्तव में तप है।

उपेक्षा का शिकार हो रहा है सादुलपुर का गणगौर चौक

जलतेदीप निसं, सादुलपुर

राजगढ़ का गणगौर चौक उपेक्षा का शिकार हो रहा है। वहां टूटे फूटे अवशेष पड़े नगरपालिका मंडल की बदहाली पर आंसू बहा रहे है। गणगौर मेला स्थल पर लोक देवी-देवताओं के मंदिर भी गंदगी तथा गंदे पानी के कारण नगरपालिका के सौन्दर्य करण की तस्वीर पेश कर रहे है। प्राचीनकाल का गणगौर मेला आयोजन समिति की ओर से प्रतिवर्ष मेले का आयोजन किया जा रहा है।

राजगढ़ शहर व ग्रामीण क्षेत्र की नव विवाहिताऐं के सुहाग का प्रतीक गणगौर माता की सोलह दिन पूजा सुबह दोपहर शाम को करती है जबकि दिन में गणगौर माता को दोपहर में भोजन व पानी भी पिलाती है यानि गणगौर माता को पार्वती का रूप माना जाता है। सोलह दिन बाद गणगौर के समापन पर मेला स्थल पर बने प्राचीन कुआ में गणगौर माता विसर्जन किया जाता है। गणगौर मेला स्थल की दीवार एवं मंदिर जीर्णशीर्ण तथा गंदगी व गंदे पानी कूड़ा करकट का साम्राज्य बना हुआ है। जिसके कारण आम जनता में रोष व्याप्त है। गणगौर मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष जगदीश लुहारीवाला ने बताया कि मेला स्थल पर हनुमान मंदिर, मां अंजनी मंदिर जीर्ण शीर्ण क्षतिग्रस्त होकर अपना अस्तित्व खो चुका है तथा मेला स्थल की दीवारे भी टूट फूट चुकी है। इस सम्बंध में बार बार ज्ञापन भी दिये जा चुके है। उल्लेखनीय है कि राजगढ़ नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष एवं जाने माने वकील स्मृतिशेष जुगलसिंह ने अपने कार्यकाल 27 अप्रैल 1994 से 1998 तक पालिका चैयरमेन रहे। सोनगरा ने गणगौर मेला स्थल को सार्वजनिक चौक घोषित किया था।

गणगौर चौक मेला आयोजन समिति अध्यक्ष जगदीश लुहारीवाला के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बार बार ज्ञापन देकर गणगौर मेला स्थल की दुर्दशा की तरफ ध्यान आकृष्ट किया है।

इनका कहना है...

07 जनवरी को राजगढ़ नव निर्वाचित नगरपालिका मंडल की प्रथम बैठक होगी, उसमें देखते है कि नगरपालिका गणगौर चौक का क्या निर्णय लेती है। गणगौर पर्व आने वाला है नगरपालिका प्रशासन की ओर से न्याय संगत कार्यवाई नहीं हुई तो आंदोलनात्मक कदम उटाने को मजबूर होना पड़ेगा।

जगदीश लुहारीवाला,
अध्यक्ष गणगौर मेला आयोजन समिति,

रोडवेज बस और ट्रक की टक्कर में 12 लोग घायल

जलतेदीप निसं, बूंदी

नैनवा में रविवार सुबह एक बस और ट्रक की भीषण टक्कर में 12 लोग घायल हो गए। जिन्हे प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं बस चालक को बूंदी रैफर किया गया है। हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। कोहरा होने के कारण यहां विजिबिलिटी सुबह से ही काफी कम थी। जिसके चलते ये हादसा हुआ।

जानकारी अनुसार, हादसा जिले के ही स्टेट हाइवे 34 नैनवां -बूंदी मार्ग पर फुलेता नदी के पास हुआ। जहां रोडवेज बस बूंदी से नैनवा जा रही थी। वहीं ट्रक नैनवा से आ रहा था। इस दौरान दोनों में भिड़त हो गई। जिसके कारण बस चालक समेत करीब 12 यात्री घायल हो गए।

अग्रवाल समाज का हुआ विवाह पंजीयन शिविर

जलतेदीप निसं, अलवर

श्री अग्रवाल महासभा, अलवर के तत्वधान में अग्रवाल विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं बेरोजगार अग्रवाल युवक-युवतियों का बायोडाटा सकंलन एवं अग्रवाल महासभा अलवर की सदस्यता हेतु पंजीयन शिविर का आयोजन रविवार को जागृति मूक बधिर स्कूल, विजय नगर के प्रांगण में किया गया।

महासभा अध्यक्ष अमित गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत चतुर्थ पंजीयन शिविर में 42 अग्रवाल विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन हेतु प्राप्त हुऐ। साथ ही अग्रवाल महासभा की सदस्यता हेतु अग्रवाल समाज के 40 लोगों ने पंजीयन शिविर में सदस्यता प्राप्त की। पंजीयन शिविर में उत्तरी इकाई अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल (मांचावाले) ने बताया कि शिविर में विष्णु दत्त गोयल, मनोज अग्रवाल, बुद्धालाल सिंहल प्रमोद गुप्ता, देवेन्द्र गर्ग, रेवडमल गुप्ता प्रहलाद अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, अशोक मिश्रल उपस्थित थे।

विद्यालय प्रधानाचार्य सविता अग्रवाल व महिला मण्डल संचालिका विनिता गर्ग आदि ने पंजीयन शिविर में लोगों से प्राप्त बायोडाटा के फार्म भरे। अग्रवाल महासभा अलवर द्वारा चारों इकाईयों में पंजीयन शिविर लगाये गये जिसमें बड़ी संख्या में विवाह योग्य अग्रवाल युवक-युवतियों का पंजीयन कराया और अग्रवाल समाज की सदस्या ग्रहण की। महासभा मंत्री प्रमोद गुप्ता ने बताया की पंजीयन निरन्तर जारी रहेगा जो अग्रबन्धु विवाह योग्य युवक युवतियों का पंजीयन कराना चाहे वो कार्यालय अग्रवाल महासभा कार्यालय से फार्म प्राप्त कर सकते है। साथ ही अलवर शहर व जिला से पधारे अग्रबन्धु अग्रवाल महासभा की वेबसाइट पर उपलब्ध युवक-युवतियों के बायोडाटा को भी देखकर रिश्तों के सम्बन्ध में जानकारी ले सकते है। बड़ी संख्या में पधारे अग्रबन्धुओं ने समाज के द्वारा की गई इस पहल का स्वागत किया।

गर्भवती महिलाओं सहित 272 को लगेंगे टीकें

जलतेदीप निसं, झुंझुनू

सोमवार से जिले में सघन मिशन इन्द्रधनुष द्वितीय चरण आयोजित होगा जिसमें टीकाकरण से वंचित गर्भवती महिलाओं और बच्चों सहित 272 को टीके लगाये जायेगें। सघन मिशन इन्द्रधनुष के नोडल अधिकारी व आरसीएचओं डॉ. दयानन्द सिंह ने बताया कि अभियान के लिए जिले में 60 बूथ लगाए जाएंगे है।उन्होंने बताया कि इस बार कच्ची बस्तियों के साथ नरेगा कार्यस्थल पर भी बूथ लगाए जाएंगे।इस बार अभियान की थीम ''5 साल 7 बार छूटे ना टीका एक भी बार'' रखी गई है।डॉ सिंह ने बताया कि वंचित को टीकाकरण करवाना चाहिए।

नीलम बनी जाट महासभा चूरू की जिला अध्यक्ष

जलतेदीप निसं, सादुलपुर

राजगढ़ शहर की प्रमुख महिला सामाजिक कार्यकर्ता नीलम पूनियां को आदर्श जाट महासभा राजस्थान चूरू की जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आपको बता दें कि आदर्श जाट महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष भैरव राम डागर की अध्यक्षता में जयपुर में हुए समारोह में आदेश जारी कर नीलम पूनियां को चूरू जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। नीलम पूनियां को जाट महासभा चूरू की जिला अध्यक्ष नियुक्त करने पर राजगढ़ शहर के अनेक लोगों ने उन्हे शुभकामनाऐं व बधाईयां दी है।

डीलर एसोसिएसन के अध्यक्ष बने जुगल कम्मा, ब्लड बैंक में 20 जनों ने किया रक्तदान

जलतेदीप निसं, चूरू

सनसिटी होटल में चूरू टेन्ट डीलर एसोसिएशन की पुनःगठन की बैठक में नवगठित कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जुगल कम्मा को अध्यक्ष, मनोज अग्रवाल को उपाध्यक्ष, राधेश्याम को कोषाध्यक्ष, रतनलाल सैनी को सचिव, सिकन्दर खान को महासचिव, यशपाल रणवां, अलादीन खां, मुस्ताक अहमद, प्रदीप शर्मा, मनफूल भाटीवाल, बाबु पाटिल व पवन सैनी आदि को संरक्षण पद पर मनोनित किया गया। इस अवसर पर चूरू टेन्ट डीलर एसोसिएशन राजकीय अस्पताल के ब्लड बैंक में 20 टेंट व्यवसायियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

अवैध हथियार और जिंदा कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

जलतेदीप निसं, सुनेल

पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक के कब्जे से अवैध हथियार एक देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किया है सुनेल थाना अधिकारी धर्माराम चौधरी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक राममूर्ति जोशी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश यादव के निर्देशन में पंचायती राज चुनाव के मध्य नजर अवैध हथियारों की धरपकड़ की जा रही है इस दौरान सुनेल क्षेत्र में देर रात को गश्त कर रही पुलिस टीम के हाथ बड़ी सफलता हाथ लगी है पुलिस ने देर रात को गश्त के दौरान हेम्रा निवासी अखिलेश पुत्र मदनलाल जाति धाकड़ निवासी को अवैध हथियार व जिंदा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार है पुलिस ने आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थाना अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार युवक के खिलाफ पूर्व में भी चोरी के कई प्रकरण में व अन्य गंभीर अपराध दर्ज हैं पुलिस उन मामलों में भी जांच कर रही है पुलिस की टीम में निरंजन कुमार हेड कांस्टेबल जगदीश पंकज कांस्टेबल मुकेश कांस्टेबल प्रेमाराम कांस्टेबल सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद रहे

2.4 डिग्री के साथ माउंटआबू सबसे ठंडा, जोबनेर में 5 तो फतेहपुर में 4.5 डिग्री रहा न्यूनतम तापमान

जलतेदीप निसं, जयपुर

राज्य में बीती रात एक दो स्थानों को छोड़कर तापमान में दो डिग्री तक की गिरावट रही। कुछ एक स्थानों पर तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई। फतेहपुर में बीती रात तापमान करीब एक डिग्री बढ़कर 4.5 डिग्री पर आ गया। तो जयपुर के जोबनेर में पारा एक डिग्री की गिरावट के साथ पांच डिग्री रहा।

हाड़ौती में कई स्थानों पर रविवार को लगातार चौथे दिन कोहरा छाया रहा। कोटा में सुबह 11 बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। बारां में भी सुबह घना कोहरा छाया रहा।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी पाकिस्तान और जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ है।

साथ ही अगले 48 घंटों में नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र तथा उत्तर-पश्चिमी भारत को प्रभावित कर सकता है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राज्य में मौसम शुष्क रहेगा लेकिन सोमवार व मंगलवार को अजमेर, अलवर, सीकर, झुंझुनूं, कोटा, टोंक, भरतपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर व करौली जिलों में बादल गरजने के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। अलवर में बीती रात तापमान 7.7 डिग्री से 5.4 डिग्री पर आ गया। कोटा में भी तापमान में दो डिग्री की गिरावट आई। यहां बीती रात तापमान 7.5 डिग्री रहा। माउंटआबू में पारा 2.5 से 2.4 डिग्री पर आ गया। गंगानगर में तापमान 4.9 से बढ़कर 6.0 डिग्री हो गया।

भक्तजनों ने लिया पौषबड़ों का आनंद

जलतेदीप निसं, चूरू

श्री चमत्कार बालाजी प्रभात फेरी व धोली शक्ति प्रभात फेरी मण्डली द्वारा श्री कृष्ण मन्दिर झारिया मोरी में हनुमान चालीसा व किर्तन का सुन्दर रसमय आयोजन किया गया। मन्दिर के पुजारी प्रभुदयाल ले पौष बड़ा का प्रसाद सभी भक्त जनो को वितरित किया। कार्यक्रम के मुख्य कार्यकर्ता सुरेश, बंटी बजाज, सूरजमल, विद्याधर, श्रीराम, लीलाधर, कन्हैयालाल आदि रहे। महिलाओं ने सुबह 05 बजे से मन्दिर में भजन कीर्तन करना शुरू कर दिया जिसमें द्रोपती देवी, आमा देवी यशोदा देवी, गीता देवी, अनार देवी, त्रिवेणी देवी, सन्तोष देवी, सम्पति देवी, सरिता देवी आदि अन्य महिलाओं ने भजन प्रस्तुति दी और फिर भगवान को पौष बड़ा का प्रसाद लगाकर सभी भक्तो में वितरण किया।

चूरू के पूर्व सांसद मोहर सिह राठौड़ की जयंती समारोह पूर्वक मनाई

जलतेदीप निसं, चूरू

श्रीबणीर राजपुत छात्रावास में सांसद स्व श्री मोहर सिह राठौड़ की 94 वीं जयन्ती श्रीबणीर स्मारक समिति व श्रीराजपुत करणी सेना एवं मोहर सिंह स्मृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में समारोह पूर्वक मनाई । सर्व समाज के लोगों ने स्व. सांसद मोहर सिंह के कार्यों को याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर श्रीबणीर स्मारक समिति के अध्यक्ष पदम सिंह रोड़,पूर्व कोषाधिकारी, बिरजू सिंह सहनाली, सज्जन सिंह मठौडी, शिक्षाविद भंवरसिंह सामौर, पूर्व तहसीलदार सुरेंद्र सिंह, जगमालसिंह टकणेत, रतनसिंह ख्याली, शिक्षाविद राजवीर सिंह जसरासर, पूर्व सरपंच इंद्रसिंह, मोहन सिंह देपालसर, छगन सिंह करणपुरा, पूर्व गिरदावर सुरेंद्र सिंह, विमल सिंह लाखाऊ, एडवोकेट आदित्यसिंह, करणी सेना अध्यक्ष प्रदीप सिंह, सम्पत सिंह, पूर्णसिंह चलकोई, सुरेन्द्र मेड़तिया, आलोक सिंह टकणेत, लक्ष्मण सिंह , राजेश, मंडावेवाला, संजय सेन, शिवराज सिंह, नांगेद सिंह, सुदीप राठौड़, रणजीत सिंह, राम सिंह बीका व सुनील नाई आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

धोलपुरिया ने सम्भागियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता के बारे में दी जानकारी

जलतेदीप निसं, चूरू

राजकीय पीके बागला बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में निष्ठा के चतुर्थ चरण के तीसरे दिन समसा कार्यक्रम अधिकारी आरिफखान ने प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण सम्बन्धित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीबीईओ सुरेश कुमार धोलपुरिया ने सम्भागियों को प्रशिक्षण की आवश्यकता के बारे में बताया। एसीबीईओ हरिप्रसाद शर्मा ने सम्भागियों को नवाचारों से अवगत करवाया।

शिविर सह-प्रभारी आरपी हवासिंह सहारण ने टीएलएम सामग्री का अधिकाधिक उपयोग करने पर बल दिया। इस अवसर पर आरपी असलम खान, मोहनलाल, रामचन्द्र, राजेन्द्र कुमार एवं अजयपाल सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

बड़ौदा बैंक योजनाओं पर ग्रामीण क्षेत्र में कर रहा है अच्छा काम: संदेश नायक

जलतेदीप निसं, चूरू

आदर्श विद्या मंदिर में बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण क्षेत्रीय बैंक के 8 वें स्थापना दिवस पर आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों ने शानदार प्रस्तुति देकर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलक्टर संदेश नायक, क्षेत्रीय प्रबंधक जीएल मीणा व मुख्य प्रबंधक जेके चौधरी आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुवे जिला कलक्टर सन्देश नायक ने कहा कि बैंक सरकारी योजनाओं पर ग्रामीण क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है।

ग्रामीणों को भी इस बैंक की साख को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा लाभ उठायें। क्षेत्रिय प्रबन्धक जीएल मीणा ने कहा कि भी बैंक से होने वाले लाभ की जानकारी दी। इस अवसर पर जिले की बैंक की शाखाओं से अलग अलग क्षेत्रों की योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 37 शाखाओं के बैंक प्रबंधक व कर्मचारियों को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों एवं स्थानीय लोक कलाकारों ने देश भक्ति, राजस्थानी, पंजाबी लोक गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को अचंभित कर दिया इस अवसर पर बैंक के कर्मचारी व अधिकारी संघ नेता श्रीराम कुमार कस्वां, वरिष्ठ प्रबन्धक हरिकृष्ण गौतम, प्रबंधक अजित सिंह बणीरोत व सेवानिवृत्त मैनपाल सिंह शेखावत आदि ने आयोजकीय भूमिका निभाई। संचालन चूरू के मुख्य प्रबंधक ओमप्रकाश गोस्वामी व प्रबन्धक सुधाकर सहल ने किया।

खिलाड़ी जाखड़ का जोरदार स्वागत

जलतेदीप निसं, सादुलपुर

46वीं राज्य स्तरीय कब्बड़ी प्रतियोगिता में विजेता रही चूरू टीम में सम्राट स्पोर्ट्स कब्बड़ी क्लब के खिलाड़ी राकेश जाखड़ ने भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन कर सिद्धमुख पहुंचने पर ग्रामवासियों ने स्वागत किया। इस मौके लोगों ने खिलाड़ी को रूपयों की माला पहनाई गई तथा डीजे बजाकर खुशियां मनाई। क्लब के सचिव बजरंग इन्दौरिया ने बताया कि ओपन स्टेट चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त खिलाड़ियों को राजस्थान सरकार पुरस्कार राशी देती है। इस अवसर पर रामकुमार सिहाग, सुनील इन्दौरिया, हरिसिंह रणवां, ओम किरोड़ीवाल, आशाराम शर्मा, राकेश ज्याणी, भावेश शर्मा, राकेश ढिगारला, सुरजीत आदि उपस्थित थे।

लक्ष्मी तिवारी ने कांस्य पदक जीतकर भरतपुर का नाम किया रोशन

जलतेदीप निसं, भरतपुर

राजस्थान में पहली बार राज्य सरकार द्वारा राज्य के प्रतिभावान खिलाडियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताऐं राज्य खेलों के अंतर्गत एसएमएस स्टेडियम में आयोजित की जा रही है, जिसमें भारोत्तोलन प्रतियोगिता के 45 किलोग्राम वजन वर्ग में एसबीके बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल भरतपुर की छात्रा लक्ष्मी तिवारी ने कांस्य पदक जीतकर भरतपुर का नाम रोशन किया है।

भारोत्तोलन प्रतियोगिता में लक्ष्मी तिवारी ने 45 किलोग्राम वजन वर्ग में कुल 65 किलो वजन उठाकर कांस्य पदक पर कब्जा किया। लक्ष्मी तिवारी भरतपुर के जिला वेटलिफ्टिंग सचिव एवं कोच मनीषभान सिंह के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

राशन डीलर की मनमानी, नहीं खोल रहे दुकान, उपभोक्ता हो रहे परेशान

जलतेदीप निसं, सुनेल

सुनेल नगर में राशन डीलरों की मनमानी देखने को मिल रही है जहां प्रशासन के नियमों की नहीं होती है पालना डीलरों का अपना ही कानून बरकरार है और उपभोक्ताओं को दे दी जाती है तारीखें सुनेल नगर के राशन डीलर अपनी मर्जी से खोलते है।

डीलर सुनेल नगर के वार्ड नंबर 7 व 8 की उचित मूल्य की दुकान पर जनवरी माह के 5 दिन बीतने पर भी ताला जड़ा हुआ है ।लोग दुकान के चक्कर लगाकर खाली हाथ अपने घर लौट जाते हैं। जिसकी जिमेदार प्रशासन नहीं ले रहा है सुधाराशन डीलर की अनेकों बार शिकायतें हो चुकी है फिर भी डीलर पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई जिससे जिमेदार प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।इस बारे में दूरभाष में इस्पेक्टर विनोद ने बताया कि सभी राशन डीलरों को बता दिया था की 1 जनवरी से दुकान प्रतिदिन खोलनी है और सुबह 9:00 से 5:00 तक खोलनी है यदि कोई नियम का पालन नहीं कर रहा है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

निक्की सिलायच का जेआरएफ में हुआ चयन

जलतेदीप निसं, झुंझुनू

मुकुंदगढ़ के ग्राम जीसुख का बास की बेटी निक्की सिलायच का जेआरएफ में चयन हुआ है। गत दिसम्बर माह में आयोजित जेआरएफ की परीक्षा में निक्की ने सफलता हासिल की है। उल्लेखनीय है कि निक्की सिलायच मुकुंदगढ़ नायब तहसीलदार महावीर सिंह की बेटी है। बेटी के चयन के पश्चात गांव में महावीर सिंह ने मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे है, इस दौरान उन्होंने बेटियों को पढ़ाने की उसकी इच्छानुसार परीक्षा की तैयारी करवाने की बात कही।जेआरएफ में चयनित निक्की ने इसका श्रेय हनुमानपुरा पूर्व सरपंच अपने नानाजी हरफूल सिंह दूलड़ एवं अपने पिता एवं परिवारजन तथा अपने अध्यापकों को दिया है।

गुरूद्वारा गुरू सिंह सभा फतेहगढ़ साहिब मे गुरु गोविन्द सिंह जी का गुरुपूर्व बड़ी धूमधाम से मनाया

जलतेदीप निसं, अलवर

किशनगढ़बास कस्बे के खैरथल रोड़ पर स्थित गुरुद्वारा गुरू सिंह सभा फतेहगढ़ साहिब मे गुरू गोविन्द सिंह जी का गुरुपूर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया । गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान सरदार नानकसिंह ने बताया कि प्रातः 10 बजे श्री अखण्ड पाठ साहिब का भोग उपरांत कीर्तन दरबार सजाया गया। जिसमें देशभर से आये कीर्तनी बीबी सिमरन कौर रामगढ़, मनिंदर सिंह, भूरा सिंह, हरनेकसिंह (दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी) ज्ञान सिंह, डॉ बी.एस. खालसा ने कीर्तन कथा कर संगत को निहाल किया । कार्यक्रम में भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक डॉ. अमनदीप सिंह कपूर, पूर्व प्रधान पद्मश्री सूर्यदेव सिंह बारेठ, एस. पी.सिंह लबाना का गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी द्वारा सरोपा पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस मौके पर एसपी कपूर ने वहां पर मौजूद संगत को गुरुपर्व की बधाई दी। साथ ही पूर्व प्रधान बारेठ ने कहा कि सिक्ख समाज के गुरुओं के बलिदान से ही आज हम सब खुले मे सांस ले रहे है। गुरू गोविन्द सिंह ने अपने बच्चों की मुगलों के सामने कुर्बानियां देकर समाज को नई दिशा दी थी। गुरु तेग बहादुर ने गर्म तवे पर बैठकर गुरु का नाम नहीं छोड़ा। इसके पश्चात गुरु का लंगर अटूट चलाया गया। समारोह में किशनगढ़बास थाना अधिकारी अजीत सिंह बड़सरा, सरदार मोहनसिंह, वैध इन्द्रसिंह, करतार सिंह, गोल्डी गरेवाल, मनमीत सिंह, रहमत शाह अल्वी, रामसिंह, जयसिंह सहित सैकड़ों की तादाद में साधसंगत मौजूद रही।

मानवतावादी विश्व समाज कार्यशाला का आयोजित

जलतेदीप निसं, अलवर

क्षेत्र के ग्राम चिकानी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में रविवार को मानवतावादी सोच को लेकर सीआईडी (सीबी) राजस्थान के डीआईजी आईपीएस किशन सहाय के द्वारा शिक्षकों को संदेश दिया गया। आईपीएस किशन सहाय ने शिक्षकों से अंधविश्वास मुक्त, वैज्ञानिक दृष्टिकोण युक्त, परंपरागत धर्मविहीन, जातिविहीन, नस्लभेद मुक्त, साहसी, शिक्षित और उच्च नैतिक मूल्यों वाले मानवतावादी विश्व समाज का निर्माण करने का आह्वान किया।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, चिकानी(अलवर)में,मानवतावादी विश्व समाजविचारधारा से अवगत कराते हुए डीआईजी सीआईडी (सीबी)किशन सहाय आईपीएस ने कहा कि अंधविश्वास मुक्त, वैज्ञानिक दृष्टिकोण युक्त, परम्परागत धर्मविहीन, जातिविहीन, नस्लभेद मुक्त, साहसी, स्वस्थ, शिक्षित और उच्च नैतिक मूल्यों वाले मानवतावादी विश्व समाज का निर्माण करना,अपना प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए।इस विचारधारा से भारत सहित विश्व मानवता का भला है। यह एक युग परिवर्तनकारी विचारधारा है। यह विचारधारा अच्छे व न्यायिक प्रवृत्ति के लोगों को एकजुट करने व बढ़ावा देने के लिए आई है।

ईश्वर, अल्लाह, गॉड, देवी-देवता, फरिश्ते, आत्मा, स्वर्ग-नर्क, आध्यात्मिकता, भूत-प्रेत, जिन्न, डाकण, कच्चे कलवे, मूठ देना, शुभ-अशुभ, पवित्र-अपवित्र आदि सभी काल्पनिक बातों को उन्होंने अंधविश्वास बताया।उन्होंने बताया कि ईश्वरवादी दृष्टिकोण,वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विपरीत है।इसलिए ईश्वर की मान्यता वैज्ञानिक विकसित होने में बाधक है तथा बिना वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किए बिना कोई भी देश/समाज विज्ञान-तकनीकी में आगे नहीं बढ़ सकता।

उन्होंने बताया कि इजराइल, चीन, इंग्लैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, नॉर्वे सहित जो देश विज्ञान तकनीकी पर जोर दे रहे हैं वो विकास की दौड़ में आगे है और भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंडोनेशिया आदि जो देश धार्मिक अंधविश्वासों में उलझे हुए हैं वो पिछड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि धार्मिक अंधविश्वासों पर होने वाले खर्चों को गरीब प्रतिभावान छात्र-छात्राओं व बीमारों की मदद, खेलकूद आदि पर खर्च करने के लिए कहा।उन्होंने जातिगत व्यवस्था,धर्मगत व्यवस्था व नस्लभेद को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

गजराज भारती ने प्रैक्टिकल करके जादू-टोने और अंधविश्वास का खंडन किया। गौरी शंकर शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने मानवता पर लगे हुए छुआछूत के कलंक व अंधविश्वासों को खत्म करने हुए तथा उच्च नैतिकता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए,मानवतावादी विश्व समाज की विचारधारा को आगे से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया इस अवसर पर चिकानी शिविर में सी.बी.इ.ओ.ओम शंकर, ए.सी.बी.ओ. चंद्र भान, विजय कुमार डोरिया, संजय कौशिक, विक्रम सिंह, गौतम उपस्थित रहे।

गौतम जयन्ति पर ब्रहम घाट पर महर्षी गौतम की प्रतिमा की स्थापना होगी

जलतेदीप निसं, झालावाड़

रविवार को ब्रह्म घाट पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें गौतम जयन्ति हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगी बैठक में समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र जोशी ने बताया कि आगामी 25 मार्च को गौतम जयन्ति पर तीन दिवसीय यज्ञ का आयोजन एवं महर्षी गौतम की प्रतिमा की स्थापना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर समाज के उपस्थित डॉ हैमन्त शर्मा ने अपने पिता स्वं मूलचन्द शर्मा कम्पाउन्डर की स्मृति में एक कमरा बनाने की घोषणा की एंव असनावर निवासी रमेश चन्द्र पाटीदार द्वारा अपने पिता स्वं कल्याण प्रसाद पाटीदार की स्मृति में एक कमरा ब्रहम घाट पर बनवाने की घोषणा की बैठक में गौतम जयन्ति पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन हेतु समिति बनाकर जिम्मेदारी सोपी जायेगी।

इस अवसर पर बैठक में विरधी चन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष ललित शर्मा, रतन लाल गौतम, नरेशचन्द्र जोशी, ब्रह्मप्रकाश जोशी, बृजराज शरण गौतम, सुरेश चन्द्र शर्मा, देवकी नन्दन गौतम, बालगोविन्द शर्मा, प्रेम तिवारी, सोरभ शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, शिव प्रकाश जोशी, महावीर गौतम, अनिल शर्मा, पुजारी ओमप्रकाश शर्मा, राजेन्द्र शर्मा अशोक शर्मा, गजेन्द्र कुमार शर्मा, महिला मण्डल अध्यक्ष दुर्गेश नन्दनी , दीपिका शर्मा, मंजू शर्मा, लता तिवारी , सुशीला शर्मा, मीना गौतम, आशा जोशी, निशा शर्मा, अनिता शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये।

सार-समाचार

प्याज के बाद अब हफ्तेभर में बदला खाद्य तेल का खेल, बढ़े दाम

एजेंसी, मुंबई

देश में प्याज की कीमतें पहले ही आसमान छू रही हैं और अब खाद्य तेलों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से दोहरी मार पड़ी है। इस बीच केंद्र सरकार की ओर से कीमतें कम करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। जानकारी के अनुसार, देश में इस्तेमाल होने वाले सभी तरह के खाद्य तेलों में पाम ऑयल का सबसे ज्यादा (करीब 50 प्रतिशत) उपयोग होता है। भारत में इसका उत्पादन करीब 2 प्रतिशत ही है।

देश का 98 प्रतिशत तेल मलयेशिया और इंडोनेशिया से आता है। वहीं, सरसों के तेल की खपत 20 प्रतिशत है, जिसका 100 प्रतिशत उत्पादन भारत में ही होता है। 15 प्रतिशत रिफाइंड सनफ्लॉवर तेल उपयोग होता है, जिसका देश में उत्पादन 20 प्रतिशत है और 80 प्रतिशत यूक्रेन और रूस से आता है। 10 प्रतिशत इस्तेमाल सोयाबीन का होता है। इसमें 65 प्रतिशत सोयाबीन तेल ब्राजील और अर्जेंटीना से आयात होता है। खाद्य तेलों की कीमतें महज एक सप्ताह के भीतर ही इतनी ज्यादा बढ़ी हैं। पाम ऑयल की फुटकर कीमत 30 रुपये बढ़ी है, जबकि सरसों के तेल में भी इतनी ही बढ़ोतरी हुई है। रिफाइंड सनफ्लॉवर तेल की कीमतें 40 रुपये प्रति लीटर बढ़ी हैं। व्यापारी अब ग्राहकों को जवाब देते-देते परेशान हो गए हैं। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने कहा कि कच्चे खाद्य तेल पर आयात शुल्क 15 से 20 प्रतिशत कम कर सरकार राहत दे सकती है।

6-7 महीनों में मेट्रो शहरों से जोड़ने वाली प्राइवेट ट्रेनें होंगी पटरी पर!

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार बड़े पैमाने पर निजी ट्रेनें चलाने पर विचार कर रही है। नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत का कहना है कि 6 से 7 महीनों में मेट्रो शहरों से जोड़ने वाली प्राइवेट ट्रेनें पटरी पर दौड़ेंगी। उन्होंने इसमें 100 फीसदी एफडीआई लाने की भी बात कही।

उन्होंने कहा कि एफडीआई मामले में निवेशकों को पूरी आजादी दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बेहतर निजी निवेशक लाना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए मुकाबले का माहौल पैदा करना जरूरी है। बेहतर प्रतिस्पर्धा के लिए एक रूट में एक से अधिक प्लेयर्स की जरूरत है। प्रतिस्पर्धा के नजरिए से यह क्रांतिकारी कदम होगा।

सरकार निवेशकों को ऑपरेशन में पूरी आजादी देगी। बेहतर से बेहतर सेवाएं देने की जिम्मेदारी निवेशक की होगी। वहीं, ट्रैक और सिग्नल के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए रेलवे जिम्मेदार होगी।

नाम जाहिर न करने की शर्त पर कुछ दिनों पहले एक अधिकारी ने बताया था कि बोली लगाने के लिए कई लंबी दूरी के मार्गों का चयन किया गया है, जिसमें मुंबई-कोलकाता, मुंबई-चेन्नै, मुंबई-गुवाहाटी, नई दिल्ली-मुंबई, तिरुवनंतपुरम-गुवाहाटी, नई दिल्ली-कोलकाता, नई दिल्ली-बेंगलुरु, नई दिल्ली-चेन्नै, कोलकाता-चेन्नै तथा चेन्नै-जोधपुर शामिल हैं।

साइरस मिस्त्री का बड़ा बयान

दोबारा नहीं बनूंगा टाटा संस का चेयरमैन

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री ने रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा अपने पक्ष में फैसला आने के बावजूद वह कंपनी के चेयरमैन पद पर दोबारा काबिज नहीं होंगे। एनसीएलएटी ने बीते साल दिसंबर में अपने फैसले में टाटा संस के चेयरमैन पद से मिस्त्री की बर्खास्तगी को अवैध करार देते हुए उन्हें दोबारा इस पद पर काबिज करने का आदेश दिया था। मिस्त्री का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब टाटा संस ने सुप्रीम कोर्ट में एनसीएलएटी के फैसले को चुनौती दी है।

पिछले महीने एनसीएलएटी ने मिस्त्री को टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर बहाल करने का आदेश दिया था और साथ ही कहा था कि इस पद पर एन. चंद्रशेखरन की नियुक्ति अवैध है। इस फैसले के खिलाफ टाटा संस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। टाटा संस के अलावा रतन टाटा ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर एनसीएलएटी के आदेश को रद्द करने की अपील की थी और अब टीसीएस ने इसके खिलाफ अपील की है।

साइरस मिस्त्री ने कहा कि मैं एलसीएलएटी के फैसले का सम्मान करता हूं, जिसने मामले की व्यापक तौर पर जांच-पड़ताल के बाद मेरी कंपनी से बर्खास्तगी को अवैध और रतन टाटा तथा अन्य ट्रस्टियों को दमनकारी तथा पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का दोषी पाया। उन्होंने कहा कि मेरा इरादा यह स्पष्ट करने का है कि अपने पक्ष में एनसीएलएटी के आदेश के बावजूद मैं टाटा संस के एग्जिक्यूटिव चेयरमैन या टीसीएस, टाटा टेलीसर्विसेज या टाटा इंडस्ट्रीज के निदेशक के पद पर दोबारा आसीन नहीं होऊंगा।

मिस्त्री ने कहा कि हालांकि माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स के रूप में अपने अधिकारों की रक्षा तथा टाटा संस के बोर्ड में एक सीट पाने और टाटा संस में गवर्नेंस तथा पारदर्शिता के उच्च मानकों को बहाल करने के लिए मैं हर तरह के विकल्प पर विचार करूंगा।

आठ राज्यों ने कृषि निर्यात नीति के लिए कार्रवाई योजना तैयार की

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब और कर्नाटक सहित आठ राज्यों ने कृषि निर्यात नीति के लिए कार्रवाई योजना तैयार की है। इस नीति का मकसद कृषि निर्यात को दोगुना करना है। केंद्र सरकार ने रविवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि कृषि निर्यात नीति की घोषणा पिछले साल की गई थी। इसका मकसद निर्यात को दोगुना करना और किसानों की आय को दोगुना करना है। कई राज्यों ने इसके लिए नोडल एजेंसी और नोडल अधिकारी नामित कर दिए हैं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, केरल, नगालैंड, तमिलनाडु, असम, पंजाब और कर्नाटक ने राज्य कार्रवाई योजना को अंतिम रूप दे दिया है। कई अन्य राज्य कार्रवाई योजना को अंतिम रूप देने के विभिन्न चरणों में हैं। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) कृषि निर्यात नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकारों की अधिक भागीदार सुनिश्चित करने को एक केंद्रित रुख अपना रहा है। एपीडा ने पूरे साल के दौरान राज्य सरकारों के अधिकारियों तथा अन्य अंशधारकों के साथ राज्य कार्रवाई योजना तैयार करने को कई बैठकें कीं। इनमें सभी प्रमुख मुद्दों मसलन उत्पादन क्लस्टर, क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक, शोध एवं विकास और बजट की जरूरत आदि पर चर्चा हुई। कृषि एवं कृषक कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय तथा अन्य एजेंसियों के साथ कई दौर की बातचीत हुई। कई राज्यों ने राज्य स्तर की निगरानी समितियों का गठन कर लिया है।

बजट में सरकारी बैंकों में और पूंजी डालने की घोषणा नहीं करेगी सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार आगामी आम बजट में संभवतः सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में और पूंजी डालने की घोषणा नहीं करेगी। सूत्रों का कहना है कि इसके बजाय सरकार बैंकों को डूबे कर्ज की वसूली तेज करने और बाजार से कोष जुटाने को प्रोत्साहित करेगी। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा 2020-21 में बैंक अपने गैर प्रमुख कारोबार की बिक्री कर भी धन जुटा सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मोदी2.0 सरकार का आम बजट एक फरवरी को पेश कर सकती हैं। सूत्रों ने कहा कि इस कैलेंडर साल में बैंकों के पास राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और गैर एनसीएलटी दोनों तरह से निपटान के जरिये डूबा कर्ज वसूल कर सकते हैं। इसेक अलावा उनके पास बाजार से भी पूंजी जुटाने की गुंजाइश रहेगी।

मकान के संयुक्त मालिक, एक लाख सालाना बिजली बिल भरने वाले नहीं भर सकेंगे 'सहज' फार्म में रिटर्न

एजेंसी, नई दिल्ली

आयकर रिटर्न फॉर्म के उपयोग में महत्वपूर्ण बदलाव किये गये हैं। घर का संयुक्त मालिकाना अधिकार रखने वाले, साल भर में एक लाख रुपये का बिजली बिल भरने और विदेश यात्राओं पर दो लाख रुपये से अधिक खर्च करने वाले व्यक्तिगत करदाता अब सामान्य आईटीआर-1 फॉर्म में आयकर रिटर्न नहीं भर सकेंगे। ऐसे करदाताओं को दूसरे फार्म में रिटर्न भरनी होगी जिन्हें आने वाले दिनों में अधिसूचित किया जायेगा। सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है।

सरकार आम तौर पर हर साल अप्रैल महीने में आयकर रिटर्न भरने के फॉर्म की अधिसूचना जारी करती है। लेकिन सरकार ने इस बार आकलन वर्ष 2020-21 के लिये तीन जनवरी को ही अधिसूचना जारी कर दी। मौजूदा व्यवस्था के अनुसार 50 लाख रुपये तक की सालाना कमाई करने वाले आम निवासी व्यक्ति आईटीआर-1 'सहज' फॉर्म भर सकते हैं। इसी प्रकार व्यवसाय और पेशे से होने वाली अनुमानित और 50 लाख रुपये तक की सालाना आय वाले हिन्दू अविभाजित परिवार, एलएलपी को छोड़कर अन्य कंपनियां, व्यक्तिगत करदाता आईटीआर-4 सुगम में रिटर्न भरते हैं।

लेकिन ताजा जारी अधिसूचना के मुताबिक इसमें दो महत्वपूर्ण बदलाव किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति के पास घर का संयुक्त मालिकाना अधिकार है तो वह आईटीआर-1 या आईटीआर-4 में अपनी रिटर्न नहीं भर सकता है। दूसरे, जिनके पास बैंक खाते में एक करोड़ रुपये से अधिक जमा राशि है, जिन्होंने विदेश यात्राओं पर दो लाख रुपये खर्च किये हैं अथवा सालभर में एक लाख रुपये या अधिक बिजली का बिल भरा है उनके लिये आईटीआर-1 में रिटर्न भरना वैध नहीं होगा। ऐसे करदाताओं को अलग फॉर्म भरना होगा, जिसे जल्दी ही अधिसूचित किया जायेगा।

अमेरिका-ईरान तनाव से पड़ सकता है भारत में असर

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ने की स्थिति में फारस की खाड़ी के देश को भारत का निर्यात प्रभावित हो सकता है। निर्यातकों के प्रमुख संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन ने यह आशंका व्यक्त की है। फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि निर्यातकों ने अभी ईरान को निर्यात को लेकर कोई चिंता नहीं जताई है। यदि तनाव जारी रहता है तो इससे ईरान को भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी की मौत के बाद अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ गया है। भारत के लिए ईरान प्रमुख व्यापारिक भागीदारों में एक है। ईरान द्वारा भारत को कच्चे तेल, उर्वरक और रसायन का निर्यात किया जाता है। वहीं वह भारत से मोटे अनाज, चाय, कॉफी, बासमती चावल, मसालों और ऑर्गेनिक केमिकल्स का आयात करता है।

वित्त वर्ष 2018-19 में ईरान को भारत का निर्यात 3151 अरब डॉलर या 24,920 करोड़ रुपये का रहा था। वहीं इस दौरान आयात 13152 अरब डॉलर या 96,000 करोड़ रुपये रहा था।

'जीएसटी मुआवजा समाप्ति के बाद राज्यों का राजस्व अंतर पहुंच सकता है एक लाख करोड़ रुपये के पार'

एजेंसी, नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत मुआवजा अवधि समाप्त होने के बाद राज्यों को एकीकृत रूप से 1.23 लाख करोड़ रुपये तक के राजस्व की कमी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक शोध संस्थान एनआईपीएफपी की एक रिपोर्ट में यह अनुमान व्यक्त किया गया है। इसमें कहा गया है कि 30 जून, 2022 को जीएसटी के तहत राज्यों के लिये उनके राजस्व नुकसान की भरपाई करने की पांच साल की अवधि समाप्त हो जाएगी। इसके बाद राज्यों को राजस्व वृद्धि के अनुरूप भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। जीएसटी का क्रियान्वयन एक जुलाई, 2017 को किया गया था। उस समय केंद्र ने राज्यों को एक सहमति वाले फॉर्मूले के तहत पांच साल तक राजस्व की संभावित वृद्धि में होने वाले नुकसान की भरपाई का वादा किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि 30 जून, 2022 के बाद जीएसटी मुआवजे की व्यवस्था समाप्त हो जाती है, तो राज्यों के राजस्व में उम्मीद के अनुरूप कर प्राप्ति और आंकडे स्रोत विश्वसनीयता की यदि बात की जाये तो कुल मिलाकर 1,00,700 से 1,23,646 करोड़ रुपये के बीच कमी रह सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे में राज्यों को 2022-23 में अपने मौजूदा संसाधनों से ही इतना राजस्व और जुटाना होगा या फिर अपने खर्चों में कमी करनी पड़ेगी। जीएसटी संग्रह में कमी तथा जीएसटी मुआवजे की जरूरत और जीएसटी मुआवजा उपकर संग्रह के अंतर की वजह से केंद्र सरकार राज्यों को समय पर जीएसटी मुआवजा जारी नहीं कर पा रहा है। इसको लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विवाद छिड़ा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी मुआवजा वापस होने और राज्य माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) संग्रह में कमी से पंजाब, ओड़िशा, गोवा, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक राज्यों के वित्त पर काफी प्रभाव पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, त्रिपुरा और मेघालय जैसे छोटे राज्य भी इससे प्रभावित होंगे। जीएसटी संग्रह में कमी और एसजीएसटी संग्रह को लेकर अनिश्चितता के बीच कई राज्यों ने 15वें वित्त आयोग से जीएसटी मुआवजे की अवधि को तीन साल बढ़ाकर 2024-25 करने का आग्रह किया है।

खेल दीप

ब्रिटिश जूनियर ओपन के फाइनल में पहुंची अनाहत सिंह

एजेंसी, बर्मिंघम

भारत की अनाहत सिंह ने रविवार को यहां मिस्र की जुन्ना गलाल को हराकर प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट में लड़कियों के अंडर-13 वर्ग के फाइनल में जगह बनायी। एक भारतीय वीर चोटरानी लड़कों के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में जगह बना सकता है। वीर को अभी अपना सेमीफाइनल मैच खेलना है। सुबह का सत्र अनाहत के नाम पर रहा।

उन्होंने मिस्र की खिलाड़ी को 7-11, 11-7, 13-11, 5-11, 17-15 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला मिस्र की एक अन्य खिलाड़ी शीर्ष वरीयता प्राप्त अमीना ओर्फी से होगा।

राणा और तेज गेंदबाजों ने दिल्ली का पलड़ा भारी रखा

एजेंसी, मोहाली

नितीश राणा की 92 रन की जुझारू पारी के बाद तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली ने पंजाब के खिलाफ रणजी ट्राफी ग्रुप ए मैच में रविवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। ध्रुव शोरे के 96 रन के बाद राणा ने भी धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की। निचले मध्य क्रम में जोंटी सिद्धू ने 41 और ललित यादव ने 39 रन का योगदान दिया जिससे दिल्ली ने पहली पारी में 339 रन बनाकर 26 रन की बढ़त हासिल की। पंजाब ने पहली पारी में 313 रन बनाये थे। पंजाब की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 44 रन बनाये हैं। पहली पारी में अंपायरों से बहस करके विवादों में पड़ने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल केवल चार रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

समय पर हुआ टॉस, फिर बारिश बनी बाधा

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टी20 रद्द

एजेंसी, गुवाहाटी

भारत और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की सीरीज का पहला टी20 इंटरनेशनल मैच मैदान गीला होने के कारण रविवार को बिना कोई गेंद फेंके रद्द करना पड़ा। गुवाहाटी में टॉस तो तय समय पर हुआ, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ही बारिश बाधा बन गई। लगभग पौने 8 बजे बारिश रुकी, लेकिन पिच गीली होने की वजह से इंस्पेक्शन का समय 9 बजे रखा गया। तय समय पर अंपायरों ने पिच इंस्पेक्शन किया। फिर आधे घंटे बाद (रात साढ़े 9 बजे) अंपायर एक बार फिर पिच का जायजा लेने के लिए उतरे।

इसके बाद अंपायरों और मैच अधिकारियों ने मैदान गीला होने के चलते मैच रद्द करने का फैसला किया। इससे पहले मुकाबले में भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टॉस जीता और फील्डिंग का फैसला किया लेकिन खेल ही शुरू नहीं हो सका। तीन मैचों की मौजूदा सीरीज का दूसरा टी20 इंटरनेशनल मैच इंदौर में 7 जनवरी को खेला जाएगा।

खेल आधिकारिक तौर पर 7 बजे शुरू होना था। टॉस तो तय समय (शाम साढ़े 6 बजे) हुआ लेकिन बारिश के कारण मैदान काफी हद तक गीला हो गया। बारिश रुक-रुक कर होती रही। रात साढ़े 9 बजे अंपायर पिच का निरीक्षण करने के लिए उतरे जिसके थोड़ी पिच को सुखाने और खेलने लायक बनाने के लिए मैदानकर्मी काफी मशक्कत करते नजर आए। इसके लिए हेयर ड्रायर, कपड़ें वाली इस्त्री आदि का भी इस्तेमाल किया गया। दिग्गज क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने एक टीवी शो पर कहा कि यदि यह मैच रद्द होता है तो स्टेडियम पहुंचे दर्शक काफी निराश होंगे।

भारतीय टीम ने पिछले साल वेस्ट इंडीज, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका को टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मात दी। दूसरी तरफ, श्रीलंका के लिए इस समय हर सीरीज कड़ी परीक्षा है। 36 वर्षीय पेसर लसिथ मलिंगा की कप्तानी में भारत आई श्रीलंकाई टीम ने अनुभवी खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज को वापस बुलाया है। श्रीलंकाई टीम को इससे पहले उसके पिछले 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों में से केवल 2 में ही जीत मिली जबकि भारतीय टीम पिछले 5 में से 4 टी20 मैच जीती।

सोनम ने ओलंपिक पदकधारी साक्षी मलिक को हराकर उलटफेर किया

एजेंसी, नई दिल्ली

दो बार की विश्व कैडेट चैम्पियन सोनम मलिक ने रियो ओलंपिक कांस्य पदकधारी साक्षी मलिक को जबकि जूनियर अंशु मलिक ने विश्व चैम्पियनशिप की पदकधारी पूजा ढांडा को पराजित कर उलटफेर करते हुए एशियाई चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का किया। सोनम और अंशु दोनों को पहले दौर में भारत की अनुभवी पहलवानों से भिड़ना था, लेकिन दोनों ने साहसिक प्रदर्शन किया।

फाइनल दौर में सोनम ने राधिका को 4-1 से हराकर 62 किग्रा वर्ग में भारतीय टीम में जगह बनाई। अंशु ने पूजा को हराने के बाद 57 किग्रा ट्रायल के फाइनल में मानसी को पस्त किया। अन्य वजन वर्गों में कोई हैरानी भरे फैसले देखने को नहीं मिले, जिसमें विनेश फोगाट

(53 किग्रा) और दिव्या काकरान (68 किग्रा) ने आसानी से अपने मुकाबले जीत लिए। निर्मला देवी (50 किग्रा) और किरण गोदारा (76 किग्रा) अन्य पहलवान रहीं जिन्होंने ट्रायल में जीत हासिल की। विजेता पहलवान रोम में 15 से 18 जनवरी तक चलने वाली पहली रैंकिंग सीरीज में भाग लेंगी जिसके बाद ये नई दिल्ली में 18 से 23 जनवरी तक होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप में शिरकत करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में आग पर बोले जोकोविच...

खिलाड़ियों की सेहत पर असर पड़ता है तो ऑस्ट्रेलियाई ओपन में देरी ठीक

एजेंसी, ब्रिस्बेन

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के धुएं से खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को खतरा महसूस होता है तो ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों को साल के पहले ग्रैंडस्लैम को देर से आयोजित कराने पर विचार करना चाहिए।

वर्ष 2020 का शुरुआती मेजर टूर्नामेंट 20 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होना है लेकिन जंगल में लगी आग अब पूर्व की ओर बढ़ी और इसका धुआं शहर में छा गया है, जिससे हवा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। एटीपी खिलाड़ी परिषद के अध्यक्ष जोकोविच ने रविवार को कहा कि अगर ऐसा होता है तो इसमें देरी से आयोजित करना ही अंतिम विकल्प होगा लेकिन इसके बारे में चर्चा किए जाने की जरूरत है।

वह ब्रिस्बेन में चल रही शुरुआती एटीपी कप टीम स्पर्धा में सर्बिया के लिए खेल रहे हैं, जब इस

संदर्भ में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आपने सही सवाल पूछा। निश्चितरूप से आपको विचार करना होगा क्योंकि खराब मौसम और खराब हालात के कारण आपको इस पर विचार करना ही होगा।उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत ही अंतिम विकल्प होगा। लेकिन वे हर संभव कोशिश करेंगे कि दिनों के मामले में देरी नहीं हो। जोकोविच ने कहा कि मेरा मतलब है कि अगर बात खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले हालात की आएगी, तो मुझे लगता है कि हमें निश्चित रूप से इस पर विचार करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के जंगल में लगी आग में अभी तक 24 लोगों की जान जा चुकी है।

रीयल कश्मीर को 2-0 से हराकर मोहन बागान तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी, श्रीनगर

कोलकाता का नामी गिरामी फुटबाल क्लब मोहन बागान रविवार को यहां रीयल कश्मीर एफसी को 2-0 से हराकर हीरो आई लीग की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

कड़ाके की ठंड के कारण मैच सुबह साढ़े ग्यारह बजे शुरु हुआ लेकिन मौसम का असर मेहमानों के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा और टीम को जीत से नहीं रोक सका। पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ। दूसरे हाफ में जोसेबा बेइतिया ने 71वें मिनट और नोंगदाम्बा नाओरेम ने 73वें मिनट में गोल किये। मोहन बागान के अब पांच मैचों में 10 अंक हो गये हैं जबकि कश्मीर की टीम चार मैचों में पांच अंकों से आठवें स्थान पर खिसक गयी। मोहन बागान अब नौ जनवरी को इंडियन एरोज की जबकि रीयल कश्मीर क्लब एक दिन बाद पंजाब एफसी की मेजबानी करेगा।

बेन स्टोक्स ने फील्डिंग में पांच कैच पकड़ बनाया इंग्लैंड के लिए नया रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

बेन स्टोक्स इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडर हैं और अपनी टीम के लिए गेंद व बल्ले से बेजोड़ सहयोग देते हैं। इस वक्त इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच की पहली पारी में बेन स्टोक्स ने अपनी फील्डिंग से दुनिया को हैरान कर दिया और इंग्लैंड के लिए एक ऐसा रिकॉर्ड बना डाला जो टेस्ट क्रिकेट में इससे पहले किसी भी इंग्लिश खिलाड़ी ने नहीं किया था।

प्रोटियाज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी के दौरान बेन स्टोक्स की फील्डिंग देखने लायक थी। उन्होंने इस पारी के दौरान कुल पांच कैच पकड़े और इंग्लैंड की तरफ से किसी टेस्ट मैच की एक पारी में पांच विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड की धारदार गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग के दम पर विरोधी बल्लेबाज 223 रन पर ही सिमट गए।

बेन स्टोक्स ने पहली पारी के दौरान जिन पांच बल्लेबाजों का कैच पकड़ा उनमें जुबैर हमजा, कगान फॉफ डुप्लेसिस, वेनडर डुसें, ड्वेन प्रिटोरियस और एनरिच नोर्तजे शामिल हैं। साउथ अफ्रीका की इस पारी में टीम के सारे के सारे बल्लेबाज कैच आउट ही हुए। इस पारी में सिर्फ फिलेंडर ही 17 रन बनाकर नाबाद रहे। इस टीम के ओपनर से लेकर निचले क्रम तक से सभी बल्लेबाजों ने अपना विकेट कैच के रूप में ही गंवाया। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेन स्टोक्स को एक भी सफलता नहीं मिल पाई। उन्होंने 9 ओवर में 34 रन दिए पर कोई विकेट नहीं मिला।

कैंप ट्रेनिंग का स्तर बढ़ाने पर करेंगे फोकस : कोच शोर्ड मारिन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन इस महीने के अंत में होने वाले न्यूजीलैंड के आगामी दौरे की तैयारियों के लिए आयोजित 17 दिवसीय शिविर के दौरान ट्रेनिंग का स्तर बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। हॉकी इंडिया ने शिविर के लिए 25 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की।

भारतीय महिला टीम के लिए वर्ष 2019 काफी अच्छा रहा, जिसमें उसने तोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करने का लक्ष्य पूरा किया। नए साल में टीम की शुरुआत न्यू जीलैंड के दौरे के साथ होगी, जिसमें वह दुनिया की छठे नंबर की टीम के खिलाफ चार मैच खेलेगी और एक मैच ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ होगा। मारिन ने कहा कि हम सभी 2020 में अच्छे प्रदर्शन और वर्ष में आने वाली सभी चुनौतियों से निपटने की उम्मीद कर रहे हैं। हम 25 खिलाड़ियों के साथ राष्ट्रीय कोचिंग शिविर शुरू कर रहे हैं, जिन्हें ओलिंपिक के लिए अंतिम 16 में स्थान निर्धारित करने के लिए चुना गया है।

टिड्डियों का कहर : फसलों को किया बर्बाद

जीरा, ईसबगोल, सरसों को किया चट, किसान परेशान

जलतेदीप कासं, बालोतरा

क्षेत्र के गांवों में दो दिनों से टिड्डियों के खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाने से किसानों की हालत खस्ता हो गई है। जीरा, ईसबगोल, अरण्डी, सरसों फसल को नुकसान पहुंचाने से किसान चिंतित है। कई गांवों में टिड्डियों ने खड़ी फसलों का पूरा ही चट कर दिया है।

पादरू, कुण्डल, वालियाणा, इन्द्राणा, मूठली, मिठौड़ा, दांखा, रनियासर, बुड़ीवाड़ा, जागसा, सूरसिंह का ढाणा आदि गांवों में दो दिन से बैठे टिड्डियों के दल ने कई खेतों में खड़ी जीरा, इसबगोल, सरसों व अरण्डी फसल को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अनार के पौधों की पत्तियों को चट किया, जिससे फल कमजोर होने को लेकर किसान चिंतित है।

टिड्डी पहुंचने के समाचार पर किसान सक्रिय है, लेकिन बड़ी मात्रा में पहुंची टिड्डियों से फसलों को बचाना इनके लिए मुश्किल हो गया है। किसान व परिवार के सदस्य बर्तन बजा, टायर जला, स्प्रे कर टिड्डियों को भगाने व मारने में जुटे है। बावजूद कई खेतों में टिड्डियों ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। गांव टापरा व असाड़ा सरहद में टिड्डियां पहुंची। इस पर किसानों ने इसे स्वयं के स्तर पर भगाया। अपुष्ट जानकारी अनुसार बावतरा,कांखी, कुण्डल क्षेत्र में टिड्डियों का दूसरा दल पहुंचा है।

दादाभाई की जन्मशताब्दी पर संस्कृत पाठक सम्मेलन

संस्कृत के प्रचार-प्रसार में भारती का अविस्मरणीय योगदान : राघवाचार्य

जलतेदीप कासं, जयपुर

रेवासाधाम अग्रपीठाधीश्वर राघवाचार्य वेदांती महाराज ने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है और संगणक के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। संस्कृत के प्रचार-प्रसार में भारती संस्कृत पत्रिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे रविवार को भारतीय संस्कृत प्रचार संस्थानम द्वारा संघ कार्यालय भारती भवन में आयोजित भारती संस्कृत के पाठक सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। भारती के संस्थापक संपादक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिवंगत वरिष्ठ अधिकारी दादाभाई गिरिराज शास्त्री की जन्मशताब्दी पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब अधिकांश साहित्यिक व सांस्कृतिक लघु पत्रिकाएं अपना अस्तित्व खो चुकी हैं, ऐसे समय में वर्ष 1950 में दीपावली से प्रकाशित संस्कृत पत्रिका आज भी संपूर्ण भारत में पढ़ी जा रही है। यह सब दादाभाई गिरिराज शास्त्री की तपस्या का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि दादाभाई राजस्थान में संघ कार्य की नींव के पत्थर थे, उन्होंने संस्कृत के प्रचार में अविस्मरणीय भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति सम्मानित संस्कृत विद्वान व डॉ. एस.राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति बनवारीलाल गौड़ ने कहा कि भारती संस्कृत की एक श्रेष्ठ पत्रिका है, जिसके पठन से जीवन की न्यूनताएं दूर होती हैं। इसमें दैनिक जीवन से जुड़ी अनेक बातें मिलती हैं। इसमें प्रकाशित आयुर्वेद स्तम्भ पाठकों के लिए बहुत ही उपयोगी होता है।

अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रपति सम्मानित संस्कृत विद्वान व भारती के प्रधान संपादक देवर्षि कलानाथ शास्त्री ने कहा कि भारती इस देश की एकमात्र ऐसी संस्कृत पत्रिका है जो बिना किसी व्यवधान के पिछले 70 सालों से लगातार प्रकाशित हो रही है। आपातकाल के दौरान भी यह पत्रिका निरंतर प्रकाशित होती रही है। इसमें पारम्परिक विषयों के साथ ही समसामयिक विषयों पर निरंतर विमर्श होता रहा है।

इससे पूर्व अतिथियों ने भारती के पूर्व संपादक व राजस्थान शिखर साधना पुरस्कार से सम्मानित आचार्य प्यारेमोहन व्यास का सम्मान पत्र, श्रीफल व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। जहां आचार्य व्यास ने दादाभाई के जीवन से जुड़े कई प्रसंग सुनाए।

इससे पूर्व चलचित्र के माध्यम से दादाभाई का जीवन दर्शन प्रदर्शित किया गया। अतिथियों ने भारती के नवीन अंक का विमोचन भी किया। इस दौरान सेवा भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मूलचंद सोनी, वरिष्ठ प्रचारक माणकचंद, कैलाश, प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र, सम्पादक कृष्ण शर्मा, सुदामा, नाथूलाल सुमन, गुणवंतसिंह कोठारी, डॉ. सुधीर शर्मा समेत बड़ी संख्या में पाठक व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

वर्कशॉप में बच्चों ने चित्र बना भरे कल्पना के रंग

जलतेदीप कासं, जयपुर

जवाहर कला केंद्र (जेकेके) में रविवार को 9 दिवसीय 'चिल्ड्रन्स फेस्टिवल' की शुरुआत हुई। फेस्टिवल के प्रथम दिन मध्यवर्ती में आयोजित पेंटिंग वर्कशॉप में 5 से 8 वर्ष और 9 वर्ष से 16 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया। इस वर्कशॉप का संचालन मनोज जोशी कर रहे हैं। इस अवसर पर बच्चों ने घोड़े का चित्र बनाना सीखा और उनमें अपनी कल्पना से रंग भरे। कुछ बच्चों ने 'इंडिया ऑफ माई ड्रीम' थीम पर आधारित चित्र भी बनाए। इस तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान बच्चों को पेड़, पक्षी, पशु, फूल, पत्ते, आदि बनाना सिखाया जाएगा।

इस अवसर पर जेकेके की महानिदेशक किरण सोनी गुप्ता ने कहा कि इस वर्कशॉप के दौरान वरिष्ठ चित्रकार डॉ. एन.एल. वर्मा और मनोज जोशी से मिलने वाली गाइडेंस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। महानिदेशक ने बताया कि बच्चों में क्रिएटिव थिंकिंग को प्रोत्साहित करना इस वर्कशॉप का उद्देश्य है। बच्चों में क्रिएटिविटी भरपूर होती है, लेकिन उसे चैनलाइज करना आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों को सलाह दी कि एकेडमिक तनाव से मुक्ति के लिए वे अपने बच्चों को कला के साथ जोड़ें।

जेकेके के अतिरिक्त महानिदेशक (तकनीकी) फुरकान खान ने भी प्रतिभागी बच्चों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कलाकार एन.एल. वर्मा ने कहा कि वृत्त, त्रिभुज जैसी मूल आकृतियों का उपयोग करके भी बच्चे आसानी से कलात्मक और जटिल चित्र सरलता से बना सकते हैं।

विगत — मुकेश मांडण

संचार माध्यम

हमारा 'टेप रिकॉर्डर'! मनोरंजन का सर्वप्रिय माध्यम! रिकॉर्डेड गानों की धुन पर झूमता युवा वर्ग और इसकी लय में यादों को गुनगुनाते बुजुर्ग। गीतों को सुनकर किसी दृश्य को बुनते लोग और पसंदीदा गानों की सूची तैयार करते दिलफेंक! अब यह भी इतिहास का हिस्सा बन चुका।

'बावले छोरे' का न्यू एल्बम सोंग 'आवो पियाजी' यूट्यूब चैनल जी म्यूजिक राजस्थानी पर आज होगा लॉन्च

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान रैपिंग सिंगर बावले छोरे संकल्प सम्भव शर्मा अपना न्यू एल्बम वीडियो सोंग आवो पियाजी 6 जनवरी सोमवार को जी म्यूजिक राजस्थानी यूट्यूब चैनल पर रिलीज करेंगे। इस सोंग की शूटिंग विजयनगर के विजयनगर फोर्ट में की गई है। इस सॉन्ग को बावले छोरों ने लिखा और गाया है व डायरेक्शन किया है। वीडियो में मुख्य कलाकार बावले छोरों के साथ कमल सिंह पादरेला व खुशबू दहिया ने अभिनय किया है। सोंग को संगीत दिया अकिर्थ पुरोहित उदयपुर, कैमरामैन दीपक छिपा ने। आवो पियाजी सोंग में प्रियसी अपने पति का इंतजार करती हैं, जो उसके ख्याल में रचना बनती उस को बहुत ही बेहतरीन ढंग से वीडियो में दर्शाया गया हैं। इस सोंग के निर्माता व निर्देशन रामकिशोर शर्मा है।

राज्यपाल ने पूर्व राज्यपाल को जन्म दिवस की बधाई दी

जलतेदीप कासं, जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह को उनके जन्म दिवस पर बधाई दी हैं। राज्यपाल मिश्र ने सिंह को उनके सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल की अजमेर जिला कलेक्टर को बधाई

राज्यपाल कलराज मिश्र ने अजमेर जिला कलेक्टर विश्वमोहन शर्मा को दिल्ली में मिले बेस्ट कलेक्टर अवार्ड के लिए बधाई दी है। दिल्ली में आयोजित समारोह में केन्द्रीय कॉर्पोरेट मामलात एवं वित्त राज्यमंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने अजमेर जिला कलेक्टर विश्वमोहन शर्मा को बेस्ट कलेक्टर अवार्ड सिक्स सिगमा हेल्थ केयर एक्सीलेंस ऑफ दी ईयर के लिए दिया गया है।

बनवारीलाल सोती कौस्तुभ जयंती महोत्सव

राजस्थान के लाल का कोलकत्ता में सम्मान

- हिमाचल के राज्यपाल , कोलकाता के मेयर थे अतिथि
- 150 से अधिक संस्थाओ ने किया अभिन्दन
- राजस्थान के सांसद सी.पी.जोशी, विधायक धर्मनारायण जोशी और पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा भी आये समारोह में
- सोती की जीवनयात्रा पर 19वां अध्याय ग्रंथ का भी लोकार्पण

एजेंसी, कोलकाता

हिमाचल के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आध्यत्म को विकास की सबसे बड़ी धूरी बताते हुए कहा कि उसी से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत चल रहा हैं। इस देश में सरकार के अलावा परमार्थ भाव से समाजसेवा में जो लोग लगे हुए उनके कारण ही भारत पुनः शक्तिशाली राष्ट्र बनकर उभरा हैं। समाजसेवी बनवारी लाल सोती ने परमार्थ भाव से जो सेवा कार्य किए हैं वह तो अदभुत, अतुलनीय और वंदनीय हैं। दत्तात्रेय रविवार को कोलकाता स्थित विद्या मंदिर भवन में प्रमुख समाजसेवी और व्यवसायी बनवारी लाल सोती के कौस्तुभ जयंती महोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। राजस्थान में चूरू जिले के मूल निवासी और कोलकाता प्रवासी सोती के सम्मान में समारोह का संयुक्त आयोजन कोलकाता की डेढ़ सौ से अधिक संस्थाओं की ओर से किया गया था।

हिमाचल के राज्यपाल ने सोती की जीवन यात्रा पर सुशील ओझा की ओर से संपादित 19 वां अध्याय ग्रंथ का भी विमोचन किया। ग्रंथ में चिकित्सा, शिक्षा तथा अन्य सामाजिक प्रकल्पों में सोती के योगदान को भी रेखांकित किया गया हैं इनमें 81000 नेत्र ऑपरेशन, 21000 ब्लड यूनिट और चूरू में मेघवाल समाज को बनाकर दिया सामुदायिक भवन सहित अनेकों सेवा प्रकल्प में योगदान का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। कौस्तुभ जयंती समारोह में पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ शहरी विकास मंत्री व कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम ने सोती को महामानव बताते हुए उनके द्वारा किए सेवा कार्यों को अतुलनीय बताया।

आपसी रंजिश में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

एजेंसी, प्रयागराज। प्रयागराज जिले में हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। रविवार को युसुफपुर सेवयत गांव में पति, पत्नी और दो बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच लोगों की गला रेतकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। शुरूआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि आपसी रंजिश में इस घटना को अंजाम दिया गया है। गंगापार इलाके के सोरांव तहसील के यूसुफपुर गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की देर रात हत्या कर दी गई। हत्या की सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों सहित भारी संख्या में जवान गांव में पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विजय शंकर तिवारी, उनकी पत्नी, बेटों समेत परिवार के ही पांच लोगों के कत्ल से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। मौके पर एसएसपी पहुंच गए हैं। कई थानों की पुलिस फोर्स इलाके में तैनात कर दी गई है। घर का मुख्य दरवाजा वारदात के बाद भी बंद ही था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्यारों ने पीछे के रास्ते का इस्तेमाल किया होगा। इसके अलावा घर में मौजूद हमला करने योग्य भारी चीजों के माध्यम से भी हत्या के तमाम सबूत जुटाए जा रहे हैं। सोरांव में काफी तनाव है। आसपास के लोग भी कुछ बता नहीं पा रहे हैं कि आखिर किसने पूरे परिवार की हत्या की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय गौ समृद्धि सम्मेलन जयपुर में आयोजित

जलतेदीप कासं, जयपुर

राजस्थान गौ सेवा परिषद् की ओर से रविवार को जयपुर के नीलम होटल में राष्ट्रीय गौ समृद्धि सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राज्य के जलदाय एवं ऊर्जा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला, गौपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी, पूर्व मंत्री डॉ. चंद्रभान, संवित सोमगिरि महाराज सहित प्रदेश एवं अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने राजस्थान गौ सेवा परिषद् की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि गौ-संरक्षण और गौ संवर्धन की दिशा में काम करने वाली ऐसी संस्थाओं को सरकार की तरफ से पूरा सहयोग दिया जाएगा। जलदाय एवं ऊर्जा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने बताया कि गाय पूरे विश्व की माता है। गौ संवर्धन और नस्ल सुधार के लिए रिसर्च और समेकित प्रयास समय की आवश्यकता है।

डॉ. कल्ला ने गौ आधारित कृषि, गौ आधारित ऊर्जा तथा गौ और कृषि आधारित ग्रामोद्योग के बारे में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि गोचर भूमि और गौ वंश को बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास जरूरी है। गौ आधारित कृषि और जैविक खेती हर लिहाज से फायदेमंद है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति तो बढ़ती ही है, जैविक कृषि के उत्पाद भी मूल्य देने वाले है। इनसे इंक्रीजिंग रिर्टन प्राप्त किया जा सकता है।

इस क्षेत्र में मार्केटिंग पर फोकस करते हुए उसे सही तरीके से अंजाम देने की जरूरत है। गौ आधारित ऊर्जा पैदा करने के लिए वैज्ञानिक नये सिरे से रिसर्च करें, गोबर गैस तैयार करने की तकनीक में परिर्वतन के भी रास्ते खोजे जाएं। उन्होंने गौ वंश की सुरक्षा के लिए प्लास्टिक मुक्त देश बनाने का संकल्प लेने की अपील की और थारपारकर, राठी और गिर जैसी देशी नस्लों के संवर्धन के लिए भी सघन और सतत प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित किया। गौपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने कहा कि गाय का हमारे जीवन में बेहद बड़ा स्थान है।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री भंवरसिंह भाटी ने गाय और गौ-उत्पादों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए परिषद् के प्रयासों की सराहना की और गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए हरसम्भव मदद का आश्वासन दिया। राजस्थान गौ सेवा परिषद् के अध्यक्ष हेम शर्मा ने उद्देश्यों के बारे में जानकारी साझा की। कार्यक्रम में कुलपति राजुवास प्रो. विष्णु शर्मा, संवित सोमगिरि, सुनील मानसिंघा, अनिल अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने भी गौसंरक्षण और गौसंवर्धन पर अपने विचार व्यक्त किए।

संक्षिप्त खबरे

ऑस्ट्रेलिया : जंगलों में लगी आग से मृतकों की संख्या 24 पहुंची

एजेंसी, सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने जंगल में लगी भीषण आग में बर्बाद हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और अन्य राहत उपायों के लिए रविवार को नेशनल बुशफायर रिकवरी एजेंसी की स्थापना की, जो लोगों के मानसिक स्वास्थ्य में भी सहायता प्रदान करने का कार्य करेगी। दूसरी ओर अधिकारी आग को बुझाने के लिए जूझ रहे हैं और इसमें अब तक 24 लोगों की जान जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि पूर्व संघीय पुलिस प्रमुख एंड्रयू कॉल्विन की अगुवाई वाली एजेंसी आग से प्रभावित समुदायों को हालात से उबरने में मदद करेगी। संकट से निपटने के लिए धीमी कार्रवाई को लेकर ऑस्ट्रेलिया में व्यापक आलोचना का सामना कर रहे मॉरिसन ने कहा कि यह एजेंसी कम से कम दो साल तक काम करेगी। उन्होंने कहा कि मुझे कोई संदेह नहीं है कि उनके पास राहत कार्यों की एक लंबी सूची होगी जो करने होंगे... पुलों, सड़कों और अन्य महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण जैसे कार्य करने होंगे और हम सबके सहयोग से तीव्र गति से काम करेंगे।

न्यूजीलैंड में समुद्र तट पर आई सात व्हेल मछलियों को बचाया गया

एजेंसी, न्यूजीलैंड। में राहत एवं बचावकर्मियों ने समुद्र तट पर बहकर आई सात पायलट मछलियों की समुद्र में सकुशल वापसी करा दी, जबकि चार की मौत हो गई। एडम एयनोन रिचड्स नामक एक पर्यटक ने कहा कि लगभग एक हजार स्वयंसेवकों ने काफी मशक्कत के बाद व्हेल मछलियों को समुद्र में छोड़ने में कामयाबी पाई। जानकारी के मुताबिक, उत्तरी द्वीप में कोरोमंडल प्रायद्वीप पर समुद्र तट पर लगभग एक हजार स्थानीय लोग छुट्टी मनाने के वहां पहुंचे थे। कुछ समय बीतने के बाद समुद्र से तेज लहरें उठीं और कई व्हेल उसमें बहकर समुद्र तट पर आ गईं। संरक्षण विभाग ने बताया कि तेज लहरों के बहाव में बहकर आई व्हेल में सात को वहां मौजूद लोगों की मदद से बचाया गया और अन्य मृत पड़ी व्हेल को दफनाया गया है। गौरतलब है कि दो वर्ष पहले न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के शीर्ष पर फेयरवेल स्पिट में 330 से अधिक पायलट व्हेल की मौत हो चुकी है।

दोबारा हमला करने की गलती न करे, ईरान : ट्रम्प

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी है कि वह दोबारा हमले की गलती ना करे, नहीं तो अमेरिकी द्वारा उसे जोरदार जवाब दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान ने हमला किया तो उस पर इतना जोरदार हमला किया जाएगा जो उसने कभी नहीं झेला होगा। इस पर पलटवार करते हुए ईरान की सेना ने कहा कि अमेरिका में लड़ने का साहस नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर कहा कि उन्होंने हम पर हमला किया और हमने उसका जवाह हमले से दिया। यदि वे फिर से हमला करते हैं, जो कि मैं उन्हें सलाह देता हूं कि वे ऐसा न करें, तो हम ईरान पर इतना जोरदार हमला करेंगे जो उन्होंने कभी नहीं झेला होगा। ट्रंप ने एक और ट्वीट कर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने सैन्य उपकरणों पर सिर्फ दो ट्रिलियन डॉलर खर्च किया है। हम दुनिया में सबसे बड़े देश हैं और अब तक के सबसे अच्छे भी! अगर ईरान एक अमेरिकी बेस, या किसी अमेरिकी पर हमला करता है, तो हम उस पर कुछ नए खूबसूरत हथियारों से बिना किसी हिचकिचाहट के हमला करेंगे।

इमारत ढहने के मामले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 36 हुई, बचाव कार्य बंद

एजेंसी, कंबोडिया। दक्षिणी कंबोडिया में एक निर्माणाधीन इमारत ढहने के मामले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है और मलबे से अब पीड़ितों को निकालने का काम भी बंद हो गया है। कम्बोडिया में निर्माणाधीन इमारतों के ढहने की घटनाओं में यह ताजा मामला है।

कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन ने बताया कि सात मंजिला होटल के मलबे से 23 लोगों को जिंदा निकाला गया। तटीय केप प्रांत में शुक्रवार दोपहर को एक निर्माणाधीन सात मंजिला इमारत ढह गई थी। रविवार को बचावकर्मियों ने मलबे में फंसे एक कुत्ते को भी निकाला।

आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़ा, 171 अस्पताल पैनल से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत फर्जीवाड़ा करने के आरोप में 171 अस्पतालों को पैनल से बाहर कर दिया गया है तथा अस्पतालों पर 4.5 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने यह जानकारी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखंड और झारखंड के छह अस्पतालों के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। एक बयान में कहा गया है कि अस्पतालों को पहले ही पैनल से बहार किया जा चुका है। कदाचार में शामिल अस्पतालों पर 4.5 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। आयुष्मान भारत योजना का लक्ष्य निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों को महंगे मेडिकल इलाज के बिल से निजात दिलाना है। इस योजना के दायरे में गरीब, वंचित ग्रामीण परिवार और शहरी श्रमिकों की पेशेवर श्रेणियों को रखा गया है। नवीनतम सामाजिक आर्थिक जातीय जनगणना के हिसाब से गांवों के ऐसे 8.03 करोड़ और शहरों के 2.33 परिवारों को शामिल किया गया है। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रत्येक परिवार को सालाना पांच लाख रुपये की कवरेज दी जाती है और वे सरकारी या निजी अस्पताल में कैशलेस इलाज करा सकते हैं।

जन्मदिन पर मुरली मनोहर जोशी से मिले पीएम मोदी, कहा आपसे बुहुत कुछ सीखा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी के 86वें जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दी और उन्हें राष्ट्रहित के विषयों पर 'अटल व्यक्तित्व' का स्वामी बताया। पीएम मोदी ने ट्वीट के अलावा मुरली मनोहर जोशी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मनोहर जोशी की देश में अमिट छाप पीएम मोदी ने 86वें जन्मदिन के मौके पर मुरली मनोहर जोशी को बधाई दी। नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, मुरली मनोहर जोशी जी के जन्मदिवस पर उन्हें बधाइयां। जोशी ने राजनीति, संसद में और एक मंत्री के तौर पर हमारे देश के योगदान में अमिट छाप छोड़ी है। जब राष्ट्रहित तथा देश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाने की बात आती है तो वह दृढ़ साबित होते हैं।

उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा कि जोशी के साथ सालों तक काम कर वह खुद को खुशकिस्मत मानते हैं। उन्होंने कहा, मेरी तरह कार्यकर्ताओं ने उनसे बहुत सीखा है. पार्टी को मजबूत करने में उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

राज्यसभा के 19 सांसदों के खिलाफ गलत प्रक्रिया से दाखिल 22 शिकायतें खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्च सदन की आचार समिति ने 19 सांसदों के खिलाफ दाखिल 22 शिकायतों को खारिज कर दिया। समिति की दलील थी कि इन शिकायतों में सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। इसके बाद सभापति वेंकैया नायडू ने राज्यसभा के अधिकारियों को आचार समिति के कामकाज की पूरी प्रक्रिया के प्रति सदस्यों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। सभापति ने साथ ही समिति के अध्यक्ष प्रभात झा को शिकायतें दाखिल करने के नियमों की दोबारा जांच करने का प्रस्ताव भेजा है। आचार समिति के कामकाज को लेकर पिछले हफ्ते हुई समीक्षा बैठक में सामने आया कि पिछले चार सालों में 19 सांसदों के खिलाफ आई 22 शिकायतों को बिना जांच के लौटा दिया गया। इनमें 17 सदस्य सदस्य सत्ता पक्ष और विपक्ष की आठ प्रमुख पार्टियों से और दो स्वतंत्र सदस्य थे। इन 22 शिकायतों में से 13 कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से, चार-चार शिकायतें गृह मंत्रालय और लोकसभा सचिवालय से आईं थीं।

महाराष्ट्र : उद्धव सरकार में मंत्रालयों का बंटवारा

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में 30 दिसंबर को कैबिनेट विस्तार के छह दिन बाद रविवार को महा विकास अघाड़ी के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंत्रियों को विभाग बांट दिए। उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजीत पवार नए वित्त मंत्री हैं और एनसीपी के एक अन्य नेता अनिल देशमुख को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सबसे खास बात यह है कि एनसीपी को कई मलाईदार विभाग दिए गए हैं। इसमें वित्त, सिंचाई, ग्रामीण विकास, हाउसिंग, एक्साइज और सहकारी जैसे मंत्रालय शामिल हैं।

अजित को वित्त और अनिल देशमुख को गृह विभाग

गांव-घर से दूर कांग्रेस

इन सबके बीच कांग्रेस को कोई ऐसा विभाग नहीं मिला जो गांव-घर से जुड़ा हो। कृषि, सिंचाई, ग्रामीण विकास, सिंचाई या सहकारी ऐसे विभाग हैं जिनका गांवों से सीधा नाता है। लेकिन उद्धव ठाकरे ने ऐसे विभागों को खुद की पार्टी शिवसेना को आवंटित कर दिया है। बाकी के कुछ अहम विभाग एनसीपी को दिए गए हैं। कृषि मंत्रालय शिवसेना ने खुद के पास रखा है। ऐसा तब किया गया है कि जबकि कांग्रेस के अधिकांश विधायक ग्रामीण इलाकों से जीत कर आए हैं। विभाग आवंटन से पहले उनकी कोशिश भी यही थी कि उन्हें गांव से जुड़े विभाग दिए जाएं लेकिन उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

बीएमसी पर सेना की नजर

शिवसेना के आदित्य ठाकरे को पर्यावरण और पर्यटन, जबकि एकनाथ शिंदे को शहरी विकास मंत्रालय दिया गया है। वहीं शिवसेना के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई उद्योग मंत्रालय संभालेंगे। कांग्रेस के बालासाहेब थोराट नए राजस्व मंत्री होंगे और नितिन राउत ऊर्जा विभाग संभालेंगे. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) दिया गया है। विभाग आवंटन में शिवसेना ने अपनी शहरी पैठ बनाए रखी है और शहरी विकास मंत्रालय खुद के पाले में रखा है। यह मंत्रालय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के लिए काफी अहम है क्योंकि मुंबई को चलाने का जिम्मा इसी के कंधे पर है. बीएमसी या अन्य निगमों के बहुत जल्द चुनाव होने वाले हैं जिसमें शहरी विकास मंत्रालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता